MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 24 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-233

बांग्लादेश में सनसनी
हिंदू परिवार की हत्या

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के रंगपुर शहर में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत का सनसनीखेज मामला सामने आया है। शहर के दासपारा (मछुआपारा) इलाके में शनिवार रात एक बंद मकान के अंदर रिटायर्ड स्कूल शिक्षक, उनकी पत्नी, बेटी और 12 वर्षीय बेटे के शव बरामद किए गए।

द डेली स्टार रिपोर्ट के मुताबिक, दासपारा इलाके में शनिवार रात करीब 11:30 बजे चारों शव बरामद किए गए। मृतकों की पहचान रंगपुर जिला स्कूल के सेवानिवृत्त शिक्षक गणपति चक्रवर्ती (65), उनकी पत्नी प्रीतिलता चक्रवर्ती (50), बेटी आगामी चक्रवर्ती प्रार्थी (23) और बेटे प्रियम चक्रवर्ती (12) के रूप में हुई है।

रंगपुर महानगर कोतवाली थाने के प्रभारी नजमुल कादर ने घटना की पुष्टि की है। वहीं, रंगपुर महानगर सीआईडी के प्रभारी सुबीर चौधरी ने बताया कि मां और बेटी के शव सीढ़ियों से बरामद हुए, जबकि गणपति चक्रवर्ती का शव घर की छत पर मिला। उनके 12 वर्षीय बेटे का शव एक बिस्तर के नीचे पाया गया।

हत्या के बाद 6-7 घंटे घर में छिपे रहे आरोपी खीरा-खजूर खाए और नहाकर हुए फरार

बांग्लादेश के रंगपुर में एक हिंदू परिवार के चार सदस्यों की हत्या के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। पुलिस के मुताबिक, दो आरोपियों ने परिवार के चार लोगों की हत्या करने के बाद करीब 6 से 7 घंटे तक उसी घर में छिपकर बिताए। इस दौरान उन्होंने घर में खाना खाया, फ्रिज से खीरा निकाला, खजूर खाए और बाद में वहीं नहाकर फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने हत्या की बात कबूल कर ली है।

मृतकों की पहचान सेवानिवृत्त स्कूल शिक्षक गणपति चक्रवर्ती, उनकी पत्नी प्रीतिलता चक्रवर्ती, बेटी आगामी चक्रवर्ती प्रार्थी और 12 वर्षीय बेटे प्रियम चक्रवर्ती के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले में दो चचेरे भाइयों मुग्धो और सिद्धार्थ को हिरासत में लिया है।

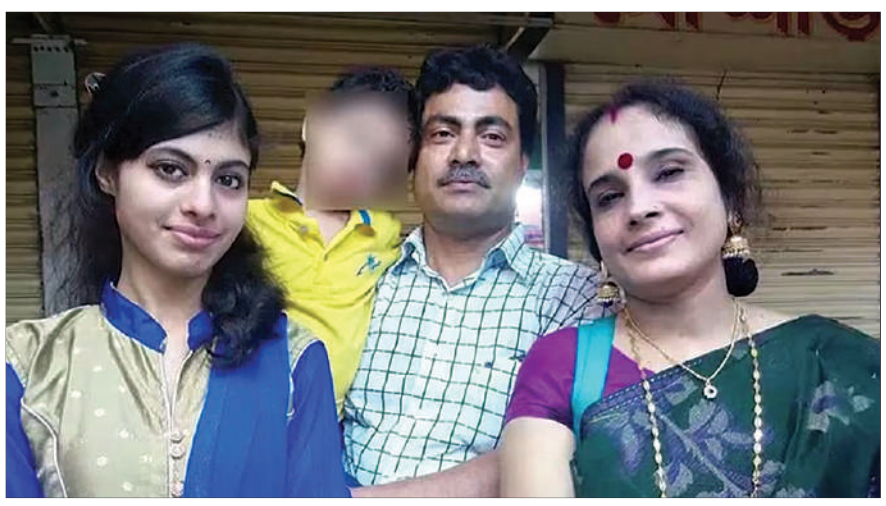

गणपति चक्रवर्ती पिछले वर्ष 31 दिसंबर को रंगपुर जिला स्कूल से सेवानिवृत्त हुए थे। उनकी बेटी ने इसी वर्ष अंग्रेजी में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की थी, जबकि उनका 12 वर्षीय बेटा प्रियम रंगपुर जिला स्कूल में पांचवीं कक्षा का छात्र था।

पुलिस, अपराध जांच विभाग और जासूसी शाखा की संयुक्त जांच

रंगपुर महानगर पुलिस, अपराध जांच विभाग और जासूसी शाखा ने संयुक्त रूप से मामले की जांच की। जांच के दौरान दोनों संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार, हिरासत में लेने के बाद दोनों से अलग-अलग और फिर आमने-सामने पूछताछ की गई। पुलिस का दावा है कि पूछताछ के दौरान दोनों ने चारों हत्याओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। हालांकि, जांच एजेंसियां हत्या के पीछे की पूरी वजह, घटनाक्रम और इसमें किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका समेत मामले के दूसरे पहलुओं की भी जांच कर रही हैं। पोस्टमार्टम और अन्य फोरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी।

छत पर नशा कर रहे थे आरोपी

पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी पड़ोसी इमारत के रास्ते गणपति चक्रवर्ती के घर की छत पर पहुंचे थे। वहां वे कथित तौर पर याबा नामक नशीली गोली का सेवन कर रहे थे। गणपति ने छत से आवाज सुनी और दोनों से पूछताछ करने के लिए ऊपर पहुंचे।पुलिस का दावा है कि आरोपियों को डर था कि गणपति उन्हें पहचान लेंगे। इसी वजह से उन्होंने कथित तौर पर गणपति के गले में पड़े गमछे से उनका गला दबा दिया।

गणपति के साथ हाथापाई की आवाज सुनकर उनकी पत्नी प्रीतिलता छत की ओर पहुंचीं। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने सीढ़ियों पर कपड़े से उनका भी गला दबा दिया। इसके बाद परिवार की बेटी आगामी और 12 वर्षीय बेटे प्रियम की भी हत्या कर दी गई।

पुलिस को संदेह है कि प्रियम आरोपियों में से एक के छोटे भाई अपूर्वा का दोस्त था। इसी वजह से आरोपियों को डर था कि प्रियम उनकी पहचान बता सकता है। हालांकि, पुलिस को परिवार की किसी व्यक्ति से पुरानी दुश्मनी या विवाद की जानकारी नहीं मिली है। पुलिस के मुताबिक, हत्या करने के बाद आरोपी तुरंत घर से नहीं निकले, बल्कि करीब 6 से 7 घंटे तक वहीं छिपे रहे। जांच के दौरान पुलिस को घर में खजूर की गुठलियां और खीरे से जुड़े साक्ष्य मिले।

पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने घर में नशा किया, खाना खाया और इसके बाद वहीं स्नान भी किया। जांच के दौरान कुछ चूड़ियां भी मिलीं, जिन्हें कथित तौर पर आग में जलाने की कोशिश की गई थी। पुलिस का दावा है कि इन साक्ष्यों ने जांच को आरोपियों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उधर, परिजनों के मुताबिक, गुरुवार रात से परिवार के चारों सदस्यों के मोबाइल फोन बंद आ रहे थे।

▶8 पर

डोभाल चीन में, सीमा विवाद पर चर्चा
अटल चैनल एक्टिव

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और चीन के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को लेकर एक बार फिर उच्चस्तरीय बातचीत का दौर शुरू होने जा रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल 24 अगस्त को बीजिंग पहुंचेंगे, जहां 25वें दौर की विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ बातचीत करेंगे। दोनों नेताओं के बीच यह बैठक 25 अगस्त को प्रस्तावित है।

भारत और चीन के संबंधों में सीमा विवाद सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक रहा है। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव के बाद दोनों देशों के बीच सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर लगातार संवाद होता रहा है। विशेष प्रतिनिधियों की यह बैठक भी इसी प्रक्रिया की अगली कड़ी है। पिछले कुछ समय से भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयास जारी हैं। दोनों पक्ष सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने के साथ-साथ द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के रास्ते तलाश रहे हैं। ऐसे माहौल में डोभाल और वांग यी की प्रस्तावित बैठक पर दोनों देशों के रणनीतिक हलकों की नजर रहेगी।

2003 में बना था बातचीत का यह तंत्र

भारत-चीन सीमा विवाद पर विशेष प्रतिनिधियों के बीच बातचीत का तंत्र वर्ष 2003 में बनाया गया था। इसका उद्देश्य करीब 3,488 किलोमीटर लंबी सीमा से जुड़े विवाद का राजनीतिक समाधान तलाशना और दोनों देशों के बीच बातचीत के जरिए मतभेदों को संभालना है।

अब तक इस तंत्र के तहत 24 दौर की बातचीत हो चुकी है। यह व्यवस्था तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की चीन यात्रा के दौरान बनी थी। इसके बाद से यह संवाद तंत्र भारत और चीन के बीच सीमा से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर बातचीत का एक अहम माध्यम बना हुआ है।

गलवान के बाद पहली बड़ी चुनौती

वर्ष 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद भारत और चीन के रिश्तों में बड़ा तनाव पैदा हुआ था। इसके बाद पूर्वी लद्दाख में लंबे समय तक दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने रहीं।

हालांकि, पिछले कुछ समय में सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर हुई बातचीत के जरिए कई टकराव वाले स्थानों से सैनिकों की वापसी और तनाव कम करने की दिशा में कदम उठाए गए हैं। ऐसे माहौल में डोभाल और वांग यी की बैठक को केवल सीमा विवाद तक सीमित बातचीत के तौर पर नहीं देखा जा रहा है। इसके नतीजों का असर दोनों देशों के व्यापक द्विपक्षीय संबंधों पर भी पड़ सकता है।

वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति और तनाव कम करना अहम मुद्दा

वार्ता में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति बनाए रखना और सीमा पर तनाव को और कम करना प्रमुख मुद्दों में शामिल हो सकता है। पिछले वर्ष हुई 24वें दौर की बातचीत में दोनों पक्षों ने सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने पर जोर दिया था। साथ ही सीमा प्रबंधन और तनाव कम करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर भी सहमति बनी थी।

▶8 पर

अंतरराज्यीय ठग गिरोह का भंडाफोड़
नोट के बदले डबल नोट!

रायपुर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ पुलिस ने एक अंतरराज्यीय ठग गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए महाराष्ट्र से सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह कई राज्यों में लोगों को रसायन के इस्तेमाल से काले और खराब नोटों को नए नोटों में बदलने तथा रकम को दोगुना करने का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी करता था। पुलिस के अनुसार गिरोह ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और दिल्ली में 100 से अधिक लोगों को अपना शिकार बनाया है। एक अधिकारी ने बताया कि नागपुर में पहले गिरफ्तार की गई दो महिला सहयोगियों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने इस सप्ताह की शुरुआत में पुणे जिले के खंडाला स्थित एक रिसॉर्ट पर छापा मारा।

वहां आरोपी वाराणसी के एक व्यक्ति को ठगने की कोशिश करते हुए रंगे हाथों पकड़े गए। वह व्यक्ति अपनी रकम दोगुनी करवाने के लिए करोड़ों रुपये लेकर वहां पहुंचा था।

पुलिस ने गिरोह के पास से 4 करोड़ रुपये से अधिक नकद, 17 मोबाइल फोन, नोटों के आकार में कटे हुए काले कागज, कांच की प्लेटें और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, गिरोह वर्ष 2025 से सक्रिय था और अब तक कई राज्यों में 100 से अधिक लोगों से ठगी कर चुका है। आरोपी लोगों को विश्वास दिलाते थे कि वे विशेष रसायन का इस्तेमाल कर काले और खराब नोटों को नए नोटों में बदल सकते हैं। इसके साथ ही वे रकम को दोगुना करने का लालच भी देते थे। इस मामले में तेलीबांधा पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) यानी धोखाधड़ी और धारा 61(2) यानी आपराधिक साजिश के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने पहले नागपुर में एक मामले के सिलसिले में कनीज फातिमा उर्फ भावना पांडे (24) और दीपिका पालीवाल (24) को गिरफ्तार किया था।

▶8 पर

पाक में तुर्की जखीरा

ड्रोन और विमानों की गुप्त खेप

इस्लामाबाद, 23 अगस्त (एजेंसियां)। तुर्की से पाकिस्तान को कथित तौर पर बड़े पैमाने पर हथियारों की आपूर्ति किए जाने की खबर सामने आई है। इनमें विशेष रूप से ड्रोन शामिल बताए जा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह आपूर्ति बेहद गोपनीय तरीके से की गई और इसके संबंध में पाकिस्तान या तुर्की की ओर से आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी गई है। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान को हथियारों की यह कथित खेप मक्का समझौते के करीब दो सप्ताह बाद मिली है। इस समझौते में सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान शामिल हैं। भारत के लिए यह घटनाक्रम चिंता का विषय माना जा रहा है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी पाकिस्तान को तुर्की से सैन्य सहायता मिलने की खबरें सामने आई थीं। ऐसे में ताजा घटनाक्रम को पाकिस्तान की संभावित सैन्य तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है।

19 से 21 अगस्त के बीच सैन्य विमानों की आवाजाही

सूत्रों के हवाले से सामने आई रिपोर्ट के अनुसार, इस सप्ताह 19 से 21 अगस्त के बीच तुर्की के सी-130 और ए-400एम जैसे सैन्य परिवहन विमानों की पाकिस्तान के विभिन्न वायुसेना अड्डों पर आवाजाही देखी गई। करीब 60 से 65 घंटे तक इन विमानों की गतिविधियों पर नजर रखे जाने का दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सैन्य विमान मुख्य रूप से रात के समय पाकिस्तान पहुंचे और वहां से उड़ान भरते रहे। इससे हथियारों की कथित आपूर्ति को लेकर सुरक्षा एजेंसियों और विशेषज्ञों की चिंता बढ़ गई है।

पाकिस्तान को क्या मिला?

रिपोर्ट के मुताबिक, इस सप्ताह रावलपिंडी के नूर खान और कराची के मसरूर वायुसेना अड्डों पर तुर्की के सी-130 सैन्य विमानों की आवाजाही देखी गई। वहीं, एक ए-400एम विमान तुर्की से मुरीद वायुसेना अड्डे पर पहुंचा। सुरक्षा सूत्रों का दावा है कि इन सैन्य परिवहन विमानों ने करीब 60 घंटे के दौरान पाकिस्तानी वायुसेना अड्डों पर कई बार उड़ान भरी और लैंडिंग की। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस दौरान तुर्की ने पाकिस्तान को ड्रोन की बड़ी खेप पहुंचाई। बताया जा रहा है कि कथित आपूर्ति में बायरक्तार टीबी-2 और अकिंसी ड्रोन के अलावा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित

▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 24^0

दोस्ती की खातिर
इमरान के लिए कपिल-गावस्कर ने लिखा पत्र

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के सुनील गावस्कर और कपिल देव सहित दुनिया भर के 21 पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कप्तानों ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पत्र लिखकर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और 1992 विश्व कप विजेता कप्तान इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई है। पूर्व कप्तानों ने इमरान खान को उचित चिकित्सा उपचार और जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की अपील की है।

पूर्व कप्तानों ने स्पष्ट किया कि उनकी अपील का किसी राजनीतिक मामले से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि वे यह गुहार राजनीतिक कारणों से नहीं, बल्कि क्रिकेट के मैदान पर वर्षों पुराने साथी और खिलाड़ी के नाते लगा रहे हैं।

पत्र में पूर्व कप्तानों ने दावा किया कि पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान को एक मेडिकल बोर्ड द्वारा जांच के लिए अस्पताल भेजने का आदेश दिया था। हालांकि, उनके अनुसार इमरान खान को केवल कुछ घंटों के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां सरकारी चिकित्सकों की टीम ने उनकी जांच की।

पत्र में आरोप लगाया गया है कि मेडिकल बोर्ड की प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही उन्हें स्वस्थ घोषित कर वापस अदियाला जेल भेज दिया गया। पूर्व कप्तानों ने इमरान खान की दाहिनी आंख की रोशनी प्रभावित होने जैसी गंभीर स्वास्थ्य संबंधी रिपोर्टों का हवाला देते हुए चिंता जताई कि अदालत के आदेश का पूरी तरह पालन नहीं किया गया।

पूर्व कप्तानों ने पाकिस्तान की कानूनी प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करने की बात कहते हुए इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर तीन प्रमुख मांगें रखी हैं।

▶8 पर

सीजेपी-एबीवीपी झड़प
पुलिस ने 11 लोगों को हिरासत में लिया

जोधपुर, 23 अगस्त (एजेंसी)। यहां गांधी शांति प्रतिष्ठान में आयोजित सीजेपी कार्यक्रम में रविवार को झड़प हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक सीजेपी कार्यकर्ता पर बीजेवाईएम कार्यकर्ता द्वारा कथित तौर पर थप्पड़ मारने के बाद यह घटना हुई, जिसके बाद सीजेपी कार्यकर्ताओं और एबीवीपी तथा बीजेवाईएम के सदस्यों के बीच टकराव शुरू हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि झड़प के दौरान एक सीजेपी कार्यकर्ता के कपड़े फट गए।

पुलिस ने कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा आयोजित शिक्षा बचाओ, देश बचाओ संवाद के दौरान हमले या अन्य अपराधों के संबंध में कोई औपचारिक शिकायत या सूचना उन्हें प्राप्त नहीं हुई है।

जोधपुर डीसीपी (पूर्व) मनीष कुमार चौधरी ने कहा कि गांधी शांति प्रतिष्ठान में सीजेपी का कार्यक्रम चल रहा था और कुछ लोगों ने सीमा दीवार फांदकर परिसर में प्रवेश करने की कोशिश की। डीसीपी ने बताया कि उन्होंने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। उन्होंने कहा कि अगर हमले के बारे में कोई औपचारिक शिकायत या सूचना प्राप्त होती है तो आगे की कार्रवाई की जाएगी।

▶8 पर

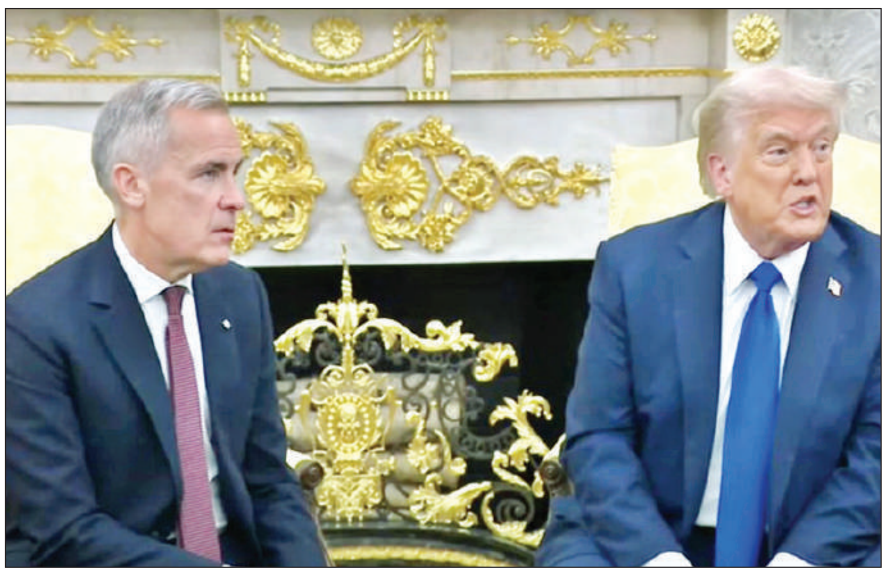

अमेरिका को कनाडा का जवाब, 8 सितंबर से कई उत्पादों पर लगाएगा जवाबी टैरिफ

ओटावा

अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापारिक तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए नए 50 प्रतिशत टैरिफ के जवाब में अमेरिका से आयात होने वाले कई उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने का ऐलान किया है। ये नए टैरिफ 08 सितंबर से लागू किए जाएंगे।

कार्नी ने कहा कि कनाडा अमेरिकी शुल्क का जवाब लगभग डालर के बदले डालर के आधार पर देगा, ताकि देश के श्रमिकों, किसानों, परिवारों और कारोबारों के हितों की रक्षा की जा सके।

कनाडा की ओर से स्टील, डेयरी उत्पाद, घरेलू उपकरण, कृषि मशीनरी, पल्प एवं पेपर और इलेक्ट्रानिक्स समेत कई अमेरिकी क्षेत्रों को जवाबी टैरिफ के दायरे में लाने की तैयारी है।

दोनों देशों के बीच कई दिनों तक चली गहन व्यापार वार्ता 21 अगस्त को किसी समझौते के बिना समाप्त हो गई। कार्नी ने वार्ता विफल होने के लिए अमेरिका की अंतिम समय की नई शर्तों को जिम्मेदार ठहराया। उनके अनुसार, ये शर्तें आर्थिक रूप से अनुचित थीं और कनाडा के लिए संभावित समझौते के लाभ को कमजोर कर रही थीं।

अमेरिका के नए शुल्क का असर कनाडा के शराब, फर्नीचर, डेयरी, सीमेंट, कपड़ा, मछली पकड़ने के उपकरण और हाकी से जुड़े सामान समेत कई क्षेत्रों पर पड़ने की आशंका है। रिपोर्टों के अनुसार, नए अमेरिकी टैरिफ से कनाडा के अमेरिका को होने वाले निर्यात का करीब पांच प्रतिशत प्रभावित हो सकता है।

कनाडाई सरकार ने यह भी संकेत दिया है कि अमेरिकी शुल्क से प्रभावित घरेलू उद्योगों के लिए जल्द राहत और सहायता उपायों की घोषणा की जाएगी। वहीं, कुछ व्यापार विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बढ़ते टैरिफ से दोनों देशों के कारोबार, रोजगार और कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है।

ओंटारियो के प्रीमियर डग फोर्ड ने कार्नी के फैसले का समर्थन करते हुए प्रस्तावित व्यापार समझौते को कनाडा के हितों के खिलाफ बताया। दूसरी ओर, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जमीसन ग्रीर ने कहा कि फिलहाल कनाडा के साथ नई व्यापार वार्ता की कोई योजना नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल ने नहीं मानी मस्क की शर्त, स्टारलिंक को शत प्रतिशत हिस्सेदारी देने से इनकार

काठमांडू। नेपाल ने अमेरिकी कंपनी स्टारलिंक को शत प्रतिशत स्वामित्व देने से इनकार कर दिया है। स्टारलिंक दुनिया के सबसे अमीर एलन मस्क की कंपनी है। नेपाल ने अपनी नई दूरसंचार नीति के हत 20 प्रतिशत स्थानीय साझेदारी के साथ विदेशी निवेश की शर्त रखी है। सरकार की इस शर्त ने स्टारलिंक को नेपाल में अपनी सेवा विस्तार के लिए फिलहाल रोक दिया है। नेपाल में 100 प्रतिशत स्वामित्व की शर्त के बीच विश्वस्तरीय प्रौद्योगिकी कंपनी को देश में लाकर डिजिटलीकरण का विस्तार करने का प्रयास तत्काल सफल होता नहीं दिख रहा है। नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी सीमित रखने के लिए अनिवार्य स्थानीय साझेदार की पुरानी व्यवस्था पर कायम है। हाल ही में दूरसंचार नीति के मसौदे में दूरसंचार सेवा संचालित करने के इच्छुक विदेशी निवेशकों के लिए स्थानीय साझेदार को अनिवार्य रूप से 20 प्रतिशत हिस्सेदारी देने की पुरानी नीति को ही निरंतरता दी गई है।

दहशत में मुनीर ने रावलपिंडी को बना दिया छावनी, इमरान खान विवाद से पाकिस्तान की बढ़ी टेंशन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने पंजाब गृह विभाग की सिफारिश पर रावलपिंडी शहर में अगले छह महीनों के लिए सेना तैनात करने की मंजूरी दे दी है। यह महत्वपूर्ण फैसला संविधान के अनुच्छेद 245 के तहत लिया गया है, जिसका उद्देश्य शहर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और किसी भी संभावित अप्रिय घटना से प्रभावी ढंग से निपटना है। गृह एवं मादक द्रव्य नियंत्रण मंत्रालय की तरफ से जारी एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, पाकिस्तान सेना की तीन कंपनियों को रावलपिंडी में संवेदनशील सुरक्षा कर्तव्यों के लिए तैनात किया गया है, जो शहर की सुरक्षा चुनौतियों को दर्शाता है। बताया जा रहा है कि सेना प्रमुख आसिम मुनीर भयंकर डरे हुए है और वे कोई जोखिम लेना नहीं चाहते। सेना की तैनाती की तत्काल आवश्यकता तब पड़ी जब पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से कथित तौर पर जुड़े एक व्यक्ति ने रावलपिंडी में सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। जवाबी कार्रवाई में वह हमलावर मारा गया। सुरक्षा सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक हमलावर खैबर जिले का निवासी था और पीटीआई का एक सक्रिय कार्यकर्ता था। उसके पास से पार्टी का झंडा, हथियार और गोलियां भी बरामद हुई थीं। हालांकि, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने इस घटना से किसी भी तरह के संबंध से साफ इनकार किया है। पार्टी का कहना है कि उनका आतंकवाद से कोई लेना-देना नहीं है और सरकार जानबूझकर उन्हें इस हमले से जोड़ने की कोशिश कर रही है, जो कि राजनीतिक प्रतिशोध का एक हिस्सा है।

पाकिस्तान में बैठ नेटवर्क चला रहा भारत का दुश्मन शहजाद भट्टी, रचता है साजिशें

इस्लामाबाद। 16 मार्च 2025 की बात है, सुबह के 4 बज रहे थे। पंजाब के जालंधर में रहने वाले सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर नवदीप सिंह संधू के घर पर हमला हुआ। बालकनी में ग्रेनेड फेंका गया। पंजाब पुलिस और एनआईए ने इस मामले में हार्दिक कंबोज नाम के युवक को पकड़ा। हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान में बैठे गैंगस्टर शहजाद भट्टी ने ले ली और मामला हाई प्रोफाइल हो गया। ये पहला या अकेला मामला नहीं है। पाकिस्तान में बैठकर शहजाद भारत में कई साजिशें रच चुका है। बता दें 17 अगस्त को गृह मंत्री अमित शाह ने ऐलान किया था कि भारत में शहजाद का नेटवर्क खत्म कर दिया गया है, लेकिन सवाल ये है कि पाकिस्तान में बैठे भट्टी और उसके गुर्गों का नेटवर्क अब भी गिरफ्त से बाहर है। ऐसे में क्या वह भारत में फिर से अपना नेटवर्क खड़ा कर सकता है। उसके काम करने का तरीका क्या है। अंडरवर्ल्ड डान दाऊद इब्राहिम ने पाकिस्तान में बैठकर भारत में हवाला, तस्करी, फिरौती और आर्गनाइज्ड क्राइम का मजबूत नेटवर्क बना रखा था। वहीं शहजाद भट्टी जमीन पर उतरने के बजाय सोशल मीडिया के जरिए भारत में युवाओं तक पहुंच रहा है। एनआईए और स्पेशल सेल में मौजूद हमारे सोर्स ने बताया कि शहजाद भट्टी नेटवर्क का मुखिया है, जो सीधे आईएसआई के संपर्क में रहता है। उसके तीन वजीर हैं, जो पाकिस्तान और बलूचिस्तान के बड़े गैंगस्टर है। शनि टाइगर जो पाकिस्तान का गैंगस्टर और हथियार सप्लायर, ब्रेनवाश करने में माहिर है।

अमेरिका की अब ईरान के खिलाफ आर्थिक युद्ध की तैयारी, तेहरान का पड़ोसियों से साथ न देने का आग्रह

तेहरान/वाशिंगटन

होर्मुज जलडमरूमध्य पर वर्चस्व को लेकर अमेरिका और ईरान के खिलाफ छिड़ा युद्ध अब और आक्रामक होने वाला है। अमेरिका की बड़े आर्थिक युद्ध की चेतावनी से ईरान में हाहाकार जरूर मच गया है पर वह झुकने को तैयार नहीं दिख रहा। ईरान ने अपने पड़ोसी देशों को आगाह किया है। उसने इन देशों को चेताया कि अगर किसी ने इस मोर्चे पर अमेरिका का साथ दिया तो उसे ईरान का दुश्मन माना जाएगा। ऐसे देशों के खिलाफ दुश्मन की तरह ही कार्रवाई की जाएगी।

अमेरिका सोमवार को बड़े कदमों की घोषणा कर सकता है। वित्त सचिव स्काट बेसेंट अमेरिका की योजना का खुलासा करेंगे। इस साल 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हवाई हमले शुरू करने के बाद से लगभग छह महीने की लड़ाई के बावजूद, दोनों पक्ष इस समय एक-दूसरे पर गोलीबारी तो नहीं कर रहे हैं, लेकिन शांति वार्ता की दिशा में आगे बढ़ने के कोई संकेत भी नहीं दे रहे हैं।

होर्मुज में तेल की ढुलाई लगभग ठप हो गई है। तेहरान ने इस अहम जलमार्ग से गुजरने की कोशिश करने वाले किसी भी अनधिकृत तेल टैंकर पर हमला करने की धमकी दी है। ईरान की अर्थव्यवस्था

पहले से ही प्रतिबंधों की वजह से भारी दबाव में है। अमेरिकी वित्त सचिव स्काट बेसेंट सोमवार को एक प्रेस कान्फ्रेंस में ईरान पर इतिहास की सबसे सख्त पाबंदियां लगाने की घोषणा कर सकते हैं। बेसेंट ने चीन से भी वाशिंगटन के साथ सहयोग करने का आग्रह किया है। एनालिटिक्स फर्म केप्लर के 2025 के आंकड़ों के अनुसार, चीन , ईरान से निर्यात होने वाले तेल का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा खरीदता है।

अरब न्यूज, द न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने पड़ोसी देशों को अमेरिका के आर्थिक युद्ध में शामिल होने के खिलाफ चेतावनी देते हुए तेल मार्गों पर कार्रवाई की धमकी दी है। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसिन रेजाई ने कहा कि तेहरान ऐसे देशों को निशाना बनाएगा। रेजाई ने कहा कि ईरान उन देशों को भी जवाब देगा जिन्होंने अमेरिका को देश पर आर्थिक युद्ध थोपने में मदद की।

रेजाई की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान के खिलाफ सबसे कड़ी आर्थिक कार्रवाई की योजना की घोषणा के बाद आई है। ट्रंप ने तेहरान को वित्तीय या अन्य सहायता देने वाले देशों को भी गंभीर आर्थिक नतीजे भुगतने की धमकी दी है।

सरकारी प्रसारक आईआरआईबी को दिए साक्षात्कार में कहा कि हमारे सभी पड़ोसी अमेरिका के साथ आर्थिक युद्ध में शामिल न हों, वरना हम उन्हें दुश्मन मानेंगे। उन्होंने कहा कि अगर पड़ोसी देशों ने सलाह नहीं मानी तो ईरान फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल निर्यात रोक सकता है। उन्होंने कहा कि तेल की एक भी बूंद बाहर नहीं जाने दी जाएगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल में कहा कि नए प्रतिबंधों में ईरान की आर्थिक जीवनरेखा माने जाने वाली सुविधाओं (तेल तस्करी नेटवर्क, वित्तीय हस्तांतरण, एक्सचेंज हाउस, जहाज पंजीकरण और फ्रंट कंपनियों) को निशाना बनाया जाएगा।

ट्रंप ने कहा, यह एक इकोनामिक डी-डे होगा। ईरान को अलग-थलग करने और हराने के लिए हमें अपने सभी सहयोगियों की जरूरत है कि वे संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ खड़े हों। उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु शक्ति बनने का सपना त्यागना होगा। हथियार नहीं रखने दिया जाएगा। इस पर रेजाई ने कहा कि ट्रंप ने वैश्विक परमाणु सुरक्षा को मजबूत करने के बजाय परमाणु असुरक्षा पैदा कर दी है। उन्होंने दावा किया कि तेहरान के खिलाफ वाशिंगटन के कदमों से देशों की परमाणु हथियार हासिल करने में दिलचस्पी बढ़ी है।

ईरान के उपराष्ट्रपति (प्रथम) मोहम्मद रजा अरेफ ने ट्रंप के आर्थिक युद्ध शुरू करने की धमकी देने की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंध ईरानी लोगों के संकल्प को नहीं बदल पाएंगे। ईरान के विदेशमंत्री सैयद अब्बास अरागची ने भी ट्रंप की इसके लिए आलोचना की है।

इस बीच बाल्कन देश बुल्गारिया ने कहा कि ईरान की नाराजागी के बीच दो अमेरिकी टैंकर विमान ((केसी-135) बुल्गारिया से रवाना हो गए हैं। बुल्गारिया के रक्षामंत्री दिमितार स्टोयानोव ने बताया कि दो अमेरिकी टैंकर विमान बुल्गारिया के बेजमर एयरबेस से रवाना हो गए हैं।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि अमेरिका की आसन्न घोषणा संयुक्त राष्ट्र के हर स्वतंत्र सदस्य देश पर अतिरिक्त क्षेत्रीय संप्रभुता थोपने जैसा है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अंतरराष्ट्रीय कानून में ऐसी सेकेंडरी पाबंदियों का कोई आधार नहीं है। इससे पहले ईरान के सशस्त्र बलों के चीफ आफ स्टाफ, मेजर जनरल अली अब्दुल्लाही ने कहा कि ईरान दुश्मन की धमकियों का सैन्य रूप से करारा, दंडात्मक और विनाशकारी जवाब देगा।

जापान में आधी रात को कांपी धरती, दहशत में घरों से भागे लोग

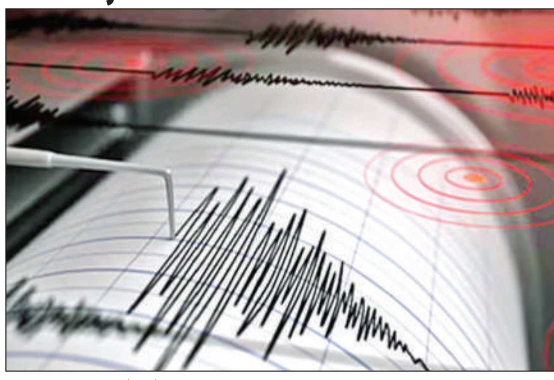

टोक्यों

जापान में 5.9 तीव्रता के भूकंप से कई इलाके दहल उठे। जब लोग गहरी नींद में थे, तभी खिड़कियां और दरवाजे जोर-जोर से हिलने लगे और घरों में रखी चीजें गिरने लगीं। अचानक आए तेज झटकों से घबराए लोग बच्चों और बुजुर्गों को लेकर घरों से बाहर निकलकर सड़कों और खुले स्थानों की ओर भागे। भूकंप का केंद्र दक्षिणी इबारकी प्रांत में जमीन से करीब 70 किलोमीटर नीचे बताया गया।

इबारकी के अलावा टोक्यो, साइतामा और चिबा में भी तेज झटके महसूस किए गए। जापान के सात-बिंदु वाले भूकंपीय पैमाने पर इसकी तीव्रता लोअर 5 दर्ज की गई। इस स्तर के झटकों में मकानों की दीवारों में दरारें आने और बिना सहारे रखी भारी वस्तुओं के गिरने का खतरा रहता है। राहत की बात यह रही कि भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की गई।

पुराने जख्मों ने बढ़ाई दहशत

नए भूकंप के झटकों ने जापान के लोगों के हालिया त्रासदी के जख्म फिर ताजा कर दिए। कुछ सप्ताह पहले क्यूशू के कुमामोटो इलाके में 7.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था। उस

खिड़की दरवाजों से आई डराने वाली आवाज

हादसे में कम से कम 18 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 62 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। कई घायलों की हालत गंभीर बताई गई थी। बड़ी संख्या में इमारतों को नुकसान पहुंचा था, जिससे स्थानीय लोगों में भूकंप का डर अभी भी बना हुआ है।

माल हादसे की याद से सहमे लोग

पिछले विनाशकारी भूकंप के दौरान काशिमा शहर के एक बड़े माल में भी भयावह स्थिति पैदा हो गई थी। झटकों के बीच करीब 3,000 लोगों को पार्किंग क्षेत्र में सुरक्षित निकाला गया था। इसके बाद माल के एक हिस्से में गैस विस्फोट हुआ, जिससे दूसरी मंजिल का बड़ा हिस्सा ढह गया।

मलबे में कई लोग फंस गए थे और राहत एवं बचाव दल ने भारी उपकरणों और क्रेन की मदद से कई दिनों तक अभियान चलाया था। नए झटकों ने लोगों को एक बार फिर उसी भयावह दौर की याद दिला दी। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या हताहत की तत्काल पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन भूकंप के बाद लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

पाक के बलोचिस्तान के कोयला खदान में जहरीली गैस की चपेट में आए दो खनिकों की मौत

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। देश के बलोचिस्तान प्रांत की डुकी कोयला खदान में जहरीली गैस की चपेट में आने से दो खनिकों की मौत हो गई और चार बेहोश हो गए। बचाव दल ने इसकी पुष्टि की। इससे पहले जुलाई आखिर में क्वेटा के बाहरी इलाके में धमाके से कोयला की एक खदान ढहने से 34 खनिकों की मौत हो चुकी है। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, शवों और बेहोश मजदूरों को अस्पताल पहुंचाया गया। बचाव दल के सूत्रों ने बताया कि कोयला खदान लंबे समय से बंद थी। इससे उसमें जहरीली गैस भर गई। खदान में पहुंचते ही इसी गैस के कारण खनिकों की मौत हो गई। इससे पहले 30 जुलाई को बलोचिस्तान की राजधानी क्वेटा के बाहरी इलाके में कोयला खदान गैस धमाके से ढह गई थी। इस हादसे में 34 खनिकों की मौत हो गई। यह हादसा क्वेटा के सोरेंज इलाके की कोयला खदान में हुआ था।धमाके के समय 42 कर्मचारी काम कर रहे थे। बाकी खनिकों का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है।

अतीत को समझने की प्रक्रिया वर्तमान के ज्ञान से होती है प्रभावित : फार्समैन

केप टाउन

दक्षिण अफ्रीका, बोत्सवाना, लेसोथो और मोजाम्बिक में लंबे समय तक शोध करने वाले पुरातत्वविद् टिम फार्समैन का मानना है कि अतीत को समझने की प्रक्रिया हमेशा वर्तमान के ज्ञान, परिस्थितियों और दृष्टिकोण से प्रभावित होती है। इतिहास केवल बीते समय का रिकार्ड नहीं होता, बल्कि उसे समझने का हमारा नजरिया भी समय के साथ बदलता रहता है। विज्ञान, तकनीक, राजनीति और सामाजिक परिस्थितियों में बदलाव आने के साथ अतीत की व्याख्या भी नई दिशा लेती है। अपनी पुस्तक में उन्होंने अफ्रीका में पुरातत्व के विकास को चार प्रमुख चरणों में विभाजित किया है। इनमें शुरुआती दौर, पुरातत्व का व्यवस्थित विकास, परिपक्वता का चरण और पूरे महाद्वीप में इसके विस्तार का काल शामिल है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया है कि इन चरणों की सीमाएं पूरी तरह निश्चित नहीं हैं और समय के साथ इनमें कई बदलाव देखने को मिले। उन्नीसवीं शताब्दी के अंतिम वर्षों में, जब यूरोपीय शक्तियां अफ्रीका में उपनिवेश स्थापित कर रही थीं, उस समय पुरातत्व का मुख्य उद्देश्य ऐतिहासिक वस्तुओं का संग्रह करना था। उस दौर में खोजी गई सामग्री का वैज्ञानिक विश्लेषण बहुत कम किया जाता था।

संग्रहालयों के कर्मचारी, मिशनरी, प्रशासक और यात्री ही अधिकतर अनुसंधान कार्य करते थे, जबकि प्रशिक्षित पुरातत्वविदों की भूमिका सीमित थी। बीसवीं शताब्दी की शुरुआत में पुरातात्विक अनुसंधान अधिक वैज्ञानिक और व्यवस्थित हुआ। 1920 के दशक तक विश्लेषण आधारित नई शोध पद्धतियां विकसित हो चुकी थीं। इसके बावजूद लंबे समय तक अफ्रीका के इतिहास को औपनिवेशिक सोच के प्रभाव में देखा जाता रहा। कई मिथक और गलत धारणाएं, जैसे बाहरी सभ्यताओं द्वारा अफ्रीका के विकास की अवधारणा, शोध पर हावी रहीं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विज्ञान और तकनीक में हुई प्रगति ने पुरातत्व को नई दिशा दी। रेडियोकार्बन डेटिंग जैसी

आधुनिक तकनीकों ने पुरातात्विक खोजों की आयु का अधिक सटीक निर्धारण संभव बनाया। इससे इतिहास की कई पुरानी धारणाओं का पुनर्मूल्यांकन हुआ और अफ्रीकी सभ्यताओं के विकास को नए दृष्टिकोण से समझा जाने लगा।

1960 के दशक के बाद स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी पुरातत्व अनुसंधान का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई। लोग केवल श्रमिक के रूप में ही नहीं, बल्कि अपने पारंपरिक ज्ञान और स्थानीय इतिहास के माध्यम से भी शोध प्रक्रिया में शामिल होने लगे। स्वाहिली तट इसका प्रमुख उदाहरण माना जाता है, जहां पहले बाहरी प्रभावों पर अधिक जोर दिया जाता था, लेकिन बाद के अध्ययनों ने स्थानीय समाज की ऐतिहासिक भूमिका को प्रमुखता दी। विशेषज्ञों का मानना है कि पुरातत्व केवल प्राचीन वस्तुओं की खोज तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज, संस्कृति और सभ्यताओं के विकास को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम भी है।

पाकिस्तान ने पीओके को नर्क बना दिया, यूएन से हस्तक्षेप की मांग

ब्रिटेन के सांसदों ने संयुक्त राष्ट्र को लिखा पत्र

लंदन

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में बिगड़ते हालात को लेकर 70 से ज्यादा ब्रिटिश सांसदों ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। साथ ही पाकिस्तानी बलों द्वारा किए जा रहे नरसंहार को खत्म करने और नागरिकों की जान की सुरक्षा के उपाय करने की अपील भी की गई है। यह पत्र पीओके में मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन और नागरिकों पर हो रहे अत्याचारों की ओर वैश्विक समुदाय का ध्यान आकर्षित करता है।

ब्रिटिश सांसदों की अपील क्षेत्र में बढ़ती हिंसा और दुर्व्यवहार के बीच आई है, जहां पाकिस्तानी बलों की क्रूर कार्रवाई में सैकड़ों लोग मारे गए और घायल हुए हैं। क्षेत्र में अभी भी सख्त नाकाबंदी,

कर्फ्यू और पूरी तरह से कम्युनिकेशन्स ब्लैकआउट लागू है, जिससे स्थिति और भी चिंताजनक हो गई है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव को संबोधित पत्र में ब्रिटिश सांसदों ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में, मौतों, संचार पर प्रतिबंधों, मनमानी गिरफ्तारियों, आवश्यक आपूर्ति में व्यवधान और शांतिपूर्ण नागरिक और राजनीतिक अभिव्यक्ति पर लगाम की रिपोर्टों ने काफी चिंता पैदा की है। हमने ब्रिटिश कश्मीरियों से भी लगातार सुना है, जो संबंधित क्षेत्र में अपने रिश्तेदारों और प्रियजनों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता में हैं। यह स्थिति मानवीय संकट का रूप लेती जा रही है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के एक प्रवक्ता ने पीओके में पाकिस्तान की बर्बरता को लेकर आवाज उठाई थी और कहा था कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान इस तरह का अत्याचार करने को लेकर पाकिस्तानी सरकार को जवाब देना चाहिए। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की कार्रवाई पर बढ़ती चिंता को दर्शाता है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने पीओके के हालिया घटनाक्रम पर चिंता जताई थी।

उन्होंने प्रदर्शनकारियों की मौत मामले की निष्पक्ष और गहन जांच कराए जाने तथा पाकिस्तान द्वारा संयुक्त अवामी कार्रवाई समिति पर प्रतिबंध लगाने एवं उसके नेताओं को गिरफ्तार किए जाने का मुद्दा उठाया था।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण रूप से एकत्र होने के अधिकार का उल्लंघन करते हुए इंटरनेट के इस्तेमाल और सार्वजनिक सभाओं पर लगाई गई पाबंदियों को लेकर भी चिंता जताई गई थी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त ने अशांति के कारण प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के सदस्यों की हुई सभी मौतों की गहन और निष्पक्ष जांच तत्काल कराए जाने का आह्वान किया था। संयुक्त अवामी कार्रवाई समिति (जेएएसी) ने इन प्रदर्शनों की अगुवाई की। इनमें ट्रांसपोर्टर, छात्र, वकील, कार्यकर्ता एवं अन्य लोग शामिल हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिनभर तनाव बना रहेगा , जिससे आप की कार्यक्षमता पर भी असर दिखेगा । आपके लिए विपरीत परिस्थिति निर्मित हो सकती है। चोट लगने की आशंका है। आप आज ऊर्जा से भरपूर हैं, जो आपके काम में भी स्पष्ट दिखाई देगी । अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद अपने साथी के लिए कुछ समय निकालें। आज आप किसी पर संदेह कर सकते है। कुसंगति से दूर रहें। धन लाभ होने की संभावना है। खानपान का ध्यान रखें। प्रसन्नता रहेगी। नौकरीपेशा लोगों का किसी सहयोगी से विवाद हो सकता है। यात्रा का योग बन रहा हैं स्वास्थ्य परेशान कर सकता हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन जबरदस्त रहेगा। आज आप को अनजान व्यक्तियों से मेलझोल बढाना पड सकता हैं। आप को कुसंग से दूर रहना चाहिए । सामाजिक रूप से आपका सम्मान होगा। खर्च मे कमी हो सकती है। आज आप विपरीत परिस्थिति सामना करेंगे । आज आप जीवनसाथी को घूमने लेकर जाए । किसी मुद्दे पर उनकी सलाह लेकर काम करें। आवश्यक न हो तो यात्रा को टालें। प्रसन्न रहें। शासकीय कार्य पूरे होंगे। कर्ज की रकम वापस मिलेगी। धार्मिक कार्यक्रम का हिस्सा बनें मन प्रफुल्लित रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज बडे बुजुर्गों का आशीर्वाद लेकर ही दिन की शुरुआत करें वाणी पर संयम रखें आपका किसी के साथ विवाद हो सकता है। कार्य क्षेत्र में बाधा आ सकती है। युवाओं को सफलता मिलेगी। नया काम प्रारंभ करने से पहले बड़ों से सलाह जरूर ले। आज आपको धन लाभ होने की संभावना है।जीवनसाथी की जरूरतों का ध्यान रखें। निवेश कर सकते हैं। कामकाजी लोगों को खुशखबरी मिलेगी। पैतृक मामले में प्रगति होगी। समय पर जिम्मेदारी पूरी करने का प्रयास करें। नंदी को दाल का भूसा खिलाए गौ सेवा करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज खर्चा ज्यादा होगा मित्रों से विचार विमर्श करें । आज आपको किस्मत का सहयोग प्राप्त होगा। कुसंगति से दूर रहें। धार्मिक कार्यों में शामिल होंगे। व्यवसाय में लाभ होगा। खानपान को लेकर लापरवाही न करें। प्रसन्न रहेंगे। सेहत ठीक रहेगी। निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा । युवाओं को नौकरी मिल सकती है। नए प्रोजेक्ट पर कार्य शुरू कर सकते हैं। किसी से विवाद होने की आशंका है। लम्बीत कार्य को पहले पूरा करें अनावश्यक तकलीफें दूर रहेंगी ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अगर आप अपने क्रोध पर नियंत्रण रखने मे कामयाब होते हैं तो दिन खुशनुमा बीतेगा अन्यथा दिन मिलाजुला रहेगा। बाहर जाते समय सावधान रहें। कोई अप्रिय घटना हो सकती है। आज अच्छे कार्यो पर आपका धन खर्च होगा। आज सेहत को लेकर आप चिंता में रहेंगे। युवाओं को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। अनजान लोग आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं। कर्ज लेनदेन करते समय विशेष सावधानी रखें। आज यात्रा करनी पड रही हैं तो गुड का सेवन करके प्रस्थान करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कुछ भागमदौड ज्यादा ही होगी थकावट का अनुभव होगा । कामकाजी लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। कारोबार के क्षेत्र में निराशाजनक परिणाम प्राप्त होंगे। आपको किस्मत का साथ मिलेगा। जीवनसाथी के साथ मधुरता रहेगी। कुछ नुकसान उठाना पड सकता है। पूजा पाठ करने से मानसिक शांति की प्राप्ति होगी। दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। छात्रों का दृढ़ संकल्प और मेहनत रंग लाएगी। अगर आप अविवाहित हैं और विवाह सम्बन्ध के लिए परेशान है तो दुर्गा की उपासना करें कार्यसिद्धि होगी मनोवांछित परिणाम मिलेगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप को कर्म का फल मिलेगा भाग्य आप का साथ देगा दिन शानदार रहेगा । धन लाभ होने की संभावना है। नए काम में मन लगेगा। किसी की मदद कर सकते हैं।प्रभु की आराधना से शांति मिलेगी। आपको पदोन्नति मिल सकती है। आपको खुशखबरी मिल सकती है। अनजान लोगों से सतर्क रहें। अपने मित्रों के साथ घूमने जा सकते हैं। स्वास्थ्य सम्बन्धित परेशानी हो सकती हैं सतर्क रहें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज शिक्षा से जुडे हुए लोगों को लाभ मिलेगा एवं पदोन्नति भी सम्भव हैं प्रसन्न रहेंगे। किसी भी विवाद का हिस्सा न बनें। अपने जीवनसाथी को उपहार जरूर दें । आज घर की जिम्मेदारी के चलते व्यस्त रहेंगें। युवाओं को कैरियर के लिए काफी मेहनत करनी होगी। शासकीय कार्य लंबित रहेंगे। कर्ज की रकम वापस मिल सकती है। क्षमता के अनुसार सफलता प्राप्त होगी। आज आप मे जोश और उर्जा का संचार रहेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सूर्य को लाल चंदन से अर्घ्य देकर दिन की शुरुआत करें आपका दिन ऊर्जावान रहेगा । काफी शांत महसूस करेंगे। आध्यात्मिकता की ओर झुकाव होगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। नए लोगों से मुलाकात होगी। योजनाएं बनेंगी। आज अच्छी सेहत का आनंद उठाएंगे। आपको परिवार के सदस्य की छोटी–मोटी तकलीफ होने पर देखभाल करनी पड़ सकती है। मित्रों से मुलाकात होगी। किसी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने दूसरे शहर जा सकते हैं। अनजान लोगों से सावधान रहें आप को घात पहुंचा सकते हैं आप को सूज–भूज का परिचय देना पडेगा

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज शारीरिक तौर आप को परेशानी हो सकती हैं ज्यादा महनत के काम से परहेज करें । जीवनसाथी की किसी बात से तनाव में रहेंगे। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। जरूरी फैसले जल्दबाजी में न करें। किसी कार्य में काफी खर्च हो सकता है। आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं, जिसकी आपको जरुरत नही है। बोलचाल के दौरान सावधान रहें। कोई आपकी सरल स्वभाव का लाभ उठा सकता है। रिश्तेदारों के यहां कार्यक्रम मे जाना पड सकता हैं खर्चा भी ज्यादा हो सकता हैं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज व्यस्तता के कारण आप परिवार को समय नही दे पांएगे । व्यवसाय मे धन सम्बन्धित कमी का सामना करना पडेगा। युवाओं को कामयाबी मिलेगी। कार्य क्षेत्र में अच्छी सफलता मिल सकती है। अपनी सेहत के प्रति लापरवाही न बरतें। शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। नया काम शुरू करने में जलदबाजी न दिखाएं। तनाव दूर होगा। उधार की रकम वापस मिल सकती है। लोग आप को भ्रमित कर सकते हैं बडे सीनियर्स से वाद विवाद जैसी स्थिति बनेगी आपको हितैषी का साथ मिलेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप द्विज है तो यज्ञ करके ही काम की शुरुआत करें सबसे पहले अपने परिवार की जरूरतों का ध्यान रखें। आपको सेहत संबंधी दिक्कतें हो सकती है। कार्य क्षेत्र में किसी तरह का नुकसान उठाना पड सकता है। बुजुर्गों के अनुभवों का लाभ मिलेगा। किसी बड़ी समस्या से घिर सकते हैं। कीमती सामानों की सुरक्षा करें। लोन की रकम जमा कर पाएंगे। जमीन और कन्स्ट्रक्शन कारोबार में निवेश करना आप को लाभ देगा । आपकी योजना फलीभूत होगी। किसी से भी बातचीत करते समय शब्दों का चयन बडी समझदारी से करें आप की प्रतिष्ठा बढेगी सामाजिक तौर पर लाभ दिखेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 24 अगस्त 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी अहोरात्र
नक्षत्र : पूर्वाषाढा रात्रि 08:29 तक
योग : प्रीति प्रात: 07:04 तक
करण : बव सायं 05:24 तक
चन्द्रराशि : धनु रात्रि 03:07 तक
सूर्योदय : 06:00 ,सूर्यास्त 06:35 (हैदराबाद)
सूर्योदय :06:08 , सूर्यास्त 06:35 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:28 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:26 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्याम बाबा की बारस

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

व्हाइटफील्ड में सावन महोत्सव का भव्य आयोजन

मातृशक्ति ने दिखाई संस्कृति, संस्कार और एकता की मिसाल

बेंगलुरु, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय राजपुताना सेवा संगठन, व्हाइटफील्ड मातृशक्ति की अध्यक्ष श्रीमती रोहिणी सिंह एवं उनकी टीम द्वारा सावन महोत्सव का भव्य आयोजन हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातृशक्ति की बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सावन की खुशियों को साझा किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सभी बहनों ने मिलकर माता रानी एवं भोले बाबा की पूजा–अर्चना के साथ किया। इसके बाद संगठन एवं मातृशक्ति के जयघोष के बीच उपस्थित बहनों का तिलक, आरती और पुष्पों से स्वागत किया गया। महोत्सव के दौरान संगीत कुर्सी तथा कप नॉट टचिंग जैसे मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। मातृशक्ति की बहनों ने इन खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके साथ ही महिलाओं ने जमकर नृत्य किया और सावन के उल्लास को उत्सव में बदल दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान हंसी–खुशी, उत्साह और आपसी प्रेम का वातावरण बना रहा। आयोजन के दौरान मातृशक्ति की बहनों को चूड़ी, बिंदी, मेहंदी एवं केले वितरित किए गए। विभिन्न गतिविधियों और खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बहनों को उपहार देकर सम्मानित किया गया।

मातृशक्ति संगठन की मजबूती की आधारशिला : अनिल सिंह सिकरवार

इस अवसर पर भारतीय राजपुताना सेवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिल सिंह सिकरवार ने मातृशक्ति को सावन महोत्सव की बधाई देते हुए कहा कि मातृशक्ति संगठन की मजबूती की महत्वपूर्ण आधारशिला है। उनकी एकजुटता, सक्रिय सहभागिता और संस्कारों के प्रति समर्पण समाज को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उन्होंने कार्यक्रम की सफलता के लिए व्हाइटफील्ड मातृशक्ति की अध्यक्ष श्रीमती रोहिणी सिंह एवं पूरी टीम को बधाई दी तथा आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम ने भारतीय संस्कृति, परंपरा, संस्कार और सामाजिक एकता का सुंदर संदेश दिया। उपस्थित बहनों ने भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक एवं सामाजिक आयोजनों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

क्षमावाणी को राष्ट्रीय क्षमा दिवस घोषित करने की मांग

रांची, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन समाज ने जैन धर्म के पावन पर्व क्षमावाणी को राष्ट्रीय क्षमा दिवस के रूप में घोषित करने की मांग की है। इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू एवं गृह मंत्री अमित शाह को पत्र प्रेषित कर क्षमावाणी पर्व को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता देने का अनुरोध किया गया है।

रामगढ़ दिगंबर जैन समाज के सचिव योगेश सेठी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनुरोध करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने क्षमावाणी के महत्व को स्वीकार करते हुए अपने संबोधन में ङ्गमिच्छामि दुक्कड़मफ कहा है। उन्होंने कहा कि जैन धर्म के मूल सिद्धांतों में दया, ममता, करुणा और क्षमा का विशेष महत्व है।

क्षमा मांगने और करने से बढ़ती है मर्यादा

योगेश सेठी ने कहा कि जैन धर्मावलंबी क्षमावाणी के पावन अवसर पर अपने से छोटे–बड़े सभी लोगों से पिछले वर्ष में जाने–अनजाने में हुई भूलों और गलतियों के लिए क्षमा मांगते हैं। उन्होंने कहा कि क्षमा मांगने और क्षमा करने से क्षमा मांगने वाले तथा क्षमा करने वाले दोनों की मर्यादा और गरिमा बढ़ती है।

उन्होंने कहा कि क्षमावाणी केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव, सहिष्णुता और भाईचारे को मजबूत करने का संदेश देती है। आज के समय में क्षमा की भावना को व्यापक सामाजिक स्तर पर बढ़ावा देना बेहद आवश्यक है।

योग की तरह क्षमावाणी को भी मिले राष्ट्रीय पहचान

श्री सेठी ने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि जिस प्रकार उनकी दूरदर्शी पहल से योग को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली, उसी प्रकार क्षमावाणी को भी राष्ट्रीय क्षमा दिवस के रूप में मान्यता देने के प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।उन्होंने समस्त जैन समाज की ओर से आग्रह किया कि इस विषय पर शीघ्र निर्णय लेते हुए इसी वर्ष से क्षमावाणी को राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय क्षमा दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की जाए।

समाज में प्रेम और सद्भाव का संदेश

जैन समाज का कहना है कि क्षमावाणी का संदेश किसी एक धर्म या समुदाय तक सीमित नहीं है। क्षमा, करुणा, अहिंसा और आपसी सद्भाव जैसे मूल्यों को अपनाकर समाज में सकारात्मक वातावरण बनाया जा सकता है। राष्ट्रीय स्तर पर इस दिवस की मान्यता से इन मानवीय मूल्यों को व्यापक स्तर पर बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। उपरोक्त जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी श्रवण जैन ने पत्रकारों को दी।

सेंट्रल गुरुद्वारा साहिब गौलीगुड़ा भव्य मैराथन के साथ मनाया शताब्दी समारोह

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेंट्रल गुरुद्वारा साहिब गौलीगुडा के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रविवार को आईमैक्स के समीप एचएमडीए मैदान में भव्य शताब्दी मैराथन का आयोजन किया गया। इसमें तेलंगाना के विभिन्न हिस्सों से 5,000 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आस्था के लिए दौड़ें, सेवा के लिए दौड़ें विषय पर आयोजित इस मैराथन में जाति, धर्म और उम्र की सीमाओं से ऊपर उठकर लोगों ने सहभागिता की। आयोजन ने सेंट्रल गुरुद्वारा साहिब गौलीगुडा से जुड़ी सामुदायिक भावना, एकजुटता और सेवा के संदेश को प्रदर्शित किया।

3 और 5 किलोमीटर दौड़ के साथ पारिवारिक पदयात्रा

मैराथन में 3 किलोमीटर और 5 किलोमीटर दौड़ के साथ पारिवारिक पदयात्रा का आयोजन किया गया। बच्चों, युवाओं, महिलाओं, परिवारों और बुजुर्गों ने इसमें उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत जोशीले व्यायाम एवं जुम्बा सत्र से हुई, जिससे सुबह से ही आयोजन स्थल पर उत्साह का माहौल बन गया।

एचएमडीए मैदान से प्रमुख सिख हस्तियों ने मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। 3 किलोमीटर दौड़ में प्रतिभागी पीपल्स प्लाजा की ओर बढ़े, जबकि 5 किलोमीटर दौड़ के प्रतिभागियों ने जल विहार की दिशा में दौड़ लगाई।

खेल आयोजन से आगे सामुदायिक उत्सव का रूप

आयोजकों ने कहा कि शताब्दी मैराथन को केवल खेल आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि सेंट्रल गुरुद्वारा साहिब गौलीगुडा के इतिहास के महत्वपूर्ण पड़ाव को मनाने वाले सामुदायिक उत्सव के रूप में आयोजित किया गया।

वर्ष 1926 में स्थापित सेंट्रल गुरुद्वारा साहिब गौलीगुडा ने पिछले 100 वर्षों में हैदराबाद के सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास को करीब से देखा है।

इस दौरान गुरुद्वारा आस्था, समानता, भाईचारे और सेवा के मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए सिख समुदाय के लिए आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र बना रहा।

एक परिवार, एक पंथ, एक संगत, एक समुदाय

शताब्दी समारोह की भावना एक परिवार, एक पंथ, एक संगत, एक समुदाय और एक ऐतिहासिक उत्सव के रूप में मैराथन में दिखाई दी। बच्चों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने आयोजन को और जीवंत बना दिया, वहीं बुजुर्ग सदस्यों ने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया।

दौड़ और पारिवारिक पदयात्रा के बाद प्रतिभागियों के लिए नाश्ते एवं जलपान की व्यवस्था की गई। प्रायोजकों की ओर से ऊर्जा पेय और प्रोटीन बार वितरित किए गए। पूरे आयोजन के दौरान आवश्यकतानुसार चिकित्सा सहायता की व्यवस्था भी की गई।

विजेताओं को पदक और पुरस्कार

समापन समारोह में विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को पदक एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागियों को टी–शर्ट और कांस्य पदक प्रदान किए गए, जबकि पदयात्रा में शामिल प्रतिभागियों को डिजिटल प्रमाणपत्र दिए गए।

सालभर चलेंगे शताब्दी समारोह

इस अवसर पर सेंट्रल गुरुद्वारा साहिब गौलीगुडा प्रबंधक समिति के चेयरमैन एस. राजेंदर सिंह ने बताया कि ऐतिहासिक गुरुद्वारे की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर वर्षभर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उनके साथ अध्यक्ष एस. त्रिलोक सिंह, सचिव एस. हरविंदर सिंह पंधथ, उपाध्यक्ष एस. इंदर पाल सिंह एवं एस. सुरिंदर पाल सिंह तथा समिति के सदस्य कमलजीत सिंह, हरपाल सिंह, भगत सिंह और भजन सिंह मौजूद रहे।

एस. त्रिलोक सिंह ने कहा कि शताब्दी समारोह सेंट्रल गुरुद्वारा साहिब गौलीगुडा के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव है। इन आयोजनों का उद्देश्य गुरुद्वारे की समृद्ध विरासत का सम्मान करने के साथ सेवा, आस्था और एकजुटता की भावना से लोगों को जोड़ना है।

मैराथन के आयोजन में सुरेंद्र पाल सिंह सलूजा, रणबीर सिंह गांधी, सुरेंद्र सिंह अरोड़ा, अमृत सोमा परिवार एवं नामधारी इवेंट्स ने सहयोगी भागीदार के रूप में सहयोग दिया।

सितंबर में होंगे प्रमुख धार्मिक आयोजन

शताब्दी वर्ष के तहत सितंबर में कई बड़े धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें अखंड पाठ साहिब, कीर्तन दरबार तथा अमृत संचार प्रमुख हैं। इसके अलावा विभिन्न आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।आयोजकों को उम्मीद है कि शताब्दी समारोह में तेलंगाना के विभिन्न हिस्सों से सिख परिवारों के साथ देश के अन्य क्षेत्रों से भी श्रद्धालु और समाजबंधु शामिल होंगे। इन आयोजनों का उद्देश्य सेंट्रल गुरुद्वारा साहिब गौलीगुडा की ऐतिहासिक विरासत तथा हैदराबाद में सिख समुदाय के लंबे समय से चले आ रहे योगदान को सामने लाना है।

शताब्दी मैराथन के सफल आयोजन ने फिटनेस, भाईचारे और सामुदायिक सेवा के संदेश के साथ पूरे शताब्दी वर्ष में होने वाले आगामी कार्यक्रमों के लिए उत्साहपूर्ण माहौल तैयार कर दिया है।

आदिवासी धर्म को अलग पहचान देने के लिए एकजुट होने का आह्वान

किनवट, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद, नांदेड की ओर से रविवार को किनवट स्थित गोकुंदा विश्रामगृह में आगामी 20 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाले आदिवासी धर्म चिंतन परिषद एवं आदिवासी मुक्ति दिवस सम्मेलन की पूर्व तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री एवं अधिवक्ता शिवाजीराव मोघे ने सभी आदिवासी समुदायों से अपने अस्तित्व और अस्मिता की रक्षा के लिए बड़ी संख्या में सम्मेलन में उपस्थित होने की अपील की।

पूर्व मंत्री शिवाजीराव मोघे ने कहा कि देश में जनगणना की प्रक्रिया चल रही है और विभिन्न धर्मों के लिए अलग–अलग कोड जारी किए जा चुके हैं। इसके बावजूद बड़ी आदिवासी आबादी के लिए अलग से धर्म कोड जारी नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के लिए स्वतंत्र धर्म कोड जारी कराया जाना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि इस मांग को लेकर महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में बैठकों का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में किनवट में आगामी सम्मेलन की तैयारियों को लेकर यह बैठक आयोजित की गई।

मोघे ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में आदिवासी जनजातियों को अलग–अलग नामों से जाना जाता है, लेकिन आदिवासी समाज की एक अलग पहचान और अस्मिता है। उन्होंने कहा कि आगामी सम्मेलन में इस विषय पर महत्वपूर्ण निर्णय लिया जाएगा कि सभी आदिवासी समुदाय अपनी पहचान को आदिवासी धर्म के रूप में दर्ज कराने की दिशा में एकजुट प्रयास करें।

उन्होंने मांग की कि 2027 की जनगणना में सातवें कॉलम में आदिवासी धर्म का उल्लेख किया जाए। साथ ही उन्होंने क्षेत्र बंधन से जुड़े विषय पर भी चर्चा की और आदिवासी समाज के अधिकारों एवं पहचान को लेकर एकजुटता की आवश्यकता पर जोर दिया।

बैठक में प्रो. विजय खुपसे, शेषराव कोवे, जयवंत वानोले, एकनाथ बुरकुले, नंदिनी टारपे, राम मिराशे, डॉ. पुंडलिक आमले, पुंडलिक भुरके आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का संचालन गोपीनाथ बुलबुले ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. उत्तम धुमाले ने किया।

बैठक के मंच पर तुकाराम पेंदोर, अरुण कुमरे, तुलशीराम गेडाम, प्रकाश टारपे, दादाराव टेकाम, उत्तमराव पाचपुते, दिगंबर तारमेकवाड़, गंगाधर परचाके सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा विश्वनाथ नखाते, माधव कराले, शामराव भुरके, खंडेराव मोघे, जितेंद्र कुलसंगे, नीलकंठ कनाके समेत किनवट एवं माहुर तहसील के प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने बैठक में सहभागिता की।

बैठक में उपस्थित सदस्यों ने आगामी सम्मेलन को सफल बनाने तथा आदिवासी समाज की पहचान, अधिकार और अस्मिता से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया।

राधे–रानी की कृपा से मानव सेवा का यह अभियान निरंतर आगे बढ़ाना हमारा सदा प्रयास : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास कवर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेवा कार्य में सहभागी सदस्यों ने जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानवता और सेवा का संदेश दिया।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करना हम सभी का सदा प्रयास है। उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों के पीछे किसी प्रकार का स्वार्थ नहीं है, बल्कि समाज के जरूरतमंद लोगों तक सेवा पहुंचाने की भावना है। उन्होंने कहा कि इन सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने में राधे–रानी की कृपा सबसे बड़ी प्रेरणा और शक्ति है।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि अन्नदान को भारतीय संस्कृति में सदैव श्रेष्ठ सेवा माना गया है। किसी जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना केवल उसकी भूख मिटाना नहीं, बल्कि उसके प्रति संवेदना और अपनत्व की भावना व्यक्त करना है। राधे–राधे ग्रुप इसी भावना के साथ नियमित रूप से विभिन्न स्थानों पर अन्नदान सेवा संचालित कर रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा कार्य में समाज के अनेक सदस्य अपनी क्षमता के अनुसार सहयोग कर रहे हैं। सभी के सामूहिक प्रयास से यह सेवा अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने राधे–राधे ग्रुप से जुड़े सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्येक सदस्य का सहयोग इस सेवा कार्य को मजबूती प्रदान करता है।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भावरलालजी गुप्ता, प्रमोद गुप्ता एवं राजेश आर.ए. अग्रवाल सहित राधे–राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सदस्यों ने पूरे सेवा भाव के साथ अन्नदान कार्यक्रम में सहयोग किया और जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप का उद्देश्य सेवा की भावना को समाज के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना है। जब समाज के लोग मिलकर जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आते हैं, तो निश्चित रूप से समाज में प्रेम, करुणा और मानवता की भावना मजबूत होती है।राधे–राधे ग्रुप के सदस्यों ने संकल्प व्यक्त किया कि अन्नदान सहित अन्य सेवा कार्यों को भी भविष्य में निरंतर जारी रखा जाएगा तथा राधे–रानी की कृपा से मानवता की सेवा के इस अभियान को और व्यापक रूप देने का प्रयास किया जाएगा।

कभी सोचा है कि मानव रूप में जो भगवान धरती पर आए थे, उनकी मृत्यु कैसे हुई।

संसार के कल्याण के लिए उन्होंने तमाम लीलाएं रचीं और लोगों को जीवन का गूढ पाठ पढाया। जन्म लेने का मकसद पूरा होने के बाद हमारी ही तरह उन्होंने भी दुनिया को अलविदा कहा था।

जब-जब धरती पर अधर्म बढा है, भगवान ने खुद यहां कई रूपों में अवतरित होकर दुनिया का उद्धार किया है।

संसार के कल्याण के लिए उन्होंने तमाम लीलाएं रचीं और लोगों को जीवन का गूढ पाठ पढाया। जन्म लेने का मकसद पूरा होने के बाद हमारी ही तरह उन्होंने भी दुनिया को अलविदा कहा था।

मनुष्य रूप में जन्म लेने के कारण ईश्वर को भी धरती से वापस जाना पडा। हम इसीलिए उन्हें पूजते हैं, क्योंकि उनके जीवन की हर घटना हमारे पूरे अस्तित्व को बदल सकती है। हम उनकी लीलाओं से बहुत कुछ सीख सकते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि अवतार रूप में संसार में आने वाले देव पुरुष किस तरह यहां से वापस गए थे।

सरयू नदी में समा गए श्रीराम

पद्म पुराण के अनुसार, श्रीराम से मिलने एक बार एक संत आए और उन्होंने उनसे एकांत में बात करनी चाही। श्रीराम ने आदेश दिया कि कोई भी उनकी बातचीत के बीच न आए और इसकी जिम्मेदारी लक्ष्मण को दी। साथ ही संत के कहने पर प्रतिज्ञा की कि अगर किसी ने उनकी बात सुनी और बीच में आया तो उसे मृत्युदंड मिलेगा। दरअसल, संत के रूप में वो महाकाल आए थे, जिन्होंने राम से कहा कि हे प्रभु। धरती पर आपका रहने का समय समाप्त हो चुका है, इसलिए अब आप अपने श्रीधाम में पधारें। इसी बीच द्वार पर महाक्रोधी दुर्वासा ऋषि आए और श्रीराम से मिलने की जिद करने लगे। उन्होंने कहा कि अगर अभी लक्ष्मण ने उनसे मिलने न दिया तो वे राम को शाप दे देंगे। लक्ष्मण भाई के आदेश से बंधे थे, फिर भी उन्होंने भाई को शाप से बचाने के लिए खुद का जीवन दाव पर लगाने की ठानी।वे श्रीराम के पास चले गए और दुर्वासा ऋषि के आने की जानकारी दी। श्रीराम को अपनी प्रतिज्ञा याद करके बहुत दु:ख हुआ। वे अपने परम प्रिय भाई को मौत की सजा भला कैसे दे सकते थे।

लक्ष्मण का जाना

पहले के समय में देश से निकाला जाना भी मृत्युदंड के बराबर ही माना जाता था। इसलिए श्रीराम ने लक्ष्मण को देश छोड कर चले जाने का आदेश दिया। पर बिना श्रीराम के लक्ष्मण नहीं रह सकते थे, इसलिए उन्होंने जाकर सरयू नदी में समाधि ले ली और फिर शेषनाग के रूप में अपने लोक चले गए। उनके बिना श्रीराम का मन नहीं लगता था, फिर एक दिन उन्होंने भी इस लोक से जाने का निश्चय किया और सरयू नदी के आंतरिक भू-भाग तक जाकर उसमें लीन हो गए।

जब-जब धरती पर अधर्म बढा है, भगवान ने खुद यहां कई रूपों में अवतरित होकर दुनिया का उद्धार किया है। संसार के कल्याण के लिए उन्होंने तमाम लीलाएं रचीं और लोगों को जीवन का गूढ पाठ पढाया। जन्म लेने का मकसद पूरा होने के बाद हमारी ही तरह उन्होंने भी दुनिया को अलविदा कहा था।

श्रीकृष्ण को बहेलिए ने मारा तीर

महाभारत की समाप्ति के बाद कृष्ण को इसका जिम्मेदार मानते हुए कौरवों की मां गांधारी ने उन्हें शाप दिया था। उन्होंने श्रीकृष्ण से कहा कि 'आप जानते थे इस युद्ध का परिणाम कितना भयावह होगा और इतने लोगों की मौत होगी, फिर भी आपने इसे नहीं रोका। मैंने आपसे कितनी बार इस युद्ध को रोकने का आग्रह किया, लेकिन आपने कुछ नहीं किया। पुत्रों को खोने का दर्द अपनी मां देवकी से पूछो कि पुत्रों को खोने का गम क्या होता है।' फिर उन्होंने गुस्से से कहा कि 'अगर मैंने पूरे मन से भगवान विष्णु की पूजा की हो और अपने पति की पूरे मन से सेवा की हो, तो जैसे मेरा कुल समाप्त हुआ, तुम्हारा कुल भी तुम्हारी आंखों के सामने समाप्त हो जाएगा और तुम देखते रह जाओगे। द्वारका तुम्हारे सामने ही समुद्र में डूब जाएगी और यदुवंश का नाश हो जाएगा।'

इतना कहने के बाद जब क्रोध शांत हुआ तो गांधारी भगवान श्रीकृष्ण के कदमों में गिर पडीं। भगवान ने उन्हें उठाया और कहा कि 'माता मुझे आपसे इसी आशीर्वाद की प्रतीक्षा थी, मैं आपके शाप को ग्रहण करता हूं।' इसके बाद गांधारी और यदुवंश के बच्चों को ऋषियों से मिले शाप के कारण द्वारका के लोग अनुशासनहीन हो गए और उनमें बुरी आदतें आ गईं। एक बार उत्सव के लिए यदुवंशी सागर किनारे एकत्र थे। इसी दौरान किसी बात पर नशे में डूबे इन लोगों में लडाई शुरू हो गई। इसके बाद वहां उगी एरका नामक घास से लोग एक-दूसरे पर प्रहार करने लगे। वो घास शाप के प्रभाव के कारण मूसल बन जाती थी और इन लोगों की मृत्यु हो जाती थी। इस तरह नष्ट हुए वंश के बाद श्रीकृष्ण एक बार जंगल में एक पेड के नीचे विश्राम कर रहे थे, तभी एक तीर आकर उनके तलवों में लगा।

बहेलिए ने शिकार समझकर तीर मारा था। उसने बहुत माफी मांगी, लेकिन श्रीकृष्ण को तो इसी बहाने अपने धाम जाना था और वो चले गए।

देवताओं के अंश पांडव

महाभारत युद्ध के उपरांत अपनी प्रजा की सेवा करने के कुछ समय बाद जब श्रीकृष्ण भी इस लोक से जा चुके थे, तो पांडव भी द्रौपदी समेत स्वर्ग जाने के लिए निकले। ये सभी पांडव किसी न किसी देवता का रूप या अंश थे। अनेक तीर्थों, नदियों व समुद्रों की यात्रा करते-करते पांडव आगे बढने लगे। यात्रा करते-करते पांडव हिमालय तक पहुंच गए, हिमालय लांघ कर पांडव आगे बढे तो उन्होंने सुमेरु पर्वत के दर्शन किए। वहीं से पहले द्रौपदी फिर सारे पांडव एक-एक करके मरने लगे, सिर्फ युधिष्ठिर और उनके साथ ही चल रहा कुत्ता जीवित रहा। इसके बाद उन्हें स्वर्ग ले जाने के लिए स्वयं देवराज इंद्र अपना रथ लेकर आए। तब युधिष्ठिर ने इंद्र से बाकी पांडवों के मरने का कारण पूछा।

इंद्र ने बताया कि पांचाली अर्जुन से ज्यादा मोह के चलते और भीम को बल का, अर्जुन को युद्ध कौशल का, नकुल को रूप और सहदेव को बुद्धि पर घमंड था।

इसके कारण वे सशरीर स्वर्ग नहीं जा पाए। इन तथ्यों को जानने के बाद एक बात तो साफ है कि ये दुनिया नश्वर है और यहां जन्मे हर जीव पर एक ही नियम लागू होता है। जो आया है, उसे जाना ही होगा, चाहे इन्सान हो या भगवान।

अहंकार से समाज का विनाश हो सकता है, लेकिन जनकल्याण की भावना संपूर्ण मानव जाति का भला कर सकती है।

भगवान इंद्र के कहने पर दधीचि ने किया था 'अस्थि दान'

एक बार देवराज इंद्र को अपनी शक्तियों का अहंकार हो गया और उन्होंने गुरु बृहस्पति को अपनी बातों से दुखी कर दिया। बृहस्पति के देवलोक छोडते ही देवताओं की शक्तियां कम हो गईं और असुरों ने उन पर आक्रमण कर दिया। नाना प्रकार की कोशिशें करने के बाद महर्षि विश्वरूप की कृपा से देवता जीत तो गए, लेकिन इंद्र ने दोबारा गलती कर दी। उन्होंने अपनी बातों से विश्वरूप को दुखी कर दिया। विश्वरूप के साथ छोडते ही वृतासुर नाम के असुर ने देवराज इंद्र पर आक्रमण कर दिया। देवराज भागकर सीधे भगवान विष्णु की शरण में आ गए। विष्णु ने उनसे कहा कि अहंकार के वशीभूत होकर आपने जो गलती की है, वह अक्षम्य है। ऐसी स्थिति में महर्षि दधीचि ही आपकी रक्षा कर सकते हैं।

इंद्र ने दधीचि के पास जाकर कहा कि श्री विष्णु के बताए उपाय के अनुसार, यदि आप अपनी अस्थियां दान में दे दें तो उनसे वज बनाकर वृतासुर से युद्ध किया जा सकता है। तब दधीचि ने कहा कि यदि मेरी अस्थियां जनकल्याण के काम में लायी जाती हैं, तो मैं तैयार हूं। उन्होंने अपने शरीर पर मिष्ठान्न का लेपन किया और समाधिस्थ हो गए।

कामधेनु गाय ने उनके शरीर को चाटना आरंभ कर दिया। कुछ देर में महर्षि के शरीर की त्वचा, मांस और मज्जा उनके शरीर से विलग हो गए। मानव देह के स्थान पर सिर्फ उनकी अस्थियां ही शेष रह गईं। इंद्र ने उन अस्थियों से 'तेजवान' नामक वज बनाया। इस वज्र के बल पर उन्होंने वृतासुर को ललकारा।

'तेजवान' वज से प्रहार कर इंद्र ने वृतासुर का वध कर डाला। सच ही कहा गया है कि अहंकार से समाज का विनाश हो सकता है, लेकिन जनकल्याण की भावना संपूर्ण मानव जाति का भला कर सकती है।

मेडिटेशन के बिल्कुल करीब है नींद

अत्यधिक तनाव के कारण लोग स्वाभाविक नींद को भूलते जा रहे हैं और दवाइयों के सहारे सोने का प्रयास करते हैं, लेकिन अगर ध्यान तकनीक का यूज किया जाए तो यह नींद के लिए काफी मददगार साबित हो सकता है।

नींद विश्रांति का सबसे अच्छा तरीका है जो ध्यान, मेडिटेशन के बिल्कुल करीब है। इसीलिए जो लोग अच्छी नींद लेते हैं, वे सदैव तन से भी सेहतमंद रहते हैं और मन से भी प्रफुल्लित रहते हैं। शेक्सपीयर के अनुसार नींद प्रतिदिन के जीवन के लिए मृत्यु, कठिन परिश्रम के लिए स्नान, घायल मस्तिष्क के लिए शान्तिदायिनी औषधि और क्षतिपूर्ण शरीर के लिए अमृतकुंड है।

वस्तुत: मृत्यु के अनंतर भी हम एक लंबे विकास की स्थिति में होते हैं और जिस तरह हंसते-खेलते शिशु के रूप में हम पुन: जीवन धारण करते हैं, ठीक उसी तरह प्रतिदिन की नींद के बाद भी नवचेतना के साथ नया जीवन प्राप्त कर हम पुन: अपने कामकाज में लग जाते हैं. वाह! यह कैसा अद्भुत खेल है प्रकृति का यह कैसी महान कृपा है निद्रादेवी की मनुष्य पर की जो वह हारा थका चूर-चूर होकर संसार की परेशानियों से क्लांत होकर निद्रादेवी की गोद में आकर सो जाता है और दूसरे दिन नव जागृत स्फूर्ति नवजीवन प्रसन्नता एवं उत्साह के साथ तरोताजा होकर उठता है। मजे की बात तो यह है कि इस महान उपकार के बदले हमें मां पकृति को कुछ भी देना नही पडता। किन्तु मनुष्य तो आखिर मनुष्य ही ठहरा, जो मुत में प्राप्त हुई इतनी अमूल्य सौगात, जिसकी तुलना में संसार का कोई भी पदार्थ समर्थ नहीं है, उसे भी अपने पास रख नहीं पाता। जी हां, हम सभी जानते हैं कि आज के संसार में एक गहरी नींद का आनंद तो जैसे दुर्लभ अवसर बन गया है, क्योंकि आज लाखों लोग स्लीप एप्निया, अनिद्रा, रेस्टलेस लेग सिंड्रोम एवं नार्कोलेप्सी जैसे विविध नींद संबंधी विकारों से ग्रस्त हैं।

भारत में हुए एक ताजा सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि बडे महानगरों में रहनेवाले लगभग 75 प्रतिशत से भी अधिक लोग नींद संबंधी शिकायतों को लेकर अपने डॉक्टरों के पास पहुंचते हैं। क्यों क्योंकि अत्यधिक तनाव के कारण लोग स्वाभाविक निद्रा को भूलते जा रहे हैं और दवाइयों के सहारे सोने का प्रयास करते हैं। हमारी नींद को प्रभावित करनेवाला अन्य एक महत्वपूर्ण कारक है हमारा आहार। जी हां। यह एक चिकित्सकीय सिद्ध तथ्य है कि खराब मानसिक स्वास्थ्य प्रतिकूल रूप से व्यक्ति की खाने की आदतों को प्रभावित करता है और आगे चलकर फिर वह उसकी नींद और स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। ऐसी बीमारियों में समुचित ध्यान तकनीक का यदि नियमित रूप से अयास किया जाये तो वह शरीर, स्वास्थ्य और नींद के लिए काफी मददगार सिद्ध हो सकती है।

मनुष्य के लिए कितने घंटे की नींद पर्याप्त है। इस विषय पर वर्षो से अनेक विचार-विमर्श और बहस होती रही हैं। शरीर विज्ञानियों के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को नींद की आवश्यकता अलग-अलग होती है।

कई व्यक्ति तीन-चार घंटे की नींद में ही पूर्ण विश्राम ले लेते हैं, जबकि बहुत से लोग ऐसे भी होते हैं जो आठ-दस घंटे सोने पर भी पर्याप्त विश्राम नहीं ले पाते। अत: निद्रा का समय व्यक्ति विशेष को अपनी आवश्यकतानुसार दिनचर्या में समाविष्ट करना चाहिए। शास्त्रकारों के अनुसार प्रात: जल्दी उठना और रात्रि को जल्दी सो जाना उत्तम स्वास्थ्य एवं स्वस्थ मस्तिष्क के लिए सर्वोत्तम है।

शिव का अर्थ है कल्याण

महंत रविंद्र पुरी महाराज धर्मनगरी के प्रख्यात शिव विद्या के उपासकों में से एक माने जाते हैं। महंत रविंद्र पुरी महाराज ने 1984 में संन्यास ग्रहण किया था। वर्तमान में वे कनखल स्थित दक्षेश्वर महादेव मंदिर के परमाध्यक्ष व महानिर्वाणी अखाडा के सचिव हैं। सर्वेश्वर भगवान शिव की जगत कल्याणकारी अनेक लीलाओं का वर्णन शिव पुराण के अंतर्गत श्री व्यास जी ने किया है। इसका पठन पाठन श्रवण कर सांसारिक प्राणी तो क्या देवताओं ने भी मनोवांछित फल की प्राप्ति की है। इसके अलावा मानव जगत में शिव मोक्ष के देव हैं। शिव के पूजन के कई तरह के विधि विधान शास्त्रों और पुराणों में वर्णित है। लेकिन, यदि देखा जाए तो शिव से सरल और कोई देव नहीं है। वास्तव में शिव ही इस संसार का सत्य हैं। पृथ्वी पर जितने उपासक शिव के हैं अन्य किसी देवता के नहीं हैं, क्योंकि शिव ही सभी रूपों में विद्यमान हैं। शिव महापुराण में वर्णित है कि भगवान शिव ने विष्णु भगवान से कहा था कि 'त्रिदेवा अपि में रूपं हर: पूर्णो विशेषत: । उमाया अपि रूपाणि भविष्यन्ति त्रिधा सुता ।।'

अर्थात हे तात् यद्यपि ब्रहम हरि तथा तुम तीनों ही मेरे रूप हो परंतु विशेषकर हरि ही मेरा पूर्ण रूप है, इसी प्रकार लक्ष्मी, सरस्वती तथा उमा शक्ति के भी तीन रूप हैं, किंतु उमा सब में पूर्ण रूप हैं। विष्णु रूप की लक्ष्मी, ब्रहम रूप की सरस्वती तथा हरि रूप की उमा अर्धागिनी होंगी इसलिए सिर्फहर यानि शिव को पूजने से ही सभी देवताओं की कृपा प्राप्त हो जाती है। शिव का वास श्मशान में भी माना जाता है, इसलिए श्मशान की भस्म का पूजन भी विशेष पूजन विधियों में आता है। कनखल से भगवान शिव का आदि काल से नाता है। यह पृथ्वी पर मात्र एक ऐसा मानव सभ्यता वाला नगर है जहां पर साल में श्रवण मास में शिव वास करते हैं।

सुख पाने के लिए ये 6 उपाय आजमाएं

सुख की चाहत हर किसी को होती है। इसके चलते ही लोग परिश्रम करते हैं ताकि धन के जरिए सुख को प्राप्त किया जा सके। लेकिन सुख मन से भी मिलना चाहिए। इसके लिए घर का वास्तु बेहतर होने बेहद जरूरी है।

- घर में नीले रंग के प्लास्टिक और मनी प्लांट के पौधे को नीले कलश में रखें। ऐसा करने पर घर में सुख समृद्धि बनी रहती है।
- घर में मौजूद रसोई घर को दक्षिण या दक्षिण-पश्चिम दिशा में बनाएं। और दीवारों का रंग लाल, नारंगी या गुलाबी रखें।
- चूल्हे और जूठे बरतन धोने की स्लैब अलग-अलग होनी चाहिए।
- घर के सदस्यों के अच्छी सेहत के लिए रसोईघर में दवाइयां नहीं रखनी चाहिए।
- फेंगशुई के अनुसार घर में विंड चाइम लगाने से सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।
- घर में ड्रैगन की मूर्ति अथवा चित्र रखने से घर को सुरक्षा कवच प्राप्त होता है।

किचिन को यहां बनाने से होती है किच-किच

दुनिया के हर धर्म में रसोईघर को बेहद अहम माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अतिरिक्त फेंगशुई में भी किचन को लेकर कई टिप्स दिए गए हैं।

रसोईघर के लिए फेंग शुई के उपाय

- विभिन्न ज्योतिष शास्त्रों के अनुसार रसोईघर को शुभ दिशा में होना चाहिए। यदि रसोईघर सही दिशा या स्थिति में नहीं है तो यह कई प्रकार की समस्या उत्पन्न कर सकता है। फेंगशुई के अनुसार रसोईघर के लिए निम्न उपाय हैं।
- फेंगशुई के अनुसार रसोईघर को घर के पूर्व व दक्षिण दिशा की ओर होना चाहिए , क्योंकि ये दोनों दिशाएं वायु और प्रकाश का संचालन करती हैं।
- रसोईघर की दीवारों का रंग सफेद रखना चाहिए। सफेद रंग स्वच्छता की निशानी माना जाता है।
- रसोईघर में टूटे हुए बर्तन, और शीशा कभी नहीं रखने चाहिए। ऐसी चीजें अशुभ साबित हो सकती हैं।
- जरूरत न होने पर रसोई का दरवाजा बंद ही रखना चाहिए।
- झाडू और पोछे को रसोईघर से दूर रखना चाहिए। ऐसी चीजें घर में अन्न की कमी का आभास कराते हैं।
- रसोईघर को घर में मुख्य प्रवेश द्वार के सामने नहीं होना चाहिए। ऐसे में विवाद होना संभव है।
- रसोईघर में बिजली के अत्यधिक उपकरण नहीं रखने चाहिए।
- चाकू, कैंची या किसी अन्य कटार को रसोईघर की दीवार पर नहीं लटकाना चाहिए।
- इस्तेमाल में न आने वाले बर्तन व बासी भोजन को रसोईघर में नहीं रखना चाहिए।
- किचन में हमेशा अच्छे मूड से जाना चाहिए।कहा जाता है एक हैप्पी कूक इज द बेस्ट कूक।

रसोईघर उपकरण के लिए फेंग शुई के उपाय

- चूल्हा, स्टोव या गैस, रसोईघर में इस प्रकार से रखा होना चाहिए कि जातक दरवाजे को देख सके। इससे मनुष्य तनावमुक्त होता है।
- रसोईघर में माइक्रोवेव ओवन को दक्षिण- पश्चिम दिशा में रखना चाहिए, जिसके फलस्वरूप रसोईघर स्वत: ही सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करता है।
- रेफ्रिजरेटर एक इलेक्ट्रिक मशीन है, जिसे ऐसे स्थान या मंडल में रखना चाहिए जो जातक के लिए विशेष प्रेरक के रूप में हो।
- दक्षिण दिशा में रेफ्रिजरेटर रखने से नकारात्मक ऊर्जा पैदा होती है, क्योंकि दक्षिण दिशा का तत्व 'अग्नि' है।
- जिसके फलस्वरूप दक्षिण दिशा, रेफ्रिजरेटर के ठंडे तापमान से मेल नहीं खाता।

रसोईघर (किचिन), घर का एक महत्वपूर्ण भाग है। यदि मनुष्य अच्छा भोजन करता है तो उसका दिन भी अच्छा गुजरता है।

ईश्वर बाहर नहीं, आपके मन में

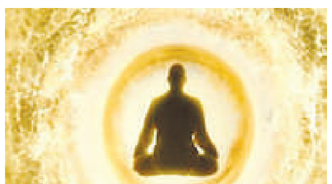

आत्म-सत्ता को यदि परिष्कृत कर लिया जाए, तो वही परमात्म-सत्ता में विकसित हो सकती है। अर्थात् यदि हम अपने गुणों को निखार लें, तो हम अपने भीतर के भगवान को जान सकते हैं। समझा जाता है कि विधाता ही एकमात्र निर्माता है। ईश्वर की इच्छा के बिना पत्ता नहीं हिलता। इन दोनों बातों से कोई भ्रम में भी पड सकता है कि परमात्मा कहीं दूर बैठा है। इन धारणाओं के साथ इतना और जोडना चाहिए कि विधाता से मिलने का सबसे निकटवर्ती स्थान अपना अंत:करण ही है। वैसे तो ईश्वर सर्वव्यापी है, उसे कहीं भी माना जा सकता है, पर यदि दूर जाना संभव न हो, तो अपने अंत:करण को टटोलना चाहिए। उसी में बैठे परमात्मा को हृदय खोलकर मिलने की अभिलाषा पूरी कर लेनी चाहिए। काल्पनिक उडाने भरने से बात कुछ नहीं बनती।

नए वॉल डेकोर ट्रेंड्स...

यदि आप घर को रिनोवेट करवाने की सोच रहे हैं, तो कुछ नया ट्राय कर सकते हैं। इन दिनों होम डेकोर के न्यू ट्रेंड्स देखने को मिल रहे हैं, जो न सिर्फ इंटीरियर को खास बनाते हैं, बल्कि घर को न्यू लुक भी देते हैं। खासकर वॉल डेकोरेशन में काफी नए ट्रेंड्स देखे जा रहे हैं। इन्हें पहले से ज्यादा आर्टिस्टिक बनाया जा रहा है। साथ ही इको फ्रेंडली इंटीरियर से भी जोड़ा जा रहा है।

स्टोन आर्ट वर्क

दीवारों पर स्टोन का आर्ट वर्क भी काफी पसंद किया जा रहा है। इन्हें टीवी वॉल या फिर सेंटर वॉल पर ट्राई किया जा सकता है। दूसरी ओर, मार्केट में डिफरेंट तरह के स्टोन देखे जा रहे हैं, जो दीवारों के लिए काफी पसंद किए जाते हैं, इनमें कलर फुल स्टोन काफी डिफरेंट एंड ट्रेंडी लुक देते हैं।

वर्टिकल गार्डन

वर्टिकल गार्डन का कॉन्सेप्ट काफी पसंद किया जा रहा है। बाहर के साथ-साथ इस तरह के गार्डन को घर के अंदर भी लगाया जा सकता है। ड्रॉइंग रूम के अलावा वॉशरूम में भी वर्टिकल गार्डन काफी अच्छे लगते हैं। वॉशरूम की वॉल पर यह गार्डन फ्रेशनेस का अहसास देंगे। वॉशरूम में मॉस वॉल भी लगवाई जा सकती है।

डिफरेंट म्यूरल्स

दीवारों पर म्यूरल्स लगवाना काफी कॉमन है। इसमें भी अब डिफरेंट वैराइटीज नजर आ रही हैं, जिनमें डिजिटल और 3डी भी शामिल हैं। डिजाइनर्स की मानें तो वॉल से लेकर फ्लोर तक अट्रैक्टिव पेपर एंड म्यूरल्स देखे जा रहे हैं। वॉल पर कॉज्मिक और सी लाइफ काफी पसंद की जा रही है, इसके तहत दीवार पर नैचुरल कलर्स उभरते हैं।

खतरनाक है घर का सामान...

हर इंसान का इस दुनिया में एक छोटा सा आशियाना बनाने का एक सपना होता है जिसे पूरा करने के लिए वो दिन रात कड़ी मेहनत करता है। अपनी सुख सुविधाओं की तमाम चीजों को वो इस घर में जुटाता है लेकिन तब क्या हो जब जरूरतों का सामान ही उसकी सेहत के लिए भारी पड़ जाए? हाल ही में हुए रिसर्च से यह बात सामने आई है कि घरों में इस्तेमाल किए जाने वाले घरेलु उपकरण जैसे फर्नीचर, इलेक्ट्रानिक उत्पाद जैसे टीवी और कम्प्यूटर, घरों में लगे परदे, एयर फ्रेशनर और यहां तक कि साबुन भी कई तरह की बीमारियों को न्यौता दे सकते हैं। जार्ज वांशिगटन यूनिवर्सिटी के मिल्केन इंस्टीट्यूट स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के शोधकर्ताओं ने रिसर्च में बताया कि फर्नीचर,टीवी, कम्प्यूटर, परदे, एयर फ्रेशनर और साबुन में भारी मात्रा में केमिकल जैसे पैथलेट्स, फिनॉल, फ्लोरीन युक्त रसायन मिले होते हैं। ये रसायन धूल के कणों में मिलकर हवा के रास्ते हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं जिससे हमारे शरीर पर बहुत बुरा असर पड़ता है। बच्चों और गर्भवती महिलाओं पर इसका सबसे बुरा असर पड़ता है। कई बार मां और बच्चे के शरीर में इन सामानों की वजह से कई सारे कैमिकल चले जाते हैं जिसका शरीर पर बहुत बुरा असर पड़ता है। टीसीईपी नामक कैमिकल जो कि गद्दों में पाया जाता है के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर बहुत ही बुरा असर पड़ता है। यह कैमिकल बच्चों के खेलते वक्त उनके हाथों से मुंह तक पहुंच जाता है जिससे बच्चों की सेहत बहुत खराब प्रभाव पड़ता है। विश्व के कई इलाकों में इस कैमिकल का इस्तेमाल प्रतिबंधित है। ड्यूक यूनिवर्सिटी के एन्वायरमेंट वर्किंग ग्रुप टीम ने एक नई रिसर्च प्रकाशित की है जिसमें कैमिकल्स के वर्तमान इस्तेमाल पर प्रकाश डाला गया है। स्टडी में पाया गया कि बच्चों के हाथ में अपशिष्ट कणों के रह जाने के कारण उन्हें कई बीमारियां होने का खतरा रहता है। कुछ भी खाने से पहले बच्चों के हाथ जरूर धुलवाएं। संभव हो तो बच्चों के हाथ ऐसे साबुन से धुलवाएं जो खुशबू से रहित हैं क्योंकि उनमें कैमिकल नहीं होते। कैमिलक वाले साबुन से हाथ धोना भी बीमारी को दावत देना है।

हमें टर्मरिक पिल्स की जरूरत नहीं...

आज कल पूरे विश्व में लोग हल्दी से मिलने वाले फायदों को पाने के लिए टर्मरिक पिल्स का सेवन कर रहे हैं। हल्दी से मिलने वाले फायदों से हम सभी भलीभांति परिचित हैं लेकिन आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि आज कल बाजार में हल्दी की गोलियां भी मिलती हैं। ये दवाइयां आज कल पूरे विश्व में बहुत ज्यादा प्रचलित हैं और इसे टर्मरिक सप्लीमेंट के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। भारतीय बाजार में भी हल्दी की ये गोलियां उपलब्ध हैं और आप इसे ऑनलाइन भी मंगा सकते हैं। इसे कर्कुमिन सप्लीमेंट के रूप में जाना जाता है। हालांकि भारतीय लोगों को आयरन या कैल्शियम सप्लीमेंट की तरह इस हल्दी सप्लीमेंट को लेने की जरूरत नहीं है क्योंकि अधिकतर भारतीय व्यंजनों में हल्दी पाउडर या कच्ची हल्दी का इस्तेमाल किया जाता है जिससे आपको जरूरी हल्दी की मात्रा आसानी से मिल जाती है। हल्दी में कर्कुमिन नामक यौगिक पाया जाता है जिसकी एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी क्षमताओं के कारण ही हल्दी इतनी ज्यादा फायदेमंद होती है। अगर आप यह जानना चाहते हैं कि एक दिन में हल्दी की कितनी मात्रा उपयोग में लानी चाहिए तो यह बताना थोड़ा मुश्किल है। चूंकि हल्दी की तासीर गर्म होती है इसलिए यह अलग अलग लोगों पर निर्भर करता है की उसके उसे कितनी हल्दी खानी चाहिए। आमतौर पर डिशेज में एक या दो चम्मच हल्दी मिलाना उपयुक्त माना जाता है और इतने से ही आपको इससे मिलने वाले सारे फायदे मिल जाते हैं। पूरे उत्तर भारत में खाने में हल्दी का उपयोग किया जाता है खासतौर पर पंजाब और राजस्थान की अधिकतर कई मशहूर डिशेज में इसका भरपूर उपयोग होता है।

चीनी नहीं अब इंडियन फूड...

भारतीय पकवानों और स्वाद की समृद्ध विरासत असीम है। यह सीमाओं को लांघ कर सुदूर, वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता बटोर रही है। भारतीय व्यंजनों में हर वो बात है, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के व्यंजनों के मामले में सबसे आगे रख रही है। पूरी दुनिया के व्यंजनों के शौकीन लोगों को भारतीय जायका काफी भा रहा है और यही वजह है कि भारतीय व्यंजन चीनी व्यंजनों की तुलना में लगातार लोकप्रिय हो रहे हैं। सीएनएन ट्रेवल के एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारतीय व्यंजन विश्व के 50 शीर्ष व्यंजनों में शुमार किए जाते हैं। वास्तव में यह एक बहुत ही सुखद समाचार है।

भले ही चीनी व्यंजन दुनिया भर में लगातार लोकप्रिय हो रहे हैं, लेकिन भारतीय खाने से इसे टक्कर मिल रही है। भारतीय व्यंजन भी लोगों की थालियों में विश्वभर में जगह बना रहे है। विश्व के नक्शे पर अपनी छाप छोड़ रहे हैं। विश्व भर में चीनी भोजन स्थानीय खाने के बाद दूसरे स्थान पर है लेकिन भारतीय व्यंजन काफी लोकप्रिय हो चुके हैं और यह चीन को पीछे छोड़ रहे हैं। पूरी दुनिया में ही खाना बनाने के शौकीन लोग बहुत प्यार और धैर्य से खाना पकाते हैं। खाना बनाने की तकनीक ज्यादातर देशों में लगभग एक जैसी है। उत्तर भारत और दक्षिण भारत के व्यंजनों की बात करें तो हर जगह का खाना वहां के लोगों के व्यक्तित्व को दर्शाता है। उत्तर भारत के लोग जहां खाने में मक्खन, स्थानीय मसाले, मीट और चिकन का प्रयोग ज्यादा करते हैं, वहीं दक्षिण में नारियल, करी पत्ता, कई तरह के मिर्च और मसाले का प्रयोग ज्यादा होता है।

सैलानियों की पसंद

विदेशी सैलानियों के पसंदीदा व्यंजनों में भारतीय व्यंजन शामिल हैं। ऑस्ट्रेलियावासी, अंग्रेज, डच और न्यू जीलैंड के पर्यटक भारतीय व्यंजनों का छक कर लुत्फ उठाते हैं। फ्रांसीसी लोग चीन, जापान, स्पेन और यहां तक की यूनान के व्यंजनों के मुकाबले भारतीय व्यंजन को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं। यही बात आस्ट्रेलिया के लोगों के संबंध में भी देखी जा रही है। ऑस्ट्रेलियावासियों ने भारतीय व्यंजनों को दुनिया के सबसे स्वादिष्ट व्यंजनों में रखा है।

निफ्टम की पहल

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट निफ्टम ने देशभर से ऐसे 15 उत्पाद चिन्हित किए हैं, जो पीजा और बर्गर की तरह विश्व के बाजार में भारतीय व्यंजन के रूप में उतारे जाएंगे। इनमें हरियाणा का घेवर और बिहार का लिट्टी चौखा भी शामिल है। विदेशों में भारत के पारंपरिक भोजन की बढ़ती मांग के चलते निकट भविष्य में भारत विश्व के सबसे बड़े खाद्य बाजार के रूप में स्थापित होने जा रहा है। इसी को देखते हुए हरियाणा के घेवर और बिहार के लिट्टी चौखा जैसे उत्पादों को विश्व स्तर के लिए तैयार किया जा रहा है।

ये व्यंजन होंगे शामिल

निफ्टम जिन भारतीय पारंपरिक खाद्यों को विश्व स्तर पर लांच करने की तैयारी में है, उनमें कश्मीर का गुस्तावा, पंजाब की चिकन करी, गुजरात का खाकरा, दक्षिण भारत का बैंबू स्टीम फिश, साउथ का वड़ा, बिहार का खाजा, उत्तर भारत का अनारसा, कवाब, बिहार का लिट्टी चौखा, गुजरात का खांडवी, महाराष्ट्र की पूरन पोली, हरियाणा का घेवर, सत्तु और चावल का मुरमुरा है। निफ्टम ने देश के 18 राज्यों में 39 गांव गोद लिए हैं।

रूस में भारतीय व्यंजन

रूस के मास्को में करीब 10 ऐसे रेस्टोरेंट हैं जहां उत्तर भारतीय से लेकर दक्षिण भारतीय व्यंजन तक परोसे जाते हैं। भारतीय रेस्टोरेंट में परोसे जाने वाले तंदूरी चिकन से लेकर मटन बर्रा, पनीर मलाई कोफ्ता से लेकर सरसो दा साग तक के जायके स्थानीय लोगों के साथ-साथ वहां जाने वाले दूसरे देशों के लोगों को खूब लुभा रहे हैं और इन रेस्टोरेंट के संचालक आश्वस्त हैं कि आने वाले दिनों में भारत के मसालेदार व्यंजनों की मांग और बढ़ेगी। मास्को में जय हिंद, दरबार, खजुराहो, देवी कैफे, जगन्नाथ जैसे कुछ लोकप्रिय भारतीय रेस्टोरेंट हैं। भारतीय व्यंजन मास्को ही नहीं बल्कि रूस के अन्य शहरों में भी लोकप्रिय हैं। मसालेदार भारतीय खाना रूस में सभी आयु वर्ग के लोगों में पसंद किया जा रहा है। वहां के देवी कैफे रेस्टोरेंट के एक अधिकारी के मुताबिक वे लोग भारतीय और चीनी खाना परोसते हैं लेकिन लोगों द्वारा भारतीय खाना सबसे अधिक पसंद किया जाता है। रूसी लोग भारतीय व्यंजनों को पसंद करते हैं। वहां भारतीय रेस्टोरेंट में आने वाले 60-70 प्रतिशत लोग रूसी होते हैं। केवल 25-30 प्रतिशत विदेशी और भारतीय आते हैं।

अमेरिका में भारतीय भोजन

एक दशक पहले, यूएस के भारतीय रेस्तरां तैलीय, क्रीमी, गरिष्ट व्यंजन जैसे पालक पनीर, मलाई कोफ्ता, बटर नान, पनीर बटर मसाला और तंदूर में बनी अन्य चीजों से इतर ज्यादा कुछ प्रस्तुत नहीं करते थे। यह वास्तव में घर का बना मौलिक भोजन नहीं हैं। अब, भारतीय शेफ अपनी किस्म के पारखी होने का सम्मान हासिल कर रहे हैं, वे ज्यादा सजातीय भारतीय खाने को लोकप्रिय बना रहे हैं, जो घर पर बने भोजन के ज्यादा निकट है, और साथ-साथ वे इनके जायकों के विभिन्न संस्करणों का प्रयोग भी कर रहे हैं। खाने का कोई भी शौकीन सुवीर सरन और फ्लॉयड कार्डोज जैसे शेफों के नामों से परिचित होगा। पद्मा लक्ष्मी जैसी महिलाएं इसमें ग्लैमर का तड़का लगा रही हैं, विकास खन्ना, जिन्होंने यूएस राष्ट्रपति बराक ओबामा के लिए खाना बनाया की प्रशंसा की जाती है। इनके अलावा कई फूड नेटवर्क शो में हिस्सा लेने वाले और अकसर जज बनने वाले मनीत चौहान, अंतर्राष्ट्रीय खाद्य श्रंखला ऑ बोन पेन के मेन्यू में सुधार करने वाली टीम के प्रमुख थॉमस जॉन और सचिन चोपड़ा, जिन्हें एसक्वायर मैगजीन ने संभावनापूर्ण घोषित किया, सराहे जाते हैं। ये कुछ भारतीय शेफ हैं, जिन्होंने अमेरिकी पाक परिदृश्य में नए चलन स्थापित किए।

50 शीर्ष व्यंजनों में शुमार

भारतीय पकवानों और स्वाद की समृद्ध विरासत असीम है। यह सीमाओं को लांघ कर सुदूर, वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता बटोर रही है। कुछ भारतीय पकवान बेहद लोकप्रिय हैं और ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा और अन्य मध्य-पूर्वी देशों में भी उपलब्ध हैं। द समाचार है। सीएनएन ट्रेवल के एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारतीय व्यंजन विश्व के 50 शीर्ष व्यंजनों में शुमार किए जाते हैं। वास्तव में यह एक बहुत ही सुखद समाचार है। अंतर्राष्ट्रीय शेफ लोकप्रिय भारतीय व्यंजनों को एक नए अंदाज में पेश करने की कोशिश करते हैं जिससे बहुत सारे अंतर्राष्ट्रीय पकवान प्रभावित हुए हैं। भारतीय व्यंजनों को इस शीर्ष स्तर पर ले जाने का श्रेय उसकी सरलता, स्वादिष्टता एवं मितव्ययता को जाता है।

इन व्यंजनों ने बनाई अलग पहचान

मसाला-डोसा

मसाला-डोसा भारत के सर्वश्रेष्ठ व्यंजनों में से एक है और उन पकवानों में शुमार है जिन्हें एक वैश्विक नागरिक को अपने जीवन में कम से कम एक बार अवश्य चखना चाहिए।

आलू चाट

सड़क एवं गलियों से निकलकर भारत का प्रसिद्ध मजेदार स्नैक आलू चाट विदेशों में भी प्रसिद्धि हासिल कर रहा है। यह क्षुधावर्धक विभिन्न महाद्वीपों में व्यापक रूप से उपलब्ध है।

लिट्टी चोखा

जी हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा। यह बिहारी स्वादिष्ट पकवान अब वैश्विक व्यंजन-सूचि में सम्मिलित हो चुका है। यह व्यंजन कम मात्रा में कैलोरी के साथ रेशे से भरपूर होने के कारण प्रसिद्ध है।

उपमा

उपमा, वैश्विक स्तर पर एक बहुत ही बढ़िया और प्रसिद्ध पकवान है। सिंगापुर में आयोजित वर्ल्ड स्ट्रीट फूड कांग्रेस से इसने अपनी पहचान बनाई। यह पकवान, विशेषतः उन लोगों के लिए है जो लजीज एवं स्वास्थ्यवर्धक खाने के शौकीन हैं।

आम की लस्सी

आम की लस्सी का स्वाद तो हम सब जानते ही हैं पर अब विभिन्न देशों के लोग भी इस तरोताजा अहसास प्रदान करने वाले पेय का लुत्फ लेना पसंद करते हैं। अफवाह तो यहां तक है कि एंड्राइड के अगले संस्करण का नाम भी 'मैंगो लस्सी' ही होगा ।

योग से कैंसर की रोकथाम...

एम्स के इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च विभाग ने योग पर एक रिसर्च किया है जिसके मुताबिक योग कैंसर जैसी लाइलाज बीमारी रोकने में भी मददगार है। कैंसर को लाइलाज बीमारी के तौर पर जाना जाता है और ऐसे में एम्स की रिपोर्ट का आना आशा की एक किरण की तरह है।

एम्स के इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च विभाग की रिसर्च के मुताबिक लगातार योग करने से शरीर में ऐसे केमिकल बनते हैं जिससे कैंसर बनाने वाली कोशिकाओं पर दबाव पड़ता है। इसके लिए इंडियन काउंसिल ने 150 कैंसर मरीजों पर रिसर्च की और उन्हें लगातार तीन महीने तक प्रणायाम, सुदर्शन क्रिया और ध्यान करवाया गया। तीन महीने बाद ब्लड टेस्ट कराए गए और उसके जो नतीजे समाने आए वो चौंकाने वाले थे। कैंसर मरीजों के शरीर में कार्टिसो लेवल कम पाया गया और डब्ल्यूएचओ स्तर के मुताबिक उन सभी की क्वालिटी आफ लाइफ में सुधार पाया गया।

तीसरी और चौथी स्टेज

अमूनन कैंसर की तीसरी और चौथी स्टेज में मरीज को असहनीय दर्द होता है। ऐसे में मरीजों को मार्फिन की दवा दी जाती है ताकि उन्हें दर्द से निजात मिल सके। एम्स के कैंसर विभाग में प्रोफेसर सुषमा ऐसे ही मरीजों का इलाज करती हैं। उनका कहना है कि जब हमने रिसर्च की तो पाया कि योग करने वाले मरीजों में दर्द सहने की क्षमता काफी बढ़ गई थी। एम्स के निदेशक डॉ. एम. सी मिश्रा इस रिसर्च से बेहद उत्साहित हैं और कहते हैं मैं रोज योगा करता हूं इसलिए 62 साल की उम्र में भी पूरी तरह फिट हूं। निश्चित तौर पर योग से कैंसर की रोकथाम में मदद मिल सकती है।

योग प्रणाली में कैंसर

योग प्रणाली में कैंसर कोशिकाओं को समाज में क्रिमनल के तौर पर देखा जाता है। कोशिकाओं के यह समूह खतरनाक साबित होते हैं क्योंकि यह बड़ी दिक्कत पैदा कर सकते हैं। इसी तरह कैंसर कोशिकाएं हमारे सारे शरीर में मौजूद रहती हैं, लेकिन उनमें से कुछ हमारे जीवन या शरीर को उस तरह प्रभावित नहीं करती। जब तक वे अकेली हों तो कोई समस्या नहीं। हालांकि यही कोशिकाएं जब बढ़ने लगती हैं, तो उनका हमारी सेहत पर बुरा असर दिखाई देने लगता है। योग में आमतौर पर हम इसे इस तरह देखते हैं जैसे इंसान के व्यवहार, खान-पान, जीवनशैली या किन्हीं दूसरी वजहों से जब ऊर्जा में कुछ खास किस्म का खालीपन पैदा हो जाता है तो शरीर में कैंसर कोशिकाओं के बढ़ने का खतरा बनता है। अगर शरीर के किसी खास हिस्से में ऊर्जा का प्रवाह ठीक नहीं हो तो कैंसर कोशिकाएं उस जगह को छुपने और फलने-फूलने के लिए चुन लेती हैं। कैंसर कोई बीमारी नहीं, बल्कि इसमें कुछ कोशिकाएं आपके खिलाफ हो जाती हैं और इससे आपका शरीर ही आपके खिलाफ काम करने लग जाता है।

सबसे आसान तरीका

शरीर में कैंसर संक्रमित कोशिकाओं की रोकथाम का हमारे पास सबसे आसान तरीका समय से उपवास रखना है। इन कोशिकाओं को सामान्य कोशिकाओं से ज्यादा पोषक तत्वों की जरूरत होती है और कुछ खास दिन खुद को भोजन से दूर रख कर आप शरीर में कैंसर संक्रमित उन कोशिकाओं की संख्याओं को कम कर सकते हैं। आप रोजाना नीम और हल्दी के पेस्ट से बनी गोलियां भी ले सकते हैं। यह कैंसर पीड़ित व्यक्ति के लिए भले एक उपचार न हो, लेकिन यह शरीर में कैंसर कोशिकाओं की संख्या को काबू में रखते हैं, जिससे वे शरीर के खिलाफ एकजुट नहीं हो पाती हैं। जब शरीर में इनका स्तर बढ़ता है, तो यह कोशिकाओं में ऊर्जा के प्रवाह को रोकते हैं और शरीर के वे हिस्से जहां ऊर्जा का प्रवाह नहीं हो पाता उनमें कैंसर कोशिकाओं के बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है।

आध्यात्मिक तरीके

योग में कुछ खास किस्म के आध्यात्मिक तरीके भी हैं, जो शरीर प्रणाली को सुधारने और संतुलन बनाने में मदद कर सकते हैं। कई ऐसे मरीजों को देखा गया है कि जो इन उपायों की बदौलत पूरी तरह ठीक हो गए हैं। कई मरीज ऐसे भी हैं जो योग के जरिए कीमोथेरेपी के बाद बड़ी ही तेजी से उससे उबर गए। उन मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टर भी उन्हें देख कर दंग रह गए। यहां यह पक्के तौर पर तो नहीं कहा जा सकता कि योग की वजह से उनका कैंसर ठीक हो गया, लेकिन चिकित्सीय उपचार के साथ योग करने से कैंसर के मरीजों को फायदा जरूर मिला है।

वजन बढ़ाने के लिए करें इस प्रकार का भोजन

- वजन बढ़ाने के लिए सबसे पहले तो आपका फिट रहना जरूरी है। आप वजन बढाना चाहते हैं इसका ये अर्थ नहीं कि आप शारीरिक रूप से बिल्कुल भी सक्रिय नहीं होंगे।
- वजन बढ़ाने के लिए नियमित व्यायाम बहुत जरूरी है, इसके लिए आप फिटनेस सेंटर ज्वॉइन कर सकते हैं।
- वजन बढ़ाने के लिए सबसे बढ़िया उपाय है आप हाई कैलोरी का खाना खाएं। लेकिन इसका ये अर्थ नहीं कि आप जंकफूड भारी मात्रा में खाने लगे।
- जंक फूड और फास्ट फूड की तुलना में स्वस्थ और अधिक कैलोरीयुक्त खाद्य-पदार्थों को प्राथमिकता दीजिए।
- अगर आप वजन हेल्दी रूप से बढ़ाना चाहते हैं तो आपको सुबह का नाश्ता हेवी करना होगा। सुबह का नाश्ता करने आप दिनभर ऊर्जावान बने रहते हैं।
- वजन बढ़ाने के लिए प्रोटीन शेक भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इससे हड्डियां भी मजबूत होती है।
- चिकन, चावल, फिश, अंडा इत्यादि भी वजन बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। इन सभी खाद्य पदार्थों में भारी मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है।
- दूध या दूध से बनी चीजों में भी प्रोटीन पाया जाता है या फिर आप सोया मिल्क या पाउडर के सेवन से भी अपना वजन बढ़ा सकते हैं।
- अंकुरित अनाज में प्रोटीन अच्छी मात्रा में मौजूद होती है। आप अंकुरित चने, मोंठ इत्यादि के सेवन से अपना वजन बढ़ा सकते हैं।
- पनीर, मक्खन, घी, तेल, तैलीय भोजन सभी को खाने से मोटापा बढ़ाने में मदद मिलती हैं।
- वजन बढ़ाने के लिए फुलक्रीम दूध में रात को चने भिगोकर सुबह खाने चाहिए। इस तरह के खाद्य पदार्थों में प्रोटीन अच्छी मात्रा में मौजूद होता है।
- फलियां, मेवा, बींस इत्यादि में भरपूर प्रोटीन मौजूद होता हैं। इनके सेवन से आप आसानी से अपना वजन बढ़ा सकते हैं।
- बहुत अधिक तैलीय पदार्थों के सेवन और तरल पदार्थों की कमी से भी वजन बढ़ता है।
- अधिक वसा इत्यादि का सेवन या फिर अधिक मात्रा में कैलोरी लेना लेकिन उस अनुसार व्यायाम ना करने से भी मोटापा बढ़ता है।

इसके अलावा आप हरी सब्जियां, फल, सूप इत्यादि के सेवन से भी आसानी से अपना वजन बढ़ा सकते हैं। इन टिप्स से आप प्रोटीन की कमी को दूर कर अपना वजन बढ़ा सकते हैं।

संपादकीय

मिठास की खटास

हाल के दिनों में बाजारों में चीनी की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल देखा गया है। वहीं चीनी की कालाबाजारी की आशंका के मद्देनजर सरकार ने इसकी बिक्री का नियमन भी किया है। साथ ही सरकार ने बिना टैक्स दस लाख टन कच्ची चीनी के आयात की इजाजत देने का भी फैसला किया है। लेकिन सरकार का यह फैसला शायद ही बढ़ती कीमतों का जवाब हो। निस्संदेह, यह परिदृश्य सरकार के लिये उसकी महत्वाकांक्षी इथेनॉल नीति की असलियत को समझने का एक अवसर भी है। पूरे देश में इथेनॉल मिश्रित ई-20 पेट्रोल की बिक्री व्यवस्था लागू करने का जश्न मनाने के दो साल से भी कम समय में सरकार अब दो परस्पर विरोधी जरूरतों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है। पहला, देश की विदेशी मुद्रा बचाने के लिये कच्चे तेल के आयात को कम करना और दूसरा उपभोक्ताओं के लिये सस्ती चीनी उपलब्ध कराना। निस्संदेह, यह घटनाक्रम एक नीतिगत दुविधा को तो दर्शाता है कि जब एक ही फसल का इस्तेमाल खाद्य पदार्थ और ईंधन, दोनों के लिये किया जाता है, तो किसी एक लक्ष्य को दूसरे से अलग रखकर पूरा नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब खाड़ी संकट के चलते पूरी दुनिया में पेट्रोलियम पदार्थों का संकट व्याप्त रहा, इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल ने देश के नागरिकों व सरकार को बड़ी राहत दी है। इसमें दो राय नहीं कि निर्धारित समय सीमा से पहले ही बीस फीसदी इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का लक्ष्य हासिल करके, भारत ने आयातित कच्चे तेल पर अपनी निर्भरता को कुछ कम जरूर किया है। वहीं दूसरी ओर सरकार की इस अभिनव पहल से जहां एक ओर चीनी मिलों को सहारा मिला है, वहीं गन्ना किसानों के लिये कमाई का एक अतिरिक्त जरिया भी बना है। निश्चित रूप से उस देश के लिये यह एक उपलब्धि ही कही जा सकती है जो अपनी जरूरतों के लिये 85 फीसदी कच्चे तेल का आयात करता रहा है। वह भी अपने देश में उपलब्ध वैकल्पिक संसाधनों के जरिये। इसके बावजूद राजग सरकार को इस रचनात्मक पहल की कुछ बुनियादी खामियां भी हमारे सामने उजागर हुई हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि गन्ना भारत में सबसे ज्यादा पानी की खपत करने वाली फसलों में से एक है। वहीं दूसरी ओर इथेनॉल के उत्पादन के लिये गन्ने का इस्तेमाल ऐसे समय में शुरू हुआ है जब देश के प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में शुमार महाराष्ट्र और कर्नाटक में पैदावार खराब मौसम और गन्ने की फसल पर लगी बीमारियों के चलते कमजोर रही है। यह भी एक वजह है कि गन्ना आपूर्ति में आई कमी के चलते भी हाल के दिनों में चीनी की कीमतों में तेजी देखी गई है। जिसके चलते सरकार को चीनी का निर्यात रोकना पड़ा है। इतना ही नहीं, सरकार को आसन्न त्योहारी मौसम को देखते हुए अब कच्ची चीनी के आयात को अनुमति देनी पड़ी है। निस्संदेह, इन परिस्थितियों के मद्देनजर यह नहीं कहा जा सकता कि देश में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का प्रयोग विफल हो गया है। बल्कि यह समझने की जरूरत है कि देश की कृषि संबंधी वास्तविकताओं और दुनिया की सबसे बड़ी आबादी की खाद्य जरूरतों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। आज जरूरत इस बात की है कि देश में एक लचीली जैव ईंधन रणनीति को तार्किक बनाया जाए। जिसे फसलों की स्थितियों और घरेलू खाद्य जरूरतों के अनुरूप ढाला जा सके। निस्संदेह, फसलों के अवशेष और कृषि अपशिष्ट से निर्मित होने वाले इथेनॉल में अधिक निवेश करने से ही गन्ने पर निर्भरता को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही जलवायु लक्ष्यों को भी बढ़ावा दिया जा सकेगा। भारत द्वारा ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत के लक्ष्य के रूप में कामयाबी एक सराहनीय उपलब्धि कही जा सकती है। निस्संदेह यह उपलब्धि खाद्य मुद्रास्फीति या जल के अंधाधुंध दोहन की कीमत पर नहीं हासिल की जा सकती। सही मायने में सबसे अच्छी नीति वही मानी जाएगी, जो ईंधन के टैंक और रसोई के भंडार पर्याप्त मात्रा में भरा रख सके।

पूरे देश में इथेनॉल मिश्रित ई-20 पेट्रोल की बिक्री व्यवस्था लागू करने का जश्न मनाने के दो साल से भी कम समय में सरकार अब दो परस्पर विरोधी जरूरतों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है। पहला, देश की विदेशी मुद्रा बचाने के लिये कच्चे तेल के आयात को कम करना और दूसरा उपभोक्ताओं के लिये सस्ती चीनी उपलब्ध कराना। निस्संदेह, यह घटनाक्रम एक नीतिगत दुविधा को तो दर्शाता है कि जब एक ही फसल का इस्तेमाल खाद्य पदार्थ और ईंधन, दोनों के लिये किया जाता है, तो किसी एक लक्ष्य को दूसरे से अलग रखकर पूरा नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब खाड़ी संकट के चलते पूरी दुनिया में पेट्रोलियम पदार्थों का संकट व्याप्त रहा, इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल ने देश के नागरिकों व सरकार को बड़ी राहत दी है। इसमें दो राय नहीं कि निर्धारित समय सीमा से पहले ही बीस फीसदी इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का लक्ष्य हासिल करके, भारत ने आयातित कच्चे तेल पर अपनी निर्भरता को कुछ कम जरूर किया है। वहीं दूसरी ओर सरकार की इस अभिनव पहल से जहां एक ओर चीनी मिलों को सहारा मिला है, वहीं गन्ना किसानों के लिये कमाई का एक अतिरिक्त जरिया भी बना है। निश्चित रूप से उस देश के लिये यह एक उपलब्धि ही कही जा सकती है जो अपनी जरूरतों के लिये 85 फीसदी कच्चे तेल का आयात करता रहा है। वह भी अपने देश में उपलब्ध वैकल्पिक संसाधनों के जरिये।

आज कई वृद्ध अपने ही घर में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से अकेले हैं

बदलती सामाजिक संवेदनाओं में वृद्धों को चाहिए उजाले

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस समाज के अंतर्मन को झकझोरने एवं वृद्धों की त्रासद स्थितियों पर सोचने को विवश करता है कि जिन हाथों ने परिवार की नींव रखी, जिन कंधों ने बच्चों के भविष्य का भार उठाया और जिन अनुभवों ने जीवन की अनेक कठिन राहों को पार करने में अगली पीढ़ियों का मार्गदर्शन किया, उन्हीं वृद्ध माता-पिता को जीवन के अंतिम पड़ाव में अकेलापन, उपेक्षा, असुरक्षा और अपमान क्यों झेलना पड़ रहा है? निश्चित ही कहीं-न-कहीं हमारी सामाजिक संवेदना कमजोर हुई है। जिस समाज में बुजुर्गों का सम्मान सहज संस्कार होना चाहिए था, वहां उनके अधिकारों और सुरक्षा के लिए अलग से दिवस मनाना हमारी सामूहिक आत्मचिंता का विषय है। भारत तेजी से वृद्ध होती आबादी की ओर बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार 2050 तक भारत की आबादी में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत हो सकती है; यानी हर पांच भारतीयों में लगभग एक वरिष्ठ नागरिक होगा। यह केवल जनसांख्यिकीय परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवस्था के सामने आने वाली एक बड़ी चुनौती है। अधिक उम्र तक जीना मानव सभ्यता की उपलब्धि है, लेकिन यदि लंबी आयु के साथ अकेलापन, बीमारी, आर्थिक असुरक्षा और भावनात्मक उपेक्षा जुड़ जाए तो दीर्घ जीवन वरदान के बजाय बोझ जैसा अनुभव होने लगता है। भारत की पारंपरिक संस्कृति में वृद्ध व्यक्ति परिवार के मुखिया, मार्गदर्शक और अनुभव के भंडार माने जाते थे। संयुक्त परिवार में उनकी भूमिका केवल निर्णय लेने तक सीमित नहीं थी, बल्कि वे परिवार की स्मृति, परंपरा और संस्कारों के जीवंत केंद्र होते थे। लेकिन तेजी से बदलती जीवनशैली, महानगरीय संस्कृति, रोजगार के लिए पलायन, छोटे परिवारों की प्रवृत्ति, उपभोक्तावाद और बढ़ती व्यक्तिवादी सोच ने इस व्यवस्था को बदल दिया है। आज कई वृद्ध अपने ही घर में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से अकेले हैं। उनके पास रहने को छत है, लेकिन संवाद के लिए कोई अपना नहीं; परिवार है, लेकिन समय नहीं; संतान है, लेकिन अपनापन कम होता जा रहा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस वृद्ध ने जीवनभर परिवार को अपने केंद्र में रखा, सेवानिवृत्ति के बाद वही परिवार उसे अपने केंद्र से बाहर करने लगता है। नौकरी में रहते हुए जिस व्यक्ति की सलाह महत्वपूर्ण थी, नौकरी से मुक्त होते ही उसकी उपयोगिता जैसे समाप्त मान ली जाती है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या इसी बदलती सामाजिक संरचना का संकेत है। हर वृद्धाश्रम दुख की कहानी नहीं है; कुछ स्थानों पर वे अकेले और असहाय वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षा और देखभाल का महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। लेकिन जब वृद्धाश्रम उन माता-पिता का अंतिम ठिकाना बन जाए जिन्हें सक्षम संतान केवल इसलिए घर से दूर कर देती है कि वे आधुनिक जीवन की सुविधाओं के बीच 'असुविधा' बन गए हैं, तब प्रश्न केवल परिवार का नहीं, पूरे समाज के संस्कारों का बन जाता है।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार 2050 तक भारत की आबादी में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत हो सकती है; यानी हर पांच भारतीयों में लगभग एक वरिष्ठ नागरिक होगा। यह केवल जनसांख्यिकीय परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवस्था के सामने आने वाली एक बड़ी चुनौती है। अधिक उम्र तक जीना मानव सभ्यता की उपलब्धि है, लेकिन यदि लंबी आयु के साथ अकेलापन, बीमारी, आर्थिक असुरक्षा और भावनात्मक उपेक्षा जुड़ जाए तो दीर्घ जीवन वरदान के बजाय बोझ जैसा अनुभव होने लगता है। भारत की पारंपरिक संस्कृति में वृद्ध व्यक्ति परिवार के मुखिया, मार्गदर्शक और अनुभव के भंडार माने जाते थे। संयुक्त परिवार में उनकी भूमिका केवल निर्णय लेने तक सीमित नहीं थी, बल्कि वे परिवार की स्मृति, परंपरा और संस्कारों के जीवंत केंद्र होते थे।

संपत्ति अपने नाम कराने के बाद माता-पिता से दूरी बना लेना, उनकी बीमारी को बोझ समझना या उन्हें केवल घरेलू जिम्मेदारियों के लिए उपयोग करना ऐसी प्रवृत्तियां हैं, जिन पर समाज को गंभीर आत्ममंथन करना चाहिए। यह भी सच है कि वृद्धावस्था की समस्या केवल युवाओं की संवेदनहीनता से पैदा नहीं होती। वरिष्ठ नागरिकों को भी बदलते समय के साथ स्वयं को बदलना होगा। नई पीढ़ी की स्वतंत्रता, निजी निर्णय और जीवनशैली को समझना होगा। अनावश्यक हस्तक्षेप से बचते हुए अपने अनुभव को आदेश नहीं, मार्गदर्शन के रूप में प्रस्तुत करना होगा। उम्र बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन मन का बूढ़ा हो जाना अनिवार्य नहीं। वरिष्ठ नागरिक यदि सामाजिक गतिविधियों, अध्ययन, सेवा, आध्यात्मिकता, सामुदायिक कार्यक्रमों और रचनात्मक कार्यों से जुड़े रहें तो उनका जीवन अधिक सक्रिय, सार्थक और आनंदपूर्ण बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट का कल आया फैसला बुजुर्गों के लिए कानूनी संजीवनी की तरह है जिसमें न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यदि संतान माता-पिता की देखभाल और भरण-पोषण की जिम्मेदारी निभाने में विफल रहती है, तो वरिष्ठ नागरिकों की संपत्ति और सम्मान की रक्षा के लिए कानून के तहत बच्चों को उस संपत्ति से बेदखल करने का रास्ता खुला है। सरकार की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। विशेष रूप से 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आय की परवाह किए बिना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवरेज देना एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार के अनुसार अक्टूबर 2024 में शुरू हुए इस विस्तार से लगभग छह करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य है; जून 2026 तक योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए कवरेज का दायरा इसी दिशा में आगे बढ़ाया गया है। इसी प्रकार अटल वयो अभ्युदय योजना का उद्देश्य केवल वृद्धों को आश्रय देना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, आवास, सक्रिय एवं उत्पादक वृद्धावस्था, कौशल, परिवहन तथा पीढ़ियों के बीच संबंधों को मजबूत करना भी है। योजना में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायता, वृद्धाश्रम, सहायक उपकरण, सक्रिय वृद्धावस्था और अनुभव आधारित रोजगार जैसे पहलुओं को भी शामिल किया गया है। ये प्रयास महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सरकारी योजनाओं की सफलता अंततः उनके अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी पहुंचने पर निर्भर करती है। पेंशन, स्वास्थ्य सुविधा, डिजिटल सेवाओं और कानूनी संरक्षण को अधिक सरल, सुलभ और स्थानीय स्तर पर प्रभावी बनाना अभी भी आवश्यक है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए आर्थिक सुरक्षा जितनी जरूरी है, उससे कहीं अधिक जरूरी भावनात्मक सुरक्षा है। पैसा दवा खरीद सकता है, लेकिन अकेलेपन का उपचार नहीं कर सकता। अस्पताल शरीर का इलाज कर सकता है, लेकिन उपेक्षा से घायल मन का उपचार परिवार का प्रेम ही कर सकता है। इसलिए वृद्ध कल्याण को केवल सरकारी योजना या पेंशन के दायरे में नहीं देखा जा सकता। परिवार को यह समझना होगा कि वृद्ध माता-पिता को केवल भोजन और दवा नहीं चाहिए; उन्हें बातचीत चाहिए, सम्मान चाहिए, निर्णयों में सहभागिता चाहिए और यह भरोसा चाहिए कि वे परिवार के लिए अब भी महत्वपूर्ण हैं। आज की युवा पीढ़ी को यह बात विशेष रूप से समझनी होगी कि माता-पिता का वर्तमान हमारे भविष्य का संकेत है। जो व्यवहार हम आज अपने वृद्ध माता-पिता के साथ करेंगे, आने वाला समय उसी व्यवहार को हमारे सामने खड़ा करेगा। आज हम युवा हैं, कल हम वृद्ध होंगे। आज जिन आंखों को हम अनदेखा कर रहे हैं, कल उन्हीं जैसी आंखों में हमारी अपनी संतानों के व्यवहार का प्रतिबिंब दिखाई दे सकता है। इसलिए वृद्धों की सेवा दया नहीं, कर्तव्य है; उनका सम्मान उपकार नहीं, संस्कार है। विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस की वास्तविक सार्थकता तभी होगी जब यह एक दिन का आयोजन न रहकर जीवन की स्थायी दृष्टि बने। परिवार में सप्ताह में एक दिन नहीं, प्रतिदिन संवाद हो; समाज में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सक्रिय सामुदायिक मंच हों; स्थानीय संस्थाएं उन्हें ज्ञान, अनुभव और सेवा के अवसर दें; सरकार स्वास्थ्य, पेंशन और सुरक्षा की व्यवस्थाओं को मजबूत करे और युवा पीढ़ी अपनी सोच में परिवर्तन लाए। वृद्धावस्था जीवन की संध्या है, लेकिन संध्या का अर्थ अंधेरा नहीं होता। वह दिनभर की यात्रा के बाद सुनहरी रोशनी का समय भी हो सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि परिवार उस रोशनी को बुझने न दे। हमारे वृद्ध जीवन के बीते हुए पन्ने नहीं, आने वाली पीढ़ियों के लिए अनुभव की खुली किताब हैं। यदि हम उनके अंतिम वर्षों को भय, अकेलेपन और उपेक्षा से भर देंगे तो हम केवल उनके साथ अन्याय नहीं करेंगे, बल्कि अपनी सभ्यता और संस्कारों को भी कमजोर करेंगे। इसलिए आज संकल्प होना चाहिए-वृद्धों के जीवन में अंधेरा नहीं, सम्मान का उजाला हो; अकेलापन नहीं, अपनापन हो; उपेक्षा नहीं, सहभागिता हो और शेष जीवन बोझ नहीं, आनंद एवं गरिमा का उत्सव बने। यही विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस का वास्तविक संदेश और हमारी सबसे बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी है।

देश दुनिया से

पश्चिम की नीतियों में इतना विरोधाभास क्यों, फिर पुतिन को नसीहतों का औचित्य?

अमेरिकी नेतृत्व और उसकी नीतियों से जुड़ी दो खबरें सामने आई हैं। एक तरफ यूगॉव और फोकलडाटा के सर्वे में ट्रंप की विश्वसनीयता को संकट में पड़ता दिखाया गया है, तो दूसरी तरफ अमेरिकी सीनेट 'द लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' पारित कर राष्ट्रपति ट्रंप को अभूतपूर्व शक्तियां देने की मंशा प्रकट कर रहा है। यह एक्ट (संसद के निचले सदन में पास होने के बाद) ट्रंप को व्लादिमीर पुतिन और रूस के अन्य बड़े नेताओं, कुलीनतंत्र, रूसी अधिकारियों, बैंकों तथा अन्य संस्थाओं पर अनिवार्य प्रतिबंध लगाने का अधिकार दे देगा। सवाल यह है कि क्या ट्रंप, जो पहले से ही अपनी सनक के चलते दुनिया में अनिश्चितता पैदा कर चुके हैं और अमेरिकी अर्थव्यवस्था व जीवन को संकट की ओर ले जा रहे हैं, को ऐसे अधिकार देना उचित है? यह एक्ट मूलतः रूस पर प्रतिबंधों के लिए था, पर बाद में इसमें ईरान को भी जोड़ दिया गया, जो 'ईरान सैंक्शंस एक्ट ऑफ 1996' की अवधि को और पांच साल बढ़ाता है। यह भी एक विरोधाभास है-एक तरफ समझौता और दूसरी तरफ सैंक्शंस! आखिर अमेरिकी नीतियां इतनी भ्रमपूर्ण क्यों हैं? इसके पीछे तर्क है कि ट्रंप को रूस के खिलाफ सिर्फ प्रतिबंध लगाने की शक्ति नहीं, बल्कि रूसी तेल खरीदारों को आर्थिक दबाव में लाने की भी छूट चाहिए। इसमें नया क्या है? ट्रंप तो पहले से ही टैरिफ को विदेश नीति के हथियार की तरह इस्तेमाल करते आ रहे हैं। अब संभव है कि अमेरिका रूस के अतिरिक्त दूसरे भू-राजनीतिक या आर्थिक विवादों में भी आक्रामकता अपनाए। लेकिन, क्या पुतिन इससे डर जाएंगे? नहीं। अमेरिका जरूर दबाव में आ सकता है, क्योंकि फोकलडाटा सर्वे में 55 प्रतिशत मतदाताओं ने ट्रंप के कार्यों को अस्वीकार किया है। इसलिए संभावना है कि अमेरिकी संकट अभी और बढ़ेगा। दुनिया दो प्रकार के युद्धों से जूझती नजर आ रही है। पहला है, यूक्रेन के खिलाफ रूसी युद्ध और दूसरा है, क्रेमलिन के खिलाफ पश्चिमी दुनिया का 'आर्थिक युद्ध'। मगर पूरी पश्चिमी दुनिया के प्रयासों के बाद भी रूस नहीं रुक रहा। कारण, पश्चिमी ब्लॉक जब प्रतिबंध लगा रहे थे, तब रूस अर्थव्यवस्था को युद्ध के अनुकूल ढाल रहा था। यही उसकी उत्तरजीविता का कारण है। अब बात यह कि पुतिन यूक्रेन में जो कर रहे हैं, वह कितना सही और कितना गलत है। पश्चिम की नजर में पुतिन युद्ध अपराधी हैं, लेकिन दूसरों की नजर में वह पूंजीवादी धुरी को छठी का दूध याद दिला रहे हैं। सच क्या है? पश्चिमी दुनिया प्रायः किसी देश को लोकतांत्रिक, किसी को आधुनिक और किसी को मानवाधिकार संपन्न बनाने का दावा करती रहती है, जबकि इसने लोकतंत्रों को भ्रष्ट किया है, आधुनिकता के नाम पर औपनिवेशिकता दी और मानवाधिकारों के नाम पर युद्ध, हत्याएं तथा पलायन का गहरा दर्द दिया है। यूक्रेन में भी उन्होंने आधुनिकता का दावा किया, लेकिन उद्देश्य कुछ और ही है। मजे की बात यह है कि जो यूरोप अपने आदर्शवादी संघवाद को नहीं बचा पा रहा है, वह यूक्रेन की राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बचाने में लगा होने का दावा कर रहा है। अमेरिका घरेलू राजनीति में विभाजन, ध्रुवीकरण और सामंजस्य की कमी से जूझ रहा है, लेकिन अमेरिकी नेता यूक्रेन सहित शेष दुनिया की ओर देख रहे हैं। दरअसल, नाटो शक्तियां सोवियत खंडहरों पर उगे 'कॉमन वेल्थ ऑफ स्टेट्स' (सीआईएस) के हर दरवाजे पर एक पश्चिमी शेरपा खड़ा करना चाहती हैं। गौर से देखिए, तो यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद बहुत-से नकाब उतरे हैं। दिलचस्प यह है कि युद्ध से सभी नुकसान में हैं और फायदे में है चीन। इसके बाद ही रूस और चीन 'अंतरराष्ट्रीय संबंधों के एक नए युग में प्रवेश' कर गए। इसी के बाद चीनी अर्थव्यवस्था और रूसी अर्थव्यवस्था ने गठजोड़ करने में सफलता प्राप्त की है। रूस भले ही गलत नजर आए, लेकिन इसे एकांगी दृष्टि से नहीं देखना चाहिए। इसमें कई पेच हैं। पहला यह कि पश्चिमी देशों द्वारा यूक्रेन में लगातार उन दक्षिणपंथी ताकतों को समर्थन दिया गया, जो रूस विरोधी गतिविधियों में लिप्त थीं। यह प्रक्रिया सोवियत संघ के विघटन के बाद से ही शुरू कर दी गई थी। वहां कुछ ऐसी शक्तियां पैर पसारने लगी थीं, जिनका उद्देश्य नए संघर्षों को जन्म देकर अपने हितों को पूरा करना था। यूक्रेन में दक्षिणपंथी और नव-नाजीवादियों को प्रोत्साहित किया गया, ताकि वे रणनीतिक तौर पर मजबूत हो सकें। पश्चिमी ताकतें इन्हें लगातार समर्थन दे रही थीं। इसके साथ, यदि भाषाई अतिवाद को भी जोड़ दें, तो बात और स्पष्ट हो जाएगी। राइट सेक्टर स्वोबोदा (स्वतंत्रता) तथा द्वितीय विश्वयुद्ध के समय राष्ट्रवादी स्टेपन बांडेरा जैसे संगठन पूरी तरह से रूस विरोधी और नाजी समर्थक रहे। इनका एक ही उद्देश्य था कि यूक्रेन तथा कुछ अन्य देशों में रूसियों के खिलाफ मुहिम चलाना। अगर लगभग एक सदी पीछे जाकर देखा जाए, तो अमेरिका और पश्चिमी यूरोप के देश इन दक्षिणपंथी ताकतों को उसी तरह से समर्थन दे रहे थे, जिस तरह से वे 1930 के दशक में नाजीवाद, फासीवाद और जापानी सैन्यवाद को गुप्त समर्थन दे रहे थे। फिर परिणाम तो कुछ वैसे ही होने थे, जिस प्रकार हिटलर और बेनिटो मुसोलिनी ने छोटे-छोटे राज्यों पर धावा बोलकर उन्हें कब्जे में ले लिया था, पुतिन ने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया। षड्यंत्र फिर भी नहीं रुके, तो उन्होंने यूक्रेन पर सैन्य कार्रवाई कर दी।

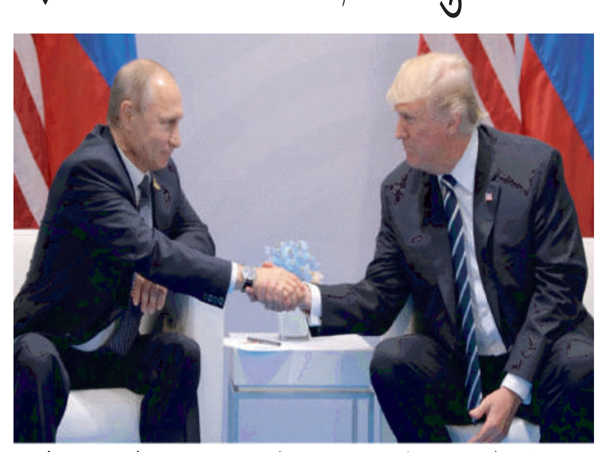

आप का नज़रिया

आत्मघाती अकड़

आत्मघाती अकड़ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगभग सभी देशों से टैरिफ को लेकर भिड़ते रहे हैं। अब एक बार समझौता प्रक्रिया शुरू करने के बाद निर्णायक मोड़ पर पहुंचते ही कनाडा के साथ अमेरिकी वार्ताकारों ने नईं शर्त्रे रख दी और वार्ता स्थगित हो गईं। राष्ट्रपति ट्रंप ने तो तुरन्त टैरिफ बढ़ाने की आदत के अनुसार कनाडा के 28 अरब कनाडाईं डालर मूल्य के कनाडाईं सामान पर 50 प्रतिशत टैरिफ ठोंक दिया। प्रधानमंत्री मार्क कानी का भड़कना स्वाभाविक था, इसलिए उन्होंने भी ऐलान कर दिया कि कनाडा भी अमेरिकी सामान पर 'डॉलर फार डॉलर' आधार पर जवाब देगा। दरअसल यह भिड़ंत मात्र दो देशों के बीच नहीं है क्योंकि प्रधानमंत्री मार्क कानी ने इस बात का भी ऐलान किया कि अब कनाडा अपने व्यापारिक संबंधों को दूसरे देशों के साथ बढ़ाएगा। सच तो यह है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने जो कनाडा के साथ किया है, वही वे अपने सभी मित्र देशों के साथ करते हैं। कनाडा के साथ खटपट के एक दिन पहले ही उन्होंने ऐलान किया था कि अमेरिका का कनाडा के साथ टैरिफ को लेकर समझौता होने वाला है। वास्तविकता यह है कि राष्ट्रपति ट्रंप की टीम जब देखती है कि उसके सामने वाली टीम ने वुछ बिन्दुओं पर सहमति व्यक्त कर दी है तब वे सौदेबाजी को अपनी शतरे के अनुसार आगे बढ़ाने पर जोर देते हैं। इसके लिए अमेरिकी टीम अपनी शत्रे थोपती है। अमेरिकी शत्रे इतनी कठोर होती हैं कि कोईं भी लोकतांत्रिक देश मान ही नहीं सकता। अमेरिका यह जानते हुए भी कि लोकतांत्रिक देशों की सरकारें जनाकांक्षाओं की उपेक्षा करके सत्ता में रह ही नहीं सकतीं। यही कारण है कि लोकतंत्र की दुहाईं देने वाला अमेरिका हमेशा उन देशों से सौदेबाजी बड़ी आसानी से कर लेता है जहां पर लोकतंत्र नहीं है अर्थात सैन्य तानाशाही, राजशाही या कम्यूनिस्ट तानाशाही है। गैर लोकतांत्रिक सरकारें अमेरिका की सौदेबाजी के सामने झुक जाती हैं और अपनी जनता के हितों से समझौता करने के लिए विवश हो जाती हैं। लेकिन ट्रंप शासन के वक्त तो स्थिति और भी खराब हुईं है। पहले के राष्ट्रपति लोकतांत्रिक देशों की मजबूरियों को महसूस करते हुए खुद ही वुछ सहूलियतें देते थे जबकि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने ही मित्र देशों को झुकाने और निचोड़ने की अपनी ऐसी रणनीति अपना ली है जो अमेरिका दीर्घकालिक हित में नहीं है। ट्रंप के अमेरिका ने कनाडा जैसे पड़ोसी एवं परम्परागत मित्र देश को ही मजबूर नहीं किया कि वह अब अमेरिका को छोड़कर अन्य देशों के साथ अपने व्यापारिक संबंध बढ़ाए, बल्कि उसकी हां में हां मिलाने वाले ब्रिटेन और जापान को भी नहीं छोड़ा जिन्होंने प्रधानमंत्री कानी से पहले ही राष्ट्रपति ट्रंप की नीयत और नीति के कारण अमेरिका से उम्मीद छोड़कर व्यापारिक संबंधों को दूसरे देशों तक फैलाने का निर्णय ले लिया था। राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के साथ भी यही किया है। लोकतांत्रिक देश होने के कारण भारत अपनी व्यापारिक इकाइयों की उसके क्षमता के अनुरूप वगीकरण निश्चित रूप से करेगा। भारत यह जरूर चाहेगा कि उसके लघु उद्योगों को राहत मिले और उनको टैरिफ से मुक्त रखा जाए। इसी तरह वह मध्यम श्रेणी के उद्यमों पर टैरिफ का हल्का बोझ डालना चाहेगा। किन्तु अमेरिका तो 'सारा धान 22 पसेरी' के सिद्धांत के अनुसार सौदेबाजी करता है। वह जानता है कि जैसे ही लघु उद्योगों पर टैरिफ का बोझ बढ़ेगा, वह खत्म हो जाएंगे फिर अमेरिकी सामान की खपत अपने आप बढ़ जाएगी। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने दुनिया को मूर्ख समझने की ऐसी मूर्खता कर दी है कि एक-एक करके उसके सारे मित्र देश यह सोचकर अमेरिका से दूरी बनाते जा रहे हैं कि अब अगले राष्ट्रपति के चुने जाने तक वाशिंगटन डीसी से दूरी बनाकर रखने में ही भलाईं है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने तो तुरन्त टैरिफ बढ़ाने की आदत के अनुसार कनाडा के 28 अरब कनाडाईं डालर मूल्य के कनाडाईं सामान पर 50 प्रतिशत टैरिफ ठोंक दिया। प्रधानमंत्री मार्क कानी का भड़कना स्वाभाविक था, इसलिए उन्होंने भी ऐलान कर दिया कि कनाडा भी अमेरिकी सामान पर 'डॉलर फार डॉलर' आधार पर जवाब देगा। दरअसल यह भिड़ंत मात्र दो देशों के बीच नहीं है क्योंकि प्रधानमंत्री मार्क कानी ने इस बात का भी ऐलान किया कि अब कनाडा अपने व्यापारिक संबंधों को दूसरे देशों के साथ बढ़ाएगा। सच तो यह है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने जो कनाडा के साथ किया है, वही वे अपने सभी मित्र देशों के साथ करते हैं। कनाडा के साथ खटपट के एक दिन पहले ही उन्होंने ऐलान किया था कि अमेरिका का कनाडा के साथ टैरिफ को लेकर समझौता होने वाला है। वास्तविकता यह है कि राष्ट्रपति ट्रंप की टीम जब देखती है कि उसके सामने वाली टीम ने वुछ बिन्दुओं पर सहमति व्यक्त कर दी है तब वे सौदेबाजी को अपनी शतरे के अनुसार आगे बढ़ाने पर जोर देते हैं। इसके लिए अमेरिकी टीम अपनी शत्रे थोपती है। अमेरिकी शत्रे इतनी कठोर होती हैं कि कोईं भी लोकतांत्रिक देश मान ही नहीं सकता। अमेरिका यह जानते हुए भी कि लोकतांत्रिक देशों की सरकारें जनाकांक्षाओं की उपेक्षा करके सत्ता में रह ही नहीं सकतीं। यही कारण है कि लोकतंत्र की दुहाईं देने वाला अमेरिका हमेशा उन देशों से सौदेबाजी बड़ी आसानी से कर लेता है जहां पर लोकतंत्र नहीं है अर्थात सैन्य तानाशाही, राजशाही या कम्यूनिस्ट तानाशाही है।

कुछ अलग

समुद्र मंथन की पीड़ा से प्रयाग में विश्राम तक

प्रयागराज का नाम और मान मां गंगा, यमुना और अगोचर सरस्वती के पावन त्रिवेणी संगम के कारण विख्यात है। मान्यता है कि इस पावन संगम में डुबकी लगाने का पुण्य लाभ तब तक अर्जित नहीं होता, जब तक श्रद्धालु स्नान, दान और पूजन के बाद गंगा तट पर अवस्थित कुछ प्रमुख मंदिरों में स्थापित देवी-देवताओं के दर्शन-पूजन न कर लें। इन प्रमुख मंदिरों में नाग वासुकी देवता का दर्शन और पूजन भी शामिल है। हिन्दू पौराणिक कथाओं में नाग वासुकी को एक महत्वपूर्ण नाग माना गया है। वे महर्षि कश्यप के पुत्र, शेषनाग के भाई और नागों के राजा कहे जाते हैं। उनका प्राचीन मंदिर गंगा तट पर दारागंज में स्थित है। नाग वासुकी भगवान शिव के परम भक्त हैं और वे सदैव आभूषण की तरह भगवान शिव के गले में लिपटे रहते हैं। इस मंदिर के पौराणिक महत्व को देखते हुए इसे प्रयाग परिक्रमा में शामिल किया गया है। प्राचीन हिन्दू धर्म ग्रंथों—स्कंद पुराण, पद्म पुराण, भागवत पुराण और महाभारत जैसे कालजयी ग्रंथों—में नाग वासुकी का उल्लेख मिलता है। उन्होंने समुद्र मंथन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। तीर्थराज प्रयाग में नाग वासुकी के निवास को लेकर कई धार्मिक कथाएं प्रचलित हैं, जिनमें सबसे चर्चित कथा समुद्र मंथन से जुड़ी है। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय देवताओं और दानवों ने नाग वासुकी को ही मंदराचल पर्वत में रस्सी की तरह लपेटकर मंथन किया था। कई दिनों तक चले इस मंथन में घर्षण के कारण नाग वासुकी का पूरा शरीर लहूलुहान हो गया। भगवान विष्णु ने नाग वासुकी को प्रयागराज में त्रिवेणी तट पर विश्राम करने को कहा। त्रिवेणी के जल से नाग वासुकी का शरीर स्वस्थ हो गया।

दृष्टि कोण

पत्नी के तानें ने तुलसी को राम भत्त बनाया

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि भत्तिकाल के अन्य संतों की भांति तुलसी दास ने राम चरित मानस के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के आदर्श जीवन का चित्रण करके पूरे हिदू समाज को जागृत करने और एकत्रित करने का प्रयास किया। बसंत वुमार आज के युग में पति पत्नी के रिश्ते कमजोर हो गए हैं कि आजकल छोटी छोटी बातों पर जान लेने या तलाक लेने की नौबत आ जाती है पर भत्ति काल में पति को उलाहना किस प्रकार प्यार में आशत्त पति को राम चरित मानस जैसे महाकाव्य का रचयिता ही नहीं बल्कि भगवान राम को जन जन तक पहुंचाने वाला महापुरुष बना दिया। पत्नी के मायके चले जाने के बाद पत्नी से मिलने की आशत्ति के कारण पत्नी से मिलने के लिए बरसात में उफनती हुईं यमुना नदी को पार कर जब पत्नी के पास पहुंचे तो पत्नी रत्ना वली ने कहा - लाज न आवत आप को दौरे आयहु साथ, धिक धिक ऐसे प्रेम का कहा करूं मैं नाथ। अस्ति चर्म मम देह मय तामै ऐसी प्रीति ऐसी तो श्रीराम मह होत न तव भयभीत अर्थात हाड़ मांस के प्रति इतनी आ शत्ति के अलावा इतनी प्रीति प्रभु राम से होती तो जीवन रूपी भवसागर को पर करने में आपको कोईं भय नहीं लगता। अपनी पत्नी की इस फटकार से दुखी होकर तुलसी उसी समय घर से निकल गए और चित्रवूट नामक स्थान पर एक वुटिया बना कर रहने लगे, जिसके बाद तुलसी दास को प्रभु राम और हनुमान का साक्षात्कार हुआ और भत्तिभाव में लीन तुलसी दास ने मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जीवन को दर्शाती रामायण जिसकी रचना महर्षि वाल्मीकि ने देववाणी कही जाने वाली संस्वृत में की थी, को लोक भाषा अवधि में लिखा और आम जन तक पहुंचाने का कार्यं किया। एक वृति राम चरित मानस कहलाईं और आज हर हिदू के घर में श्रद्धापूर्वक मिलती है। इसके अतिरित्त संकट मोचन हनुमान चालीसा और अन्य ग्रंथों की रचना की। सबसे बड़ी बात यह थी कि देव भाषा संस्वृत के विद्वान होते हुए गोस्वामी तुलसी दास ने आम जन मानस की भाषण अवधि में लिखा। गोस्वामी तुलसी दास का सबसे बड़ा ऐतिहासिक ग्रंथ राम चरित मानस उन्होंने इसे ईंश्वरीय भाषा के बजाय क्षेत्रीय भाषा अवधी में लिखा जो एक वर्ग विशेष के बीच लोकप्रिय होने के बजाय आम जन मानस में लोक प्रिय हुआ और इसके आधार पर भारत के अलावा मॉरीशस सूरीनाम बारबाडोस आदि देशों में भगवान राम की जीवन संबंधित लीला का मंचन किया जाने लगा। इससे काशी के रद्द वादी समाज के लोगो ने इसका विरोध शुरू कर दिया कि देव वाणी संस्वृत के बिना धर्म की रक्षा असंभव है। परंतु गोस्वामी तुलसी दास ने राम चरित मानस के माध्यम से वेदों उप निषदों और पुराणों के गूढ़ ज्ञान को दोहों और चौपाइयों में डालकर आम और खास के लिए सुलभ बना दिया। परिणाम यह हुआ कि जो राम अब तक केवल मंदिरों और शास्त्रों में बंद थे वे हर झोपड़ी और हर चौपाल का हिस्सा बन गए। गोस्वामी तुलसी दास की रचनाओं को पढ़ने के बाद लोग उन्हें भ्रम वश लोकनायक कहते हैं क्योंकि उनकी रचना अवधी में है जो भगवान राम की जन्म भूमि अयोध्या और उसके आस पास बोली व सुनी जाती है, इसी कारण लोगो द्वारा उनके शास्त्रीय योग्यताओं को नजर अंदाज किया जाता रहा। परंतु साहित्यिक और ऐतिहासिक तथ्य यह स्पष्ट कर देते है कि गोस्वामी तुलसी दास संस्वृत व्याकरण वेदांत और उपनिषद के परम ज्ञाता थे राम चरित मानस की शुरुआत ही उन्होंने वरणग गर्थ साधना रसाना छंद सामापि जैसे बेहद क्लिष्ट और सुंदर श्लोकों से की है। जो उनके भाषाईं वैदुष्य का प्रत्यक्ष प्रमाण है। इसके अतिरित्त परंपरा के अनुसार भगवान शिव की स्तुति में रखा गया परम विख्यात नमामि शमीशाम निर्माणरूप (श्री रूद्राष्टम) मूलतः गौस्वामी तुलसीदास जीकी रचना है। यद्दापि वुछ विद्वान रुद्राष्टकम को तुलसी दास की रचना स्वीकार नहीं करते पर अनेक साहित्यक शोधों के अनुसार गोस्वामी तुलसी दास ने संकट मोचन हनुमान और कईं विशिष्ट श्लोकों की रचना की।

मयंक भारतीय टीम के अनुभव साझा कर जूनियर खिलाड़ियों को करते हैं प्रेरित – सिमरजीत

नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने आउटर दिल्ली वारियर्स को सात विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी धमाकेदार वापसी दर्ज की है। इस महत्वपूर्ण मुकाबले में पहले गेंदबाजों ने विपक्षी टीम को छोटे स्कोर पर समेटने में कामयाबी पाई, जिसके बाद बल्लेबाजों ने संयम और सूझबूझ का परिचय देते हुए लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। जीत के बाद टीम के कप्तान सिमरजीत सिंह ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स की रणनीति और बदली हुई मानसिकता पर विस्तार से बात की।

उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट की धीमी शुरुआत के बावजूद, टीम ने अब मजबूत मानसिकता के साथ वापसी का फैसला किया है। खिलाड़ियों ने हर मुकाबले को अनावश्यक दबाव में लेने के बजाय अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया है। सिमरजीत के अनुसार, टीम का मुख्य उद्देश्य कोचिंग स्टाफ, प्रबंधन और प्रशंसकों को अपनी वास्तविक क्षमता दिखाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि टीम अन्य टीमों की प्लेआफ संभावनाओं के बारे में नहीं सोच रही, बल्कि उनका पूरा ध्यान अपने प्रदर्शन में सुधार करने और आगामी घरेलू व राज्य स्तरीय क्रिकेट के लिए बेहतर तैयारी करने पर है।

खिलाड़ियों का प्रयास है कि पहले हुई गलतियों से सबक सीखकर उन्हें भविष्य में न दोहराया जाए और टूर्नामेंट का समापन बेहतरीन प्रदर्शन के साथ किया जाए।

कप्तान सिमरजीत ने तेज गेंदबाज मयंक यादव की भी जमकर सराहना की, जिन्होंने मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह टीम के लिए अमूल्य योगदान दिया। सिमरजीत ने बताया कि मयंक भारतीय टीम के साथ अपने अनुभव और दिलचस्प किस्से साथी खिलाड़ियों, खासकर युवा और जूनियर खिलाड़ियों के साथ साझा करते हैं, जिससे उन्हें बहुत प्रेरणा मिलती है। उनके अनुसार, मयंक दिल्ली क्रिकेट से गहराई से जुड़े हुए हैं और टीम के साथ एक सहज और सकारात्मक माहौल बनाए रखते हैं, जो खिलाड़ियों को खुलकर प्रदर्शन करने में मदद करता है। सिमरजीत ने अपनी और मयंक की गेंदबाजी साझेदारी के बारे में बताते हुए कहा कि दबाव वाले मुकाबलों में वे दोनों लगातार आपस में बातचीत करते हैं। वे मैच की स्थिति के अनुसार अपनी गेंदबाजी रणनीति तय करते हैं, इस बात पर चर्चा करते हैं कि किस समय किस गेंदबाज को आक्रमण करना चाहिए और टीम के लिए कौन सा विकल्प सबसे प्रभावी रहेगा। इस बेहतरीन तालमेल से विपक्षी बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखने में मदद मिलती है।

न्यूज ब्रीफ

एफआईएच हाकी विश्वकप के दूसरे दौर में नीदरलैंड्स ने भारतीय टीम को 3-1 से हराया, सेमीफाइनल की राह हुई कठिन

एम्सटलवीन। भारतीय पुरुष हाकी टीम को एफआईएच हाकी विश्वकप के दूसरे दौर में नीदरलैंड्स ने 3–1 से हरा दिया। ओलंपिक विजेता के खिलाफ हुए मैच में भारतीय टीम ने काफी प्रयास किया पर वह जीत हासिल करने में विफल रही। इस हार के साथ भारतीय टीम के लिए टूर्नामेंट में आगे जान बेहद कठिन हो गया है। भारतीय टीम ने इस मैच में अच्छी शुरुआत की पर वह डच टीम के सामने टिक नहीं पायी। मैच के पहले और दूसरे क्वार्टर में भारतीय रक्षापंक्त ने डच आक्रमक को विफल करने में सफलता हासिल की पर इसके बाद वह इसे बरकरार नहीं रख पायी। मध्यांतर तक स्कोर 0–0 की बराबरी पर था पर इसके बादा नीदरलैंड्स के खिलाड़ी गोल करने में सफल रहे। हाफटाइम के बाद, नीदरलैंड्स ने अपनी गति और बढ़ा दी। भारतीय टीम ने भी शुरुआत में कुछ हमले किये पर वह उन्हें गोल में नहीं बदल पायी। मैच के 41वें मिनट में डच टीम ने एक गोल कर स्कोर 1–0 से आगे कर दिया। नीदरलैंड्स के खिलाड़ी डुको टेलजेनकम्प ने भारतीय रक्षापंक्ति की कमी का लाभ उठाते हुए एक शानदार फील्ड गोल कर अपनी टीम को 1–0 की बड़ी बढ़त दिलाई। इस मैच का अंतिम और चौथा क्वार्टर बेहद रोमांचक और नाटकीय रहा। 1–0 से पिछड़ने के बाद, भारतीय टीम ने बराबरी के प्रयास शुरु कर दिये। डच टीम ने इसी बीच एक गोल दाग दिया। इससे स्कोर 2–0 हो गया और भारत की मुश्किलें बढ़ गईं। वहीं भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 52वें मिनट में एक गोल कर स्कोर 2–1 पर पहुंच दिया।

दूसरे टेस्ट में आस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को पारी और 51 रन से हराया, सीरीज 1-1 से बराबर

मैके (आस्ट्रेलिया)। मिचेल स्टार्क की घातक गेंदबाजी के दम पर आस्ट्रेलिया ने मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरीना में खेले गए दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश को पारी और 51 रन से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ आस्ट्रेलिया ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1–1 से बराबर कर ली। बांग्लादेश ने पहला टेस्ट नौ विकेट से जीता था, लेकिन दूसरे मुकाबले में आस्ट्रेलिया ने पूरी तरह दबदबा बनाए रखा। मिचेल स्टार्क आस्ट्रेलिया की जीत के सबसे बड़े नायक रहे। उन्होंने दूसरे मैच में कुल 10 विकेट चटकाए और उन्हें प्लेयर आफ द मैच चुना गया। स्टार्क को सीरीज में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द सीरीज का पुरस्कार भी मिला। उन्होंने दो मैचों में कुल 12 विकेट अपने नाम किए। दूसरे टेस्ट का फैसला महज दो दिन में हो गया। दूसरे दिन आस्ट्रेलिया ने आठ विकेट पर 165 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई और 210 रन पर आलआउट हो गई। इस तरह उसे पहली पारी में बांग्लादेश के खिलाफ 146 रन की महत्वपूर्ण बढ़त मिली। आस्ट्रेलिया की ओर से कैमरन ग्रीन ने 105 गेंदों में सर्वाधिक 67 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 42, नाथन लियोन 32 और ट्रेविस हेड ने 22 रन का योगदान दिया।

साउथ दिल्ली पर जीत के बाद शिवी शर्मा बोलीं- हर मुकाबले में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना लक्ष्य

नई दिल्ली। महिला दिल्ली प्रीमियर लीग–2026 (डीपीएल) में दूसरे मैच में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के खिलाफ नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की जीत में अहम भूमिका निभाने वाली सलामी बल्लेबाज शिवी शर्मा ने कहा कि जब भी वह मैदान पर उतरती हैं, तो एक समय में एक मैच पर ध्यान देती हैं। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट में अभी कई मैच बाकी हैं और उनका लक्ष्य हर मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने महिला डीपीएल –2026 में लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को 10 रन से हरा दिया। नार्थ दिल्ली की जीत में शिवी शर्मा ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 54 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से नाबाद 71 रन की शानदार पारी खेली। अपनी बल्लेबाजी को लेकर शिवी ने कहा कि इस मैच की पारी और पिछले मैच की पारी में ज्यादा अंतर नहीं था। पिछले मैच में हम लक्ष्य का पीछा कर रहे थे, इसलिए मैंने गेंद की मेरिट के हिसाब से खेला। हमें लक्ष्य निर्धारित करना था, इसलिए हम जितने ज्यादा रन बना सकते थे, टीम के लिए उतना ही बेहतर था। मैं सिर्फ परिस्थितियों के अनुसार खेलना चाहती थी। पिच के बारे में शिवि ने कहा, विकेट काफी अच्छे हैं और निश्चित रूप से बल्लेबाजों की मदद करते हैं। चाहे हम लक्ष्य का पीछा कर रहे हों या लक्ष्य निर्धारित कर रहे हों, अगर मैं गेंद की मेरिट के हिसाब से खेलती हूं।

पडिक्कल के शतक से भारत का मजबूत शिकंजा, पहले दिन ही श्रीलंका बेहाल

भारत ने पहले दिन 5 विकेट पर 300 रन बनाए, पडिक्कल का शानदार शतक; गिल ने पूरे किए 3 हजार टेस्ट रन

जायसवाल और फर्नांडो में तीखी झड़प, पंत चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट; जडेजा दिन के अंतिम ओवर में हुए बोल्ड

कोलंबो, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो के ऐतिहासिक सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच का पहला दिन पूरी तरह भारतीय बल्लेबाजों के नाम रहा। सीरीज में 1–0 से आगे चल रही भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने 85 ओवर में 5 विकेट खोकर 300 रन बना लिए हैं। भारत की मजबूत स्थिति के मुख्य नायक देवदत्त पडिक्कल रहे, जिन्होंने 193 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 117 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। कप्तान शुभमन गिल ने भी मोर्चे से अगुवाई करते हुए 108 गेंदों में 50 रन बनाए और पडिक्कल के साथ तीसरे विकेट के लिए 120 रनों की बहुमूल्य शतकीय साझेदारी कर टीम को बड़े स्कोर की ओर अग्रसर किया।

सलामी जोड़ी का तेज आगाज, पंत की चोट से लगा झटका

मैच की शुरुआत में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने आक्रामक अंदाज दिखाया। उन्होंने 53 गेंदों में 9 चौकों की मदद से 45 रन बनाए। हालांकि, केएल राहुल ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक सके और टीम इंडिया को 37 रन के स्कोर पर पहला झटका लगा। इसके बाद 66 रन के स्कोर पर जायसवाल भी पवेलियन लौट गए। फिर देवदत्त पडिक्कल और शुभमन गिल ने पारी को संभाला। दिन का सबसे खराब पल उस समय आया, जब स्टार विकेटकीपर ऋषभ पंत 3 रन बनाकर खेल रहे थे और श्रीलंकाई तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा की एक शॉर्ट गेंद उनके बाएं हाथ की कलाई पर जा लगी। दर्द और सूजन के कारण उन्हें रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर जाना पड़ा। ऋषभ पंत की चोट को लेकर फिलहाल विस्तृत चिकित्सकीय जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन प्रशंसकों को उनके जल्द मैदान पर लौटने की उम्मीद है।

पडिक्कल का शतक, गिल के साथ शानदार साझेदारी

देवदत्त पडिक्कल ने बेहद संयम और आक्रामकता के बेहतरीन मिश्रण के साथ बल्लेबाजी की। उन्होंने 193 गेंदों में 117 रन बनाकर अपना शानदार शतक पूरा किया। पडिक्कल और शुभमन गिल के बीच तीसरे विकेट के लिए 120 रनों की शतकीय साझेदारी हुई। 2019 के बाद से भारत के लिए नंबर तीन और नंबर चार के बल्लेबाजों के बीच यह केवल तीसरी शतकीय साझेदारी है। इससे पहले 2024 में विराट कोहली और सरफराज खान, जबकि 2022 में चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे ने तीसरे और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए शतकीय साझेदारी की थी।

जडेजा का उपयोगी योगदान, आखिरी ओवर में बोल्ड

पंत के मैदान छोड़ने के बाद क्रीज पर आए अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने संभलकर बल्लेबाजी की। उन्होंने 83 गेंदों में 43 रन बनाए और टीम के स्कोर को 300 रन के करीब पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। हालांकि, दिन के खेल के आखिरी ओवर में जडेजा क्लीन बोल्ड हो गए। 85वें ओवर में असिथा फर्नांडो की पहली गेंद को जडेजा ने छोड़ दिया। उन्हें लगा कि गेंद सीधी निकल जाएगी, लेकिन गेंद अंदर की ओर आई और उनके ऑफ–स्टंप से जा टकराई। जडेजा ने 43 रन बनाए। इसके बाद पदार्पण कर रहे सारांश जैन ने पांच गेंदों का सामना किया।

पहले दिन का खेल खत्म होने पर ध्रुव जुरेल 7 रन और सारांश जैन 4 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे।

श्रीलंकाई गेंदबाजों में फर्नांडो सबसे सफल

श्रीलंकाई गेंदबाजों में तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो सबसे सफल रहे। उन्होंने 16 ओवर में 46 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। उनके शिकार यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और रवींद्र जडेजा रहे। लाहिरू कुमारा और केशरा नुवांथा को 1–1 सफलता मिली। वहीं, श्रीलंका के मुख्य स्पिन गेंदबाज प्रभात जयसूर्या पहले दिन कोई विकेट हासिल नहीं कर सके।

जायसवाल और फर्नांडो में तीखी झड़प, सिर से टकराया हेलमेट

पहले दिन असिथा फर्नांडो और यशस्वी जायसवाल के बीच हुई तीखी बहस भी चर्चा का विषय रही। 17वें ओवर में जायसवाल ने तीन चौके लगाए, लेकिन ओवर की आखिरी गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद फर्नांडो ने उनसे कुछ कहा। पवेलियन लौट रहे जायसवाल पलटकर फर्नांडो के पास आए।

दोनों के बीच तीखी बहस हुई। इसी दौरान जायसवाल ने अपना हेलमेट फर्नांडो के सिर से टकरा दिया। मामला बढ़ता देख श्रीलंकाई कप्तान धनंजय डि–सिल्वा ने बीच–बचाव किया और दोनों खिलाड़ियों को अलग किया।

जायसवाल पर क्या कार्रवाई हो सकती है?

क्रिकेट में अपराध तय करने के लिए चार स्तर निर्धारित हैं। मैच रेफरी यह तय करेंगे कि जायसवाल की घटना किस स्तर के अपराध के अंतर्गत आती है। संभावना है कि जायसवाल को स्तर–1 से स्तर–3 तक के अपराध का दोषी माना जा सकता है। मामले में मैच अधिकारियों की रिपोर्ट और घटना की समीक्षा के बाद अंतिम फैसला लिया जाएगा।

पंत हाथ पर गेंद लगने के बाद रिटायर्ड हर्ट

58वें ओवर में श्रीलंकाई तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा की बाउंसर ऋषभ पंत की कलाई पर लगी। इसके बाद पंत दर्द में दिखाई दिए। फिजियो मैदान पर पहुंचे और उनकी कलाई पर बर्फ लगाई, लेकिन दर्द कम नहीं हुआ। इसके बाद पंत 3 रन के स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए।

आईपीएल खेले बिना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले तीसरे भारतीय बने सारांश

सारांश जैन आईपीएल खेले बिना भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले मुरली विजय ने 2008 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट और मोहम्मद शमी ने 2013 में पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था।

गिल ने कपिल देव को पीछे छोड़ा

शुभमन गिल ने 26 वर्ष 349 दिन की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में अपने 3 हजार रन पूरे किए। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने कपिल देव को पीछे छोड़ दिया। कपिल देव ने 26 वर्ष 356 दिन की उम्र में 3 हजार टेस्ट रन पूरे किए थे। सबसे कम उम्र में 3 हजार टेस्ट रन पूरे करने वाले भारतीयों में सचिन तेंदुलकर पहले स्थान पर हैं। उन्होंने 23 वर्ष 228 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

भारत की स्थिति मजबूत

पहले दिन के खेल के बाद भारतीय टीम की स्थिति बेहद मजबूत नजर आ रही है। पडिक्कल के शानदार शतक, गिल की अर्धशतकीय पारी और दोनों के बीच हुई 120 रनों की साझेदारी ने भारत को मजबूत आधार दिया। हालांकि, पंत की चोट और जडेजा के दिन के अंतिम ओवर में आउट होने से भारतीय टीम को कुछ झटके जरूर लगे हैं। अब दूसरे दिन ध्रुव जुरेल और पदार्पण कर रहे सारांश जैन की नजरें भारत के स्कोर को और बड़ा करने पर होंगी।

बीजिंग में ह्यूमेनायड रॉबोट गेम्स के उद्घाटन

चीन की राजधानी बीजिंग में ह्यूमेनायड रॉबोट गेम्स के उद्घाटन समारोह में परेड करते हुए ह्यूमेनायड रॉबोट।

पुर्तगाल के युवा फुटबालर क्वेविन कास्त्रो की मैच के दौरान हुई मौत

लिस्बन

पुर्तगाल में एक मैच के दौरान ही फुटबालर की मौत का मामला सामने आया है। इससे खेल जगत सदमें में है। एक रिपोर्ट के अनुसार मिडफील्डर क्वेविन कास्त्रो एक मैत्री मैच के दौरान ही मैदान पर गिर गये। ये दर्दनाक घटना लिस्बन के मालवीरा स्थित एस्टादियो डास सेइक्सास स्टेडियम में हुई, जहां कास्त्रो अपनी वर्तमान टीम रियल स्पोर्ट्स क्लब की ओर से एस्त्रेला डी अमाडोरा के खिलाफ एक सत्र–पूर्व मैच खेल रहे थे।

लिस्बन फुटबाल एसोसिएशन और क्वेविन के क्लब रियल स्पोर्ट्स ने कहा कि सब कुछ ठीक चल रहा था तभी क्वेविन अचानक ही लड़खड़ाकर गिर पड़े। वहां मौजूद चिकित्सा दल ने तुरंत उन्हें सहायता प्रदान करने का प्रयास किया, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। उनकी असामयिक और अप्रत्याशित मृत्यु ने स्टेडियम में मौजूद सभी लोगों, साथी खिलाड़ियों, प्रशंसकों और खेल अधिकारियों को सदमें में डाल दिया है। पुर्तगाल के खेल प्रेमियों के लिए यह करार झटका है, क्योंकि एक उभरता हुआ सितारा दुनिया से विदा हो गया।

रियल स्पोर्ट क्लब ने इस घटना पर अपना दुख व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा किया। क्लब ने लिखा, कास्त्रो सिर्फ एक खिलाड़ी से कहीं बढ़कर थे। वह हमारे परिवार का एक अभिन्न हिस्सा थे और उन्होंने मैदान के अंदर और बाहर, उन सभी लोगों के दिलों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी, जिन्हें उन्हें जानने का सौभाग्य मिला। उनकी ऊर्जा, समर्पण और मुस्कान हमेशा हमारे साथ रहेगी। इस दुख की घड़ी में, हम उनके परिवार, दोस्तों और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। यह भावुक संदेश वैश्विक फुटबाल समुदाय में शोक की लहर दौड़ा गया है। वहीं इंग्लैंड के उनके पूर्व क्लब वेस्ट ब्रोमविच एल्बियन ने भी कास्त्रो के असामयिक निधन पर गहरा दुख और संवेदना व्यक्त की। कास्त्रो का निधन सिर्फ उनके क्लब या देश के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे वैश्विक फुटबाल समुदाय के लिए एक बड़ी क्षति है। वह एक युवा, प्रतिभाशाली और समर्पित खिलाड़ी थे जिनके सामने पूरा करियर पड़ा था। उनकी अप्रत्याशित विदाई ने एक बार फिर खेल के दौरान खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया है।

डुरंड कप फाइनल में ईस्ट बंगाल और मोहन बागान का हाई वोल्टेज मुकाबला, राजनाथ सिंह और शुभेंदु अधिकारी रहेंगे मौजूद

कोलकाता

डुरंड कप के फाइनल मुकाबले को लेकर कोलकाता के युवभारती क्रीड़ांगन में रोमांच चरम पर होगा। फाइनल में कोलकाता की दो परंपरागत प्रतिद्वंदी टीम ईस्ट बंगाल और मोहन बागान आमने–सामने होंगी। ऐतिहासिक डुरंड कप के साथ यह मुकाबला कोलकाता डर्बी होने के कारण और भी खास हो गया है।

मैदान के अंदर खिलाड़ियों के बीच मुकाबला होगा, तो वहीं गैलरी में भी हाई प्रोफाइल मेहमानों की मौजूदगी मैच की चमक बढ़ाएगी।

तय कार्यक्रम के मुताबिक केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी फाइनल मुकाबला देखने युवभारती क्रीड़ांगन पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री के शाम करीब 5 बजे स्टेडियम पहुंचने की बात है, जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कुछ देर बाद मैदान में पहुंच सकते हैं।

इसके अलावा कई वरिष्ठ मंत्री और सेना के अधिकारी भी मैच के दौरान मौजूद रहेंगे। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद यह दूसरा बड़ा डर्बी मुकाबला है।

अगर टीम संयोजन और खिलाड़ियों की बात करें तो मोहन बागान की टीम ईस्ट बंगाल से मजबूत नजर आती है। घरेलू खिलाड़ियों के साथ–साथ विदेशी खिलाड़ियों के मामले में भी मोहन बागान के पास बेहतर विकल्प हैं। मैकलारेन, अल्बर्टो और मिगुएल जैसे विदेशी खिलाड़ियों के अलावा टीम के पास भारतीय राष्ट्रीय टीम के कई खिलाड़ी भी हैं।

हालांकि ईस्ट बंगाल को अपने कोच एंटोनियो हाबास पर पूरा भरोसा है। हाबास को हाल के वर्षों में भारतीय फुटबाल के सबसे सफल कोचों में गिना जाता है। उनकी मजबूत रक्षात्मक रणनीति ईस्ट बंगाल के लिए फाइनल में बड़ा हथियार साबित हो सकती है।

सेमीफाइनल में दिल्ली के खिलाफ ईस्ट बंगाल की रक्षापंक्ति से कुछ गलतियां हुई थीं, लेकिन फाइनल में संदीप मंडी और जय गुप्ता जैसे खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। ईस्ट बंगाल के लिए सबसे बड़ी चिंता स्ट्राइकर पोजीशन को लेकर है। हाबास के सामने यह सवाल होगा कि निर्णायक मुकाबले में किस खिलाड़ी पर भरोसा किया जाए।

दूसरी ओर मोहन बागान के कोच ने सेमीफाइनल में मैकलारेन और मिगुएल को थोड़े समय के लिए मैदान पर उतारकर उन्हें फाइनल के लिए मैच अभ्यास भी दिलाया है। वहीं ईस्ट बंगाल के विदेशी विकल्पों में रशिद प्रमुख नाम हैं, जबकि रैमिरेज और इकोनोमिडिस अभी अपनी सर्वश्रेष्ठ फार्म में नहीं दिखे हैं।

ऐसे में माना जा रहा है कि मोहन बागान भले ही मजबूत नजर आ रहा हो, लेकिन फाइनल जैसे मुकाबले में अनुभव और रणनीति भी निर्णायक भूमिका निभाती है। ईस्ट बंगाल के प्रशंसकों को उम्मीद होगी कि एंटोनियो हाबास की रणनीति उनकी टीम को डुरंड कप की ट्राफी तक पहुंचाएगी।

श्रावणी वेद प्रचार सप्ताह के तृतीय दिवस पर वेद प्रचार एवं यज्ञ का आयोजन

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आर्य समाज सुल्तान बाजार में आयोजित श्रावणी वेद प्रचार सप्ताह के तृतीय एवं रविवार दिवस पर प्रातःकाल और सायंकाल यजुर्वेद पारायण महायज्ञ श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ। यज्ञ का ब्रह्मत्व यज्ञमाता निर्मला योग भारती ने किया। डॉ. मैत्रेयी शास्त्री, श्रीमती स्फूर्ति एवं आचार्य मिथिलेश ने ऋत्विक के रूप में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ संपन्न कराया।

इस अवसर पर आचार्य डॉ. जयेंद्र कुमार ने अपने वेदोपदेश में यज्ञ के महत्व, वैदिक जीवन-पद्धति तथा परमात्मा के पवित्र नाम ङ्गओ3म्फ के आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वेद मनुष्य को सत्य, सदाचार, यज्ञ एवं ईश्वर-उपासना के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं।

उन्होंने कहा कि वैदिक जीवन-पद्धति केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मनुष्य को अनुशासन, सदाचार, आत्मसंयम और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की प्रेरणा देती है।

प्रातःकाल एवं सायंकाल दोनों सत्रों में वेदोपदेश तथा यज्ञ के महत्व पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में पंडित भूपेंद्र आर्य ने अपनी मधुर वाणी में प्रेरणादायी वैदिक भजन एवं गीत प्रस्तुत किए। उनके साथ मेरठ से पधारे तबला वादक कृष्ण पाल आर्य ने तबले की संगति कर कार्यक्रम को और अधिक भावपूर्ण बना दिया।

श्रावणी वेद प्रचार सप्ताह के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उपस्थित लोगों ने वैदिक संस्कृति, यज्ञ एवं वेदों के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज में वैदिक मूल्यों को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम श्रद्धा, आध्यात्मिकता एवं वैदिक वातावरण के बीच संपन्न हुआ।

नंदुरबार में नाबालिगों और युवाओं के यौन शोषण का गंभीर मामला

नंदुरबार, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महाराष्ट्र के नंदुरबार के रायसिंगपुरा इलाके में नाबालिगों और युवाओं के कथित यौन शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में 22 वर्षीय चेतन प्रकाश कोळी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर वर्ष 2022 से अगस्त 2026 के बीच कई लोगों का यौन शोषण करने, आपत्तिजनक सामग्री के जरिए उन्हें धमकाने और ब्लैकमेल करने के आरोप हैं। पुलिस द्वारा आरोपी का मोबाइल फोन जब्त कर फोरेंसिक जांच कराए जाने के बाद उसमें 692 वीडियो क्लिप और 1,000 से अधिक आपत्तिजनक तस्वीरें मिलने का दावा किया गया है। पुलिस अब इन डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इनमें कितने पीड़ितों से संबंधित सामग्री है।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, 51 से अधिक बच्चों और युवाओं के इस मामले से प्रभावित होने की आशंका है। इनमें बड़ी संख्या में नाबालिगों के होने की बात सामने आई है। पुलिस मामले से जुड़े सभी संभावित पीड़ितों की पहचान और उनके बयान दर्ज करने की प्रक्रिया में जुटी है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी कथित तौर पर पीड़ितों को पैसों का लालच देता था। इसके बाद आपत्तिजनक तस्वीरों और वीडियो को सार्वजनिक करने की धमकी देकर उन्हें ब्लैकमेल करने का आरोप है।

पीड़ितों की ओर से लगातार शिकायतें सामने आने के बाद नंदुरबार शहर पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ कई गंभीर मामले दर्ज किए गए। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि आरोपी ने कथित तौर पर कितने लोगों को अपने जाल में फंसाया और डिजिटल सामग्री का इस्तेमाल किस तरह किया।

आरोपी के खिलाफ नंदुरबार शहर पुलिस थाने में पॉक्सो अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता और किशोर न्याय अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। अदालत ने आरोपी को पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

पुलिस डिजिटल उपकरणों की फोरेंसिक जांच के साथ-साथ पीड़ितों और उनके परिजनों के बयान भी दर्ज कर रही है। जांच के दौरान सामने आने वाले साक्ष्यों के आधार पर मामले में आगे और धाराएं जोड़ी जा सकती हैं।

पूरे मामले की जांच नंदुरबार की पुलिस अधीक्षक अश्विनी सानप के मार्गदर्शन में गठित विशेष जांच दल द्वारा की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जांच को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है।

जांच एजेंसियां डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के संपर्क में रहे लोगों और संभावित पीड़ितों की जानकारी जुटा रही हैं। पुलिस का प्रयास है कि मामले से जुड़े सभी तथ्यों को सामने लाकर आरोपों की पूरी कड़ी का पता लगाया जाए।

महारुद्र शक्तिपीठ की महत्वपूर्ण बैठक हरिशंकर गुप्ता के सान्निध्य में संपन्न

जयपुर, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महारुद्र शक्तिपीठ की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार शाम राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष हरिशंकर गुप्ता के सान्निध्य में आयोजित की गई। बैठक में अभिमन्यु पाराशर, राजेश कुमार गुप्ता, मनीष सोनी, राजेश कुमार सोनी, गोपाल भाई, शरद दाधीच, संदीप भार्गव सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान महारुद्र शक्तिपीठ से जुड़े आगामी कार्यों, संगठनात्मक गतिविधियों तथा भविष्य की कार्ययोजना को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। सदस्यों ने शक्तिपीठ की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा समाज के अधिक से अधिक लोगों तक इसके उद्देश्यों को पहुंचाने को लेकर अपने विचार साझा किए।

बैठक में सभी सदस्यों ने आपसी समन्वय, सहयोग एवं एकजुटता के साथ महारुद्र शक्तिपीठ के कार्यों को नई गति देने पर जोर दिया। साथ ही आगामी कार्यक्रमों और सामाजिक गतिविधियों को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए सामूहिक प्रयास करने पर सहमति व्यक्त की गई।

बैठक सकारात्मक एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। उपस्थित सदस्यों ने महारुद्र शक्तिपीठ के उद्देश्यों और गतिविधियों को समाज तक प्रभावी रूप से पहुंचाने तथा आगामी कार्यों को सफल बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

राधे-राधे ग्रुप की 365 दिन की निस्वार्थ सेवा मानवता के लिए मिसाल : संजय गोयल

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास रविवार को जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और मानवता की भावना के साथ किया गया। राधे-राधे ग्रुप द्वारा लंबे समय से नियमित रूप से किए जा रहे इस सेवा अभियान के माध्यम से जरूरतमंद एवं असहाय लोगों तक भोजन पहुंचाने का कार्य निरंतर जारी है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रुप के सदस्यों ने सहभागिता करते हुए सेवा कार्य में अपना योगदान दिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए संजय गोयल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप जिस प्रकार की निस्वार्थ सेवा भावना के साथ कार्य कर रहा है, वह वास्तव में पूरे समाज के लिए प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में शायद ही कोई संस्था या समूह वर्ष के 365 दिन लगातार इतनी निष्ठा, समर्पण और सेवा भावना के साथ जरूरतमंदों के लिए अन्नदान का कार्य कर रहा हो।

संजय गोयल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां सेवा किसी स्वार्थ या दिखावे के लिए नहीं, बल्कि पूरी तरह से मानवता की भावना से की जा रही है। वर्षभर नियमित रूप से अन्नदान करना अपने आप में बहुत बड़ी साधना है। उन्होंने कहा कि जब मन में सेवा का भाव हो और ईश्वर की कृपा बनी रहे तो कठिन से कठिन कार्य भी सहजता से आगे बढ़ता है।उन्होंने भावुक होकर कहा कि यह राधे-राधे की ही कृपा है कि हम सभी से यह सेवा करवा रही हैं। हम तो केवल माध्यम हैं, वास्तविक शक्ति तो राधे-रानी की कृपा है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना केवल अन्न देना नहीं है, बल्कि उसके जीवन में कुछ समय के लिए राहत, सम्मान और अपनापन पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में जहां समाज में लोग अपने व्यक्तिगत जीवन और व्यस्तताओं में उलझे हुए हैं, वहीं राधे-राधे ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से अपना समय निकालकर सेवा कार्य में जुटे हुए हैं। यह भावना समाज के अन्य लोगों को भी प्रेरित करती है कि वे अपनी क्षमता के अनुसार मानव सेवा में योगदान दें।

संजय गोयल ने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति की महान परंपरा रही है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे पुण्य और श्रेष्ठ सेवाओं में माना गया है। राधे-राधे ग्रुप इसी सनातन परंपरा को आगे बढ़ाते हुए लगातार जरूरतमंदों के बीच पहुंचकर सेवा कर रहा है। उन्होंने ग्रुप के सभी सदस्यों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास से ही इतनी बड़ी सेवा को निरंतर बनाए रखना संभव हो पा रहा है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की सेवा का उद्देश्य केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सेवा ही सच्ची साधना है की भावना को मजबूत करना भी है। सेवा कार्यों के माध्यम से लोगों में एक-दूसरे के प्रति सहयोग, संवेदना और मानवता की भावना जागृत हो रही है।कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, जगन गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, युवान केडिया, संजय गोयल, नंद गोपाल, दत्ता हुलसुर, गोपाल गोयल एवं भाकर राम कुमावत सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया।

असवाल के नेतृत्व में प्रदेश महामंत्री श्रवणसिंह बगड़ी से जयपुर में मिले नेता

बीकानेर, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक डॉ. सिद्धार्थ असवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जयपुर में भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के प्रदेश महामंत्री श्रवणसिंह बगड़ी से मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर बगड़ी का अभिनंदन किया।मुलाकात के दौरान प्रदेश में चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करने, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार तथा आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। चिकित्सा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने संगठन की गतिविधियों तथा बीकानेर में संचालित किए जा रहे विभिन्न स्वास्थ्य सेवा अभियानों की जानकारी भी प्रदेश महामंत्री को दी।

प्रदेश महामंत्री श्रवणसिंह बगड़ी ने चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि संगठन और चिकित्सा क्षेत्र के बीच बेहतर समन्वय के माध्यम से आमजन तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों को और मजबूत करने तथा चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े प्रयासों में आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया।

मुलाकात के दौरान चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. राजेश वैष्णव, प्रदेश सह-संयोजक कमलेश, डॉ. जैन सहित प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

हिंदू परिवार की ...

प्रीतिलता की छोटी बहन पूजा चक्रवर्ती ने बताया कि उन्होंने आखिरी बार गुरुवार दोपहर अपनी बहन से बात की थी। इसके बाद लगातार फोन बंद मिलने पर परिवार के लोग शनिवार रात दासपारा स्थित घर पहुंचे।परिजनों ने देखा कि घर का मुख्य दरवाजा बंद था और अंदर की सभी लाइटें बुझी हुई थीं। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और ताला तोड़कर घर में दाखिल हुई। अंदर अलग-अलग स्थानों पर परिवार के चारों सदस्यों के शव मिले। परिजनों का कहना है कि गणपति चक्रवर्ती की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। उनकी भतीजी सोमा चक्रवर्ती ने बताया कि सेवानिवृत्ति के बाद गणपति होम्योपैथी चिकित्सक के रूप में काम करने लगे थे। गणपति पिछले वर्ष 31 दिसंबर को रंगपुर जिला स्कूल से सेवानिवृत्त हुए थे। उनकी बेटी ने इसी वर्ष रंगपुर कारमाइकल कॉलेज से अंग्रेजी में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की थी। वहीं, उनका 12 वर्षीय बेटा रंगपुर जिला स्कूल में पांचवीं कक्षा का छात्र था।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, यह परिवार करीब चार वर्षों से दासपारा इलाके में रह रहा था। गणपति ने यहां तीन मंजिला मकान बनवाया था, जिसका कुछ निर्माण कार्य अभी बाकी था।

अटल चैनल...

ऐसे में इस बार चुनौती केवल बातचीत करने की नहीं, बल्कि पहले से बनी सहमतियों को जमीन पर आगे बढ़ाने की भी होगी।

रिश्तों को सामान्य बनाने की कोशिश

भारत और चीन के बीच पिछले कुछ समय से संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयास भी चल रहे हैं। जून 2026 में डोभाल और वांग यी की नई दिल्ली में हुई मुलाकात के दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों को धीरे-धीरे सामान्य दिशा में ले जाने को लेकर चर्चा की थी।

अब बीजिंग में होने वाली 25वें दौर की वार्ता से यह संकेत मिलने की उम्मीद है कि दोनों देश सीमा पर तनाव घटाने के साथ-साथ द्विपक्षीय संबंधों को आगे किस दिशा में ले जाना चाहते हैं।

भरोसा बहाली पर रहेगी नजर

विशेष प्रतिनिधियों की आगामी बैठक में सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने के साथ आपसी भरोसा बढ़ाना भी महत्वपूर्ण मुद्दा हो सकता है। दोनों देशों के बीच पिछले वर्षों में पैदा हुए अविश्वास को दूर करना आसान नहीं होगा। ऐसे में बातचीत से निकलने वाले संकेतों को भारत-चीन संबंधों के अगले चरण के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या डोभाल और वांग यी की यह बातचीत वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थायी शांति और दोनों देशों के बीच भरोसा बढ़ाने की दिशा में कोई ठोस रास्ता खोल पाती है।

नोट के बदले ...

दोनों से पूछताछ और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पुलिस को गिरोह के पुणे में सक्रिय होने की जानकारी मिली।

इसके बाद पुलिस की एक टीम करीब एक सप्ताह तक पुणे में डेरा डाले रही। जांच के दौरान संदिग्धों का पता खंडाला स्थित एक रिसॉर्ट में लगाया गया। पुलिस ने वहां छापा मारकर आरोपियों को उस समय पकड़ लिया, जब वे वाराणसी के व्यक्ति को ठगी का शिकार बनाने की तैयारी कर रहे थे। पुलिस के अनुसार ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव उर्फ योगी (46), प्रवीण कुमार श्रीवास्तव उर्फ कैप्टन, शेट्टी या रेड्डी (52), मनोज कुमार श्रीवास्तव उर्फ बड़े सर (55), विवेक सिंह (48), शुभम पांडे (37), योगेंद्र चौहान (48) और बालमुकुंद दीक्षित (40) को ट्रांजिट रिमांड पर रायपुर लाया गया है। पुलिस के मुताबिक ज्ञान प्रकाश, प्रवीण कुमार और मनोज कुमार श्रीवास्तव गिरोह के कथित सरगना हैं।

असली नोट और रसायन दिखाकर जीतते थे भरोसा

जांच में सामने आया है कि प्रवीण कुमार गिरोह में ङ्गकैप्टनफ के नाम से काम करता था, जबकि मनोज कुमार को बड़े सर के नाम से जाना जाता था। आरोपी होटल और अन्य स्थानों पर बैठकें करते थे। वहां वे असली नोटों और रसायन का इस्तेमाल करके लोगों को यह विश्वास दिलाते थे कि काले पड़ चुके या खराब नोटों को नए नोटों में बदला जा सकता है। लोगों का भरोसा जीतने के बाद आरोपी रसायन मंगाने, उसका परीक्षण करने, सरकारी मंजूरी लेने और अन्य औपचारिकताएं पूरी करने के नाम पर किश्तों में रकम वसूलते थे। इसके बाद वे पीड़ितों से लगातार पैसे ऐंठते रहते थे।

पहले भी जेल जा चुके हैं गिरोह के सदस्य

जांच अधिकारियों के मुताबिक, गिरोह के कुछ सदस्य पहले भी मुंबई और वाराणसी में ठगी के मामलों में जेल जा चुके हैं। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है और बरामद मोबाइल फोन तथा अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है।

मामले में अब तक 9 गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार इस मामले में अब तक कुल 9 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच एजेंसियां गिरोह के बाकी सदस्यों की पहचान करने, ठगी से जुड़े अन्य मामलों का पता लगाने और गिरोह के पूरे नेटवर्क का खुलासा करने में जुटी हैं। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि गिरोह ने अब तक कितनी रकम की ठगी की है और उसके तार किन-किन राज्यों तक फैले हुए हैं।

पाक में...

निर्देशित क्रूज मिसाइलें भी शामिल हो सकती हैं। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

चीन के सैन्य विमानों की आवाजाही ने भी बढ़ाई चिंता

तुर्की के सैन्य विमानों के अलावा चीन के सैन्य परिवहन विमानों को भी रावलपिंडी के नूर खान और कराची के मसरूर वायुसेना अड्डों पर उतरते देखे जाने का दावा किया गया है। एक ही अवधि में तुर्की और चीन से सैन्य विमानों की आवाजाही की खबरों ने पाकिस्तान की संभावित सैन्य तैयारियों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पाकिस्तान क्यों बढ़ा रहा हथियारों का जखीरा?

पाकिस्तान ने हाल ही में तुर्की और सऊदी अरब के साथ त्रिपक्षीय रक्षा समझौता किया है। इसके अलावा चीन भी लंबे समय से पाकिस्तान का प्रमुख सैन्य सहयोगी रहा है और पाकिस्तान ने पिछले कुछ वर्षों में चीन से बड़ी मात्रा में रक्षा उपकरण और हथियार खरीदे हैं।तुर्की और चीन से पाकिस्तान को सैन्य सहायता मिलना कोई नई बात नहीं है, लेकिन इस बार कथित आपूर्ति जिस गोपनीय तरीके से किए जाने का दावा किया जा रहा है, उसने सुरक्षा विशेषज्ञों का ध्यान खींचा है।

भारत को सतर्क रहने की जरूरत : विशेषज्ञ

रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि चीन और तुर्की से पाकिस्तान पहुंच रही कथित सैन्य खेप पर भारत को लगातार नजर रखने की जरूरत है। विशेषज्ञों के अनुसार, इन हथियारों और ड्रोन का इस्तेमाल पाकिस्तान की सुरक्षा जरूरतों के साथ-साथ क्षेत्रीय सैन्य रणनीति में भी किया जा सकता है।हालांकि, कुछ क्षेत्रीय विशेषज्ञों का मानना है कि इन ड्रोन का इस्तेमाल पाकिस्तान के बलूचिस्तान जैसे प्रांतों में विद्रोही समूहों के खिलाफ भी किया जा सकता है। ऐसे में पाकिस्तान को मिली कथित सैन्य आपूर्ति का वास्तविक उद्देश्य आने वाले दिनों में और स्पष्ट हो सकता है। फिलहाल तुर्की और पाकिस्तान की ओर से इस कथित हथियार आपूर्ति पर कोई आधिकारिक विस्तृत बयान सामने नहीं आया है। इसलिए रिपोर्ट में किए गए हथियारों और उनकी मात्रा से जुड़े दावों को स्वतंत्र पुष्टि के बिना अंतिम तथ्य के रूप में नहीं माना जा सकता।

इमरान के लिए...

पहली मांग: सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित स्वतंत्र मेडिकल बोर्ड से इमरान खान की पूरी स्वास्थ्य जांच कराई जाए। इस बोर्ड में उनके निजी चिकित्सक को भी शामिल किए जाने की मांग की गई है।

दूसरी मांग: अदालत के आदेश के अनुसार परिवार के साथ साप्ताहिक मुलाकातों को बिना किसी प्रशासनिक बाधा के जारी रखा जाए। तीसरी मांग: मेडिकल बोर्ड द्वारा सुझाए गए किसी भी उपचार को बिना देरी के तत्काल उपलब्ध कराया जाए।

दुनिया भर के दिग्गजों ने किए हस्ताक्षर

इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं। बताया गया है कि करीब छह महीने पहले भी 14 पूर्व क्रिकेट कप्तानों ने उनके स्वास्थ्य को लेकर पत्र लिखा था। इस बार सात नए दिग्गज भी इस मुहिम में शामिल हुए हैं।

पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में भारत के सुनील गावस्कर, कपिल देव के अलावा एडम गिलक्रिस्ट, एलन बॉर्डर, एलिस्टर कुक, एंड्रयू स्ट्रॉस, अर्जुन रणतुंगा, क्लाइव लॉयड, डेविड गॉवर, दिलीप वेंगसरकर, ग्रेग चैपल, इयान चैपल, जॉन राइट, माइकल एथर्टन, नासिर हुसैन और स्टीव वॉ सहित क्रिकेट जगत के कई दिग्गज शामिल हैं।पूर्व कप्तानों की इस सामूहिक अपील ने एक बार फिर इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जगत में चिंता को सामने ला दिया है। पत्र में पूर्व खिलाड़ियों ने जोर दिया है कि किसी भी व्यक्ति को आवश्यक चिकित्सा सुविधा और उचित उपचार मिलना चाहिए तथा इमरान खान के मामले में अदालत के निर्देशों और चिकित्सकीय सलाह का पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए।

सीजेपी...

अधिकारियों ने कहा कि झड़प के बाद पूछताछ के लिए करीब 11 लोगों को हिरासत में लिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और भारतीय जनता युवा मोर्चा (बीजेवाईएम) से जुड़े कुछ कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर सीमा दीवार फांदकर परिसर में प्रवेश किया और जय श्री राम सहित नारे लगाते हुए कार्यक्रम स्थल की ओर बढ़े।

इससे तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। स्थल पर तैनात पुलिसकर्मियों ने दोनों समूहों के बीच टकराव रोकने के लिए हस्तक्षेप किया।

सीजेपी कार्यक्रम के सह-संयोजक और प्रवक्ता आशुतोष रांका ने शिक्षा और युवा मुद्दों पर प्रतिभागियों से बातचीत की।

अधिकारियों ने कहा कि पुलिसकर्मी स्थल पर बने रहे और विरोध प्रदर्शन कर रहे युवाओं को परिसर से हटा दिया ताकि स्थिति और न बिगड़े। टकराव के बाद पुलिस ने क्षेत्र में सुरक्षा भी बढ़ा दी।

गांधी शांति प्रतिष्ठान में हुई घटना के बाद आयोजकों ने कहा कि पुलिस ने शास्त्री सर्कल गार्डन में सीजेपी के एक अन्य प्रस्तावित छात्र संवाद के लिए अनुमति नहीं दी।

शुक्रवार को सीजेपी के संस्थापक और संयोजक अभिजीत दिपके ने आरोप लगाया था कि राजस्थान में रांका और अन्य सीजेपी स्वयंसेवकों पर भाजपा के गुंडों द्वारा हमला किया गया।

उस दिन रांका और सीजेपी टीम जयपुर जिले के रामपुरा-कनवरपुरा में एक सरकारी स्कूल का दौरा करने जा रही थी, जब लोगों के एक समूह ने उन्हें वहां से भगा दिया। एक वीडियो में यह दृश्य दिखाया गया।दीपके ने कई पोस्ट में लिखा कि टीम को कैसे परेशान किया गया और आरोप लगाया कि राजस्थान पुलिस मूक दर्शक बनी रही जबकि सीजेपी स्वयंसेवकों पर हमला किया गया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 24 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज की घर-घर महाराजा अग्रसेन पूजा समिति ने किया प्रथम पूजन

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा संचालित ङ्घर-घर महाराजा अग्रसेन की पूजाफ समिति के तत्वावधान में प्रथम पूजा का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। यह पूजा अग्रवाल समाज, अग्रवंशी शाखा के संस्थापक एवं सलाहकार श्री अशोक चौखानी के निवास स्थान पर संपन्न हुई।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के मीडिया एवं प्रचार-प्रसार चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि यह आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र गोयल तथा अन्य पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में किया गया।पूजा-अर्चना के दौरान महाराजा अग्रसेन का विधिवत पूजन कर समाज की एकता, सुख-समृद्धि एवं मंगलमय भविष्य की कामना की गई। श्रद्धालुओं ने धार्मिक एवं सामाजिक मूल्यों को मजबूत करने तथा महाराजा अग्रसेन के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

आयोजन के दौरान समाजबंधुओं में आपसी प्रेम, सद्भाव और सामाजिक एकजुटता का भाव देखने को मिला।

उपस्थित सदस्यों ने कहा कि घर-घर महाराजा अग्रसेन की पूजा जैसे आयोजनों से समाज की नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपरा और गौरवशाली विरासत से जोड़ने में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर श्री श्यामशरण चौखानी, श्रीमती रेनू चौखानी, श्रीमती पुष्पा चौखानी, श्री अभिषेक अग्रवाल, श्री वेणुगोपाल अग्रवाल, श्री राजेश अग्रवाल एवं श्री गोपाल अग्रवाल सहित समाज के अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक सौहार्द के वातावरण में संपन्न हुआ।

अग्रवाल समाज तेलंगाना यूथ इवेंट्स कमेटी ने की आहार सेवा

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना यूथ इवेंट्स कमेटी द्वारा प्रत्येक रविवार नियमित रूप से आहार सेवा का आयोजन किया जा रहा है। इसी सेवा श्रृंखला के तहत इस रविवार एकादशी के अवसर पर श्रद्धालुओं एवं जरूरतमंदों के बीच साबूदाना खिचड़ी का वितरण किया गया।

यह सेवा अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष एवं समाजसेवी श्री नरेंद्र कुमार गोयल के सहयोग से आयोजित की गई। श्री गोयल ने आहार सेवा में सक्रिय सहभागिता के लिए कमेटी के सभी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सेवा कार्य समाज में सहयोग, संवेदना और आपसी सद्भाव की भावना को मजबूत करते हैं।

इस अवसर पर श्री नरेंद्र कुमार गोयल ने बताया कि आगामी 31 अगस्त को सिकंदराबाद बैंक्वेट हॉल में अग्रवाल समाज द्वारा रक्षाबंधन उत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह उत्सव समाज की सभी अग्रवाल बहनों के लिए आयोजित किया जा रहा है।

उन्होंने सभी अग्रवाल बहनों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर रक्षाबंधन उत्सव को सफल बनाने का आह्वान किया।

आहार सेवा कार्यक्रम में यूथ इवेंट्स कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष तनुश्री अग्रवाल, मुस्कान अग्रवाल, अनीशा अग्रवाल, राशि अग्रवाल, देवांश अग्रवाल, ऋषि अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, ईशा सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई और सेवा प्रदान की।

कमेटी के सदस्यों ने कहा कि नियमित आहार सेवा के माध्यम से समाजसेवा की भावना को आगे बढ़ाने तथा युवाओं को सेवा कार्यों से जोड़ने का प्रयास लगातार जारी रहेगा।

सिखवाल प्रगति समाज की ओर से ऋषि श्रृंग भवन में भुलक्ष्मी माता मंदिर के वार्षिक उत्सव के अवसर पर मंदिर के प्रधान पुजारी बाबू गुरु का शॉल एवं माला पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया।इस अवसर पर रामदेव नागला, अनिल जायलवाल, दामोदर जोशी, रामेश्वरलाल उपाध्याय (एस.के.), ओमनारायण पंडित, जुगल किशोर उपाध्याय तथा सुर सम्राट घनश्याम सैन सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

तेरापंथ भवन में जैन विद्या प्रमाण-पत्र वितरण समारोह संपन्न

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा के तत्वावधान में जैन विद्या प्रमाण-पत्र वितरण समारोह 22 अगस्त को सिकंदराबाद स्थित तेरापंथ भवन में आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमार जी एवं मुनि श्री काव्य कुमार जी के सान्निध्य में श्रद्धा एवं उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।

श्री राजेंद्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ मुनि श्री दीप कुमार जी द्वारा मंगल नवकार मंत्र के उच्चारण से हुआ। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में उन्होंने कहा कि जैन विद्या एक श्रेष्ठ विद्या है। प्रत्येक श्रावक-श्राविका को जैन विद्या की परीक्षा अवश्य देनी चाहिए, क्योंकि इसके माध्यम से जैन धर्म के मूल सिद्धांतों एवं जीवन-दर्शन को गहराई से समझने का अवसर मिलता है। जैन विद्या के क्षेत्र में उत्कृष्ट सहभागिता एवं परीक्षा में सम्मिलित सभी प्रतिभागियों को श्री पद्म कुमार जी दुग्गड़ ने शुभकामनाएं एवं मंगलकामनाएं प्रेषित कीं। सिकंदराबाद सभा के अध्यक्ष श्री सुशील संचेती ने भी सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल आध्यात्मिक भविष्य की कामना की तथा सभी का स्वागत किया।

जैन विद्या परीक्षा केंद्र व्यवस्थापिका श्रीमती रीटा सुराणा ने परीक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए इसके उद्देश्य एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने आंध्र-तेलंगाना सह-प्रभारी श्री राजेंद्र बोथरा को भी बधाई दी।

कार्यक्रम में जैन विद्या की सभी सह-केंद्र व्यवस्थापिकाओं द्वारा भावपूर्ण मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। श्रीमती प्रेमजी संचेती ने कुशलतापूर्वक कार्यक्रम का संचालन किया। सह-केंद्र व्यवस्थापिका श्रीमती अनिता गिड़िया एवं श्रीमती यशोदा कोठारी ने जैन विद्या परीक्षा में सहभागी सभी प्रतिभागियों के नामों की घोषणा की।

इस अवसर पर जैन विद्या के आयोजन एवं संचालन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करने वाले सभी प्रायोजकों का सम्मान किया गया। साथ ही श्री पद्मचंद दुग्गड़ का भी सम्मान कर उनके सहयोग एवं योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। जैन विद्या तेलंगाना प्रभारी श्रीमती संगीता गोलछा का भी सम्मान किया गया।

समारोह में आगम राष्ट्रीय सह-संयोजिका रेखा जी तथा सम्यक दर्शन कार्यशाला की संयोजिका निशा दुग्गड़ की गरिमामय उपस्थिति रही।

समारोह का वातावरण आध्यात्मिकता, उत्साह एवं ज्ञान के प्रति समर्पण से ओतप्रोत रहा। अंत में तेरापंथ सभा के मंत्री श्री हेमंत संचेती ने मुनि श्री, अतिथियों, प्रतिभागियों एवं संयोजिकाओं के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

आयोजन को सफल बनाने में जैन विद्या सह-केंद्र व्यवस्थापिका सरला भुतोड़िया, हेमा मालू, सीमा नाहर, संतोष पिंचा, सुमन सेठिया, विनीता दुग्गड़, सुमन चौरड़िया, सीमा पोखरना, चंदन कोठारी, निशा पिंचा, रेणु बेंगानी, रेखा सुराणा, रजनी श्यामसुखा, पूर्वी सुराणा, प्रियंका सहित अन्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

कोकरवाड़ी नवयुवक संघ, भाग्यनगर द्वारा वर्ष 2026 में आयोजित होने वाले 62वें गणेश उत्सव के अवसर पर उत्सव के पोस्टर का विधिवत विमोचन किया गया। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में संघ के सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

श्री आईजी गौशाला की नई कार्यकारिणी गठित

किशनलाल पंवार अध्यक्ष और हुक्माराम सानपुरा सचिव निर्वाचित; गौसेवा एवं गौसंरक्षण को प्राथमिकता देने का संकल्प

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से किशनलाल पंवार को अध्यक्ष एवं हुक्माराम सानपुरा को सचिव निर्वाचित किया गया। वहीं नारायणलाल अगलेचा को उपाध्यक्ष, अर्जुनलाल बर्फा को सह-सचिव तथा मोतीलाल काग को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

सलाहकार मंडल का भी गठन

नई कार्यकारिणी में कालूराम काग, मंगलाराम पंवार, भंवरलाल मुलेवा एवं ओंकारलाल हाम्बड़ को सलाहकार नियुक्त किया गया।

कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में भगाराम मुलेवा, मोहनलाल हाम्बड़, चोलाराम हाम्बड़, पारसमल शर्मा, ढगलाराम सेपटा, शंकरलाल बर्फा, नारायणलाल परिहार, माधुराम चोयल, गिरधारीलाल चोयल, नेमाराम काग, कालूराम काग चिंतल, भंवरलाल बर्फा, गणेशराम बर्फा, गोपाराम मुलेवा, लालजी पटेल, एन.आर. पटेल, वेनाराम चोयल, कालूराम राठौड़ एवं पवन गेहलोत को शामिल किया गया।

गौसेवा और संरक्षण को मिलेगी प्राथमिकता

नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने कहा कि गौसेवा, गौसंरक्षण एवं गौशाला के विकास को प्राथमिकता दी जाएगी। सभी सदस्यों के सहयोग से गौशाला में सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा विकास कार्यों को गति देने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने समाज के सभी लोगों से गौशाला की सेवा एवं विकास कार्यों में सहयोग करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में श्री आईजी गौशाला के अध्यक्ष मंगलाराम पंवार एवं सचिव हुक्माराम सानपुरा ने सभी सहयोगकर्ताओं एवं उपस्थित समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया।

बालाजी नगर श्री नाथ समाज की सावन की सैर श्री शिव गौरक्ष मंदिर में संपन्न

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजी नगर श्री नाथ समाज की ओर से आयोजित सावन की सैर कार्यक्रम बालाजी नगर स्थित श्री शिव गौरक्ष मंदिर में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारियों, संतों एवं समाजबंधुओं ने सहभागिता निभाई। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने धार्मिक वातावरण में भगवान की पूजा-अर्चना की तथा समाज की सुख-समृद्धि एवं मंगलमय भविष्य की कामना की। सावन की सैर के अवसर पर समाजबंधुओं ने एक-दूसरे से मिलकर आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करने का संदेश दिया।

इस अवसर पर अध्यक्ष अमरनाथ चौहान, संरक्षक सोहननाथ भाटिया, पारसनाथ शेखावास, मदननाथ राठौर, मानकनाथ सिंहपुरा, लक्ष्मणनाथ आसन, हरजीनाथ बगड़ी नगर, सुमेरनाथ एवं संत योगेश्वर सहित समाज के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। उपस्थित समाजबंधुओं ने भविष्य में भी इस प्रकार के धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों को निरंतर आयोजित करने पर जोर दिया।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज में चौथे श्रावण सोमवार पर होगा छप्पन भोग का आयोजन

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा श्रावण महोत्सव के अंतर्गत चौथे श्रावण सोमवार, 24 अगस्त को विशेष पूजा-अर्चना एवं रुद्राभिषेक का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम शाम 7 बजे से प्रारंभ होगा। इसी आयोजन की तैयारियों को लेकर श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा में समाज की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक की शुरुआत महर्षि श्रृंग वंदना से हुई। इसके पश्चात समाज के महामंत्री मुरलीधर तिवारी ने बताया कि चौथे श्रावण सोमवार को भगवान शिव की पूजा-अर्चना एवं रुद्राभिषेक के साथ भगवान श्री विजय शंकर जी महाराज का छप्पन भोग एवं छत्तीसों व्यंजनों से भव्य श्रृंगार किया जाएगा।

आयोजन के दौरान भगवान श्री विजय शंकर जी महाराज को विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। इसके साथ ही विशेष श्रृंगार एवं धार्मिक अनुष्ठान होंगे। समाजबंधुओं एवं धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में समय पर पहुंचकर भगवान के दिव्य श्रृंगार एवं वनविहार के मुख्य आकर्षण के दर्शन करने तथा प्रसादी का लाभ लेने का आह्वान किया गया है।

बैठक में बताया गया कि 30 अगस्त 2026 को श्रावण महोत्सव का विधिवत समापन किया जाएगा। इस अवसर पर भगवान का रुद्राभिषेक, पूजा-अर्चना एवं प्रसादी का आयोजन धूमधाम से किया जाएगा। समाज की ओर से सभी स्वजातीय बंधुओं एवं धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धार्मिक आयोजनों में सहभागिता निभाने की अपील की गई। बैठक में रामदेव नागला, मुरलीधर तिवारी, अनिल जायलवाल, किशोरी लाल तिवारी, दीपक उपाध्याय, धीरज उपाध्याय, रोहित उपाध्याय, जितेंद्र तिवारी, आदर्श जायलवाल, नरेश तिवारी, कैलाश व्यास, नारायण वैष्णव सहित अन्य समाजबंधु उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की विवाह डेटा समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की विवाह डेटा समिति की महत्वपूर्ण बैठक राघव रत्न टावर्स, आबिड्स स्थित अग्रवाल समाज कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में विवाह योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा संकलन, उपलब्ध वैवाहिक विवरण तथा योग्य रिश्तों के समन्वय से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में समिति की आगामी कार्ययोजना तथा विवाह योग्य युवक-युवतियों के परिवारों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने को लेकर सदस्यों ने अपने सुझाव रखे। समाज के युवक-युवतियों के लिए उपयुक्त वैवाहिक संबंध उपलब्ध कराने तथा परिवारों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने की दिशा में समिति की भूमिका को और प्रभावी बनाने पर भी विचार किया गया।

बैठक में महेंद्र अग्रवाल, अशोक जिंदल, पंकज कुमार सांघी, गोपाल अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल, सुनील मोदी, रानी मित्तल, संगीता गोयल, बाबिता अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, देवकीनंदन, कार्तिक अग्रवाल, मुकेश सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में सदस्यों ने समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों और उनके परिवारों को बेहतर वैवाहिक समन्वय उपलब्ध कराने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

सज्जन कुमार के महिमामंडन को लेकर तेलंगाना भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का कांग्रेस पर हमला

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा ने कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा कथित रूप से दिए गए बयानों को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। मोर्चा ने आरोप लगाया कि सज्जन कुमार को देश के राजनीतिक परिदृश्य के लिए ह्रह्लअपूरणीय क्षतिफ्ल और ह्रह्लराष्ट्रीय स्तर पर एक आदर्शफ्ल बताए जाने संबंधी कथित टिप्पणियों ने 1984 की सिख विरोधी हिंसा के पीड़ितों और उनके परिवारों के घाव फिर से हरे कर दिए हैं। मोर्चा ने कहा कि 1984 की हिंसा भारतीय इतिहास के सबसे दर्दनाक अध्यायों में से एक रही है। ऐसे में हिंसा से जुड़े मामलों में दोषी ठहराए गए व्यक्ति को राजनीतिक आदर्श के रूप में प्रस्तुत किया जाना पीड़ित परिवारों के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाता है।

पीड़ित परिवारों की भावनाओं का सम्मान जरूरी

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने कहा कि सिख समुदाय के अनेक परिवारों ने 1984 की हिंसा में अपने प्रियजनों को खोया है और वर्षों से न्याय तथा जवाबदेही की मांग करते रहे हैं। ऐसे में किसी दोषी व्यक्ति का महिमामंडन करने वाली कथित टिप्पणी पीड़ितों के दर्द को और बढ़ाने वाली है। मोर्चा के अनुसार, राजनीतिक संबद्धता अथवा व्यक्तिगत संबंधों को न्याय, जवाबदेही और पीड़ित परिवारों के सम्मान से ऊपर नहीं रखा जाना चाहिए।

1984 की हिंसा जैसे संवेदनशील विषय पर राजनीतिक नेताओं को सार्वजनिक बयान देते समय विशेष सावधानी और जिम्मेदारी बरतनी चाहिए।

कांग्रेस नेतृत्व से स्थिति स्पष्ट करने की मांग

मोर्चा ने कांग्रेस नेतृत्व से यह स्पष्ट करने की मांग की कि दीपेंद्र सिंह हुड्डा की कथित टिप्पणियां उनकी व्यक्तिगत राय हैं या कांग्रेस के भीतर इस विषय को लेकर कोई व्यापक सोच है। मोर्चा ने कहा कि सिख समुदाय और हिंसा से प्रभावित परिवारों के प्रति कांग्रेस नेतृत्व को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

हुड्डा से बयान वापस लेने और माफी की मांग

टिप्पणियों का विरोध करने वालों ने दीपेंद्र सिंह हुड्डा से कथित बयान वापस लेने तथा सार्वजनिक रूप से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की है। उनका कहना है कि 1984 की हिंसा पर किसी भी प्रकार की राजनीतिक टिप्पणी पीड़ितों की भावनाओं और ऐतिहासिक संवेदनशीलता को ध्यान में रखकर ही की जानी चाहिए।

न्याय और जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने कहा कि 1984 की हिंसा के पीड़ितों को न्याय, जवाबदेही और सम्मान मिलना जरूरी है। राजनीतिक स्वार्थ के कारण पीड़ितों की पीड़ा को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए और न ही ऐतिहासिक घटनाओं को लेकर ऐसी भाषा का इस्तेमाल किया जाना चाहिए, जिससे पीड़ित परिवारों की भावनाएं आहत हों।

मोर्चा ने कहा कि पीड़ितों को याद रखना, उनके न्याय के अधिकार का सम्मान करना और दोषियों की जवाबदेही सुनिश्चित करना लोकतांत्रिक व्यवस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

हैदराबाद गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी गठित

विनील पर्वतनेनी बने एचजीटीए के नए अध्यक्ष

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (एचजीटीए) ने वर्ष 2026–28 के लिए नई प्रबंध समिति का गठन किया है। बंजारा हिल्स स्थित रैडिसन ब्लू प्लाजा होटल में आयोजित वार्षिक आमसभा में नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई।

एचजीटीए के निवर्तमान अध्यक्ष अजय शर्मा के नेतृत्व में चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। ओंकार ट्रांस लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन श्री रामकुमार राठी ने चुनाव अधिकारी के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाई।

वर्ष 2026–28 के लिए श्री विनील पर्वतनेनी को अध्यक्ष, एक्सप्रेस रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड के श्री विवेक गुप्ता को उपाध्यक्ष तथा जय श्री ट्रांसपोर्ट कंपनी के श्री अशोक गोयल को महासचिव निर्वाचित किया गया।

इसी क्रम में भारत ट्रांसपोर्ट सर्विसेज के श्री एम. अजीमुद्दीन को संयुक्त सचिव तथा मंगल गुड्स ट्रांसपोर्ट के श्री के. राघवेंद्र को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

नई प्रबंध समिति में कई सदस्यों को मिली जिम्मेदारी

नई प्रबंध समिति के सदस्यों के रूप में राजेश सिंह, अभिषेक राठी, अजीत भंडारी, प्रवीन शर्मा, अजय पिलानिया, विशेष अग्रवाल, गौरव वत्स, राहुल गर्ग, सत्युग केजरीवाल, अंशुल गोयल सहित अन्य सदस्यों का निर्वाचन किया गया।

एचजीटीए वर्ष 1971 से माल परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाला प्रमुख संगठन है। संगठन द्वारा परिवहन क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों को सरकार के समक्ष उठाने तथा उनके समाधान के लिए लगातार समन्वय किया जाता रहा है।

परिवहन क्षेत्र की समस्याओं के समाधान पर जोर

नई कार्यकारिणी ने कहा कि आगामी कार्यकाल में परिवहन क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के समाधान, सदस्यों के कल्याण तथा पूरे परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के विकास के लिए सरकार और संबंधित विभागों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित कर कार्य किया जाएगा।

तीन दिग्गजों को जीवनभर की उपलब्धि सम्मान

कार्यक्रम के दौरान परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में दीर्घकालीन योगदान के लिए स्टेट लाइन नरसिम्हुलु गुप्ता, कंदुकुरी श्रीनिवासुलु एवं के.आर. गणेश को जीवनभर की उपलब्धि सम्मान से सम्मानित किया गया।

नई कार्यकारिणी के गठन पर उपस्थित सदस्यों एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। उपस्थित लोगों ने विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम के नेतृत्व में एचजीटीए परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को और अधिक मजबूती के साथ उठाएगा तथा उद्योग के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सेवा का मार्ग चुनकर राधे-राधे ग्रुप समाज के लिए बना प्रेरणा का स्वरूप : अनिल अग्रवाल

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने रविवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राधे-राधे ग्रुप द्वारा लंबे समय से चलाए जा रहे इस सेवा अभियान के तहत जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सदस्यों ने पूरे सेवा भाव के साथ लोगों को भोजन कराया और मानवता की सेवा का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अनिल अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप ने सेवा का जो मार्ग चुना है, वह वास्तव में समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणा का स्वरूप है। अन्नदान केवल किसी जरूरतमंद को भोजन उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि यह मानवता, करुणा और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करने वाला पुण्य कार्य है। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति निस्वार्थ भाव से किसी जरूरतमंद की सहायता करता है, तो उसके माध्यम से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

अनिल अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल एक दिन या किसी विशेष अवसर पर सेवा करना नहीं, बल्कि नियमित रूप से जरूरतमंद लोगों के बीच पहुंचकर उनकी आवश्यकताओं को समझना और यथासंभव सहायता करना है। इसी भावना के साथ ग्रुप द्वारा विभिन्न स्थानों में नियमित अन्नदान सहित अनेक सेवा कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेवा कार्य में सबसे महत्वपूर्ण भावना निस्वार्थता की होती है और राधे-राधे ग्रुप के सदस्य इसी भावना को लेकर लगातार आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे सेवा कार्यों की आज विशेष आवश्यकता है। यदि सक्षम लोग अपने आसपास रहने वाले जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे आएं, तो समाज में किसी भी व्यक्ति को भूखा रहने की स्थिति का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने सभी लोगों से आह्वान किया कि वे अपनी क्षमता के अनुसार मानव सेवा से जुड़ें और समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्ग के लिए सहयोग का हाथ बढ़ाएं।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल ने भी सेवा कार्य में सहभागिता निभाई। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे अन्नदान कार्यक्रम समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेवा का यह अभियान केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से लोगों के बीच अपनत्व और मानवता का भाव भी विकसित हो रहा है।

अन्नदान कार्यक्रम के दौरान अनिल धरशुवाले अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय, महेश गोयल एवं जगन गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से सहयोग करते हुए जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का प्रयास है कि सेवा की यह परंपरा निरंतर चलती रहे और अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक अन्न एवं अन्य आवश्यक सहायता पहुंचाई जा सके। सदस्यों ने कहा कि किसी जरूरतमंद के चेहरे पर भोजन प्राप्त करने के बाद आने वाली संतुष्टि और प्रसन्नता ही इस सेवा कार्य की सबसे बड़ी प्रेरणा है।

राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने संकल्प व्यक्त किया कि भविष्य में भी इसी प्रकार नियमित रूप से अन्नदान और मानव सेवा के कार्य जारी रखे जाएंगे तथा समाज के अधिक से अधिक लोगों को इस सेवा अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। सेवा, सहयोग और मानवता की भावना के साथ राधे-राधे ग्रुप का यह अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है।

प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद में एक-दिवसीय हिंदी कार्यशाला का भव्य एवं सफल आयोजन

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्वाधीन और सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल) की इकाई, प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद में आज दिनांक 22 अगस्त 2026 (शनिवार) को एक हिंदी कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय और नराकास (उपक्रम), हैदराबाद के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में यह कार्यशाला मुद्रणालय के मुख्य सम्मेलन कक्ष में पूर्वाह्न 10:00 बजे से आयोजित की गई।

इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), हैदराबाद के मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) एवं प्रयोजनमूलक हिंदी के प्रख्यात विद्वान डॉ. साकेत कुमार सहाय ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। डॉ. सहाय ने उपस्थित अधिकारियों को मराजभाषा नीति-नियमों एवं कार्यालयीन कामकाज में हिंदी भाषा के सहज एवं सरल प्रयोगफ विषय पर अपना अत्यंत सारगर्भित, रोचक एवं व्यावहारिक व्याख्यान दिया। उन्होंने जटिल बैंकिंग और प्रशासनिक विषयों को अत्यंत आसान हिंदी में प्रस्तुत करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया, जिससे सभी प्रतिभागी लाभान्वित हुए।यह सफल कार्यक्रम प्रतिभूति मुद्रणालय के मुख्य महाप्रबंधक श्री के. एन. महापात्र के कुशल मार्गदर्शन और अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री आ. दुर्गा प्रसाद के निरंतर सहयोग एवं प्रेरणा से संपन्न हुआ। कार्यशाला की रूपरेखा, नियोजन एवं सफल संचालन प्रबंधक (मा.सं.) एवं प्रभारी (राजभाषा) श्री मेहुल राठोड़ के नेतृत्व में किया गया।

इस कार्यशाला में मुद्रणालय के विभिन्न विभागों (जैसे- वित्त व लेखा, तकनीकी संचालन, सूचना प्रौद्योगिकी, सामग्री आदि) के संयुक्त महाप्रबंधक, उप महाप्रबंधक, प्रबंधक एवं सहायक प्रबंधक स्तर के कुल 21 नामित वरिष्ठ पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के अंत में राजभाषा अनुभाग के परामर्शदाता डॉ. कमलेश शर्मा, पर्यवेक्षक (राजभाषा) श्री संतोष साव और कार्यालय सहायक श्री बी. नरेश की सक्रिय भूमिका के साथ एक विस्तृत धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। इस कार्यशाला के माध्यम से मुद्रणालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों में राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के प्रति एक नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार हुआ।

हैप्पी कपल, खुशियां डबल दंपति कार्यशाला का आयोजन
दंपति है परिवार की संपत्ति : मुनि श्री दीप कुमार जी

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। आचार्य श्री महाश्रमण जी के विद्वान सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमार जी ठाणा-2 के पावन सान्निध्य में तथा तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद के तत्वावधान में ह्रहैप्पी कपलखुशियां डबलफ दंपति कार्यशाला का आयोजन तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी, सिकंदराबाद में किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता फिल्म व्यक्तित्व एवं अंतरराष्ट्रीय व्यवहार-कौशल प्रशिक्षक श्री के.वी. प्रदीप कुमार रहे। कार्यक्रम में करीब 85 दंपतियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के मंगल उच्चारण से हुआ। सिकंदराबाद सभा के अध्यक्ष श्री सुशील संचेती, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष श्री विनोद दुगड़, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष श्री राजेंद्र बोथरा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। महिला मंडल की बहनों ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया।

तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती नमिता सिंघी ने स्वागत भाषण दिया, जबकि कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती सरला आर. भुतोड़िया ने मुख्य वक्ता का परिचय कराया।

मुनि श्री दीप कुमार जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में दांपत्य जीवन की एक आदर्श परंपरा रही है, लेकिन वर्तमान समय में वैवाहिक जीवन में खटास, दरार और टूटन की स्थितियां बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि विश्वास रिश्ते का आधार स्तंभ है। यदि विश्वास नहीं है तो सात फेरों का संबंध टूटने में सात मिनट भी नहीं लगते।

उन्होंने दंपतियों को खुशहाल दांपत्य जीवन के लिए पांच ह्रटीफविश्वास, समय, संवाद, धन्यवाद और सहनशीलता को अपनाने की प्रेरणा दी।

मुनि श्री काव्य कुमार जी ने प्रभावी वक्तव्य में एक कहानी के माध्यम से सफल दांपत्य जीवन के चार सूत्र बताएसहना, समझना, सम्मान देना और साथ निभाना। उन्होंने कहा कि इन गुणों को जीवन में अपनाने से पति-पत्नी के बीच प्रेम, विश्वास और आपसी समझ को मजबूत किया जा सकता है।

मुख्य वक्ता श्री के.वी. प्रदीप कुमार ने दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति के माध्यम से खुशहाल दांपत्य जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दांपत्य जीवन में खुशियां अपने आप नहीं आतीं, बल्कि प्रेम, समझ और छोटे-छोटे प्रयासों से उनका निर्माण करना पड़ता है।

उन्होंने दंपतियों से आह्वान किया कि पति-पत्नी एक-दूसरे को बदलने की अपेक्षा करने के बजाय एक-दूसरे को समझने और स्वीकार करने का प्रयास करें। परिवार में छोटी-छोटी खुशियों को मिलकर मनाना, एक-दूसरे के साथ पर्याप्त समय बिताना और भावनाओं का सम्मान करना दांपत्य जीवन को अधिक मधुर बनाता है।

आज का अल्पाहार

राधे राधे ग्रुप

श्री पथकोटा अनन्ता रेड्डी

की वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष्य में

पथकोटा श्रीलता (पत्नी) दिविजा साई, दीप्ति साई (पुत्रियां)

वितरण स्थल : भू-लक्ष्मी माता गौशाला, बेगम बाज़ार

SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234

JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311

RAM PRAKASH GOEL 93910 14283

MAHESH AGARWAL 98490 98502

तेरहवीं

स्व. श्री मनोज प्रसादजी

(सुपुत्र : स्व. श्री त्र्यम्बकप्रसादजी)

स्वर्गवास : शुक्रवार दि.14-8-2026

पगड़ी सोमवार दि.24-8-2026 को प्रातः 11:00 बजे हमारे निवास स्थान फ्लैट नं.108, कदम टॉवर्स, अशोक नगर रोड, हिमायत नगर पर होगी।

प्रसादी सोमवार दि.24-8-2026 को दोपहर 2:00 बजे से स्थान : तेरापंथ भवन, स्ट्रीट नं.9, हिमायत नगर, हैदराबाद

- शोकाकुल -

समस्त सेठी परिवार

✆ 9441884991, 9440629444

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.